● वर्ष-3
● अंक-78
रायपुर, बुधवार
08 नवंबर 2023
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› दिवाली तक हर दिन शुभ....

भाजपा ने खोला है आदिवासी हितों के लिए खजाना-मोदी

रायपुर/सूरजपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सूरजपुर की धरती से सरगुजा के लोगों को गारंटी देते हुए कहा कि भाजपा ने ही छत्तीसगढ़ बनाया है और इसे भाजपा ही सवारेगी। उन्होंने कहा कि सरगुजा ने भाजपा को दिलीप सिंह जूदेव जैसे समर्पित नेतृत्व दिया जिन्होंने हमेशा गरीब शोषित, वंचित पिछड़े आदिवासी समाज की आकांक्षाओं को समझा।

उन्होंने कहा कि मां कुदरगढ़ी महामाया माई और देवघर महादेव की इस पावन धरती पर आप सभी के दर्शन का सौभाग्य मिला। मैं इस क्षेत्र में कई बार आया। सुबह के समय इतनी बड़ी रैली करना इतनी बड़ी तादात में लोगों का आना यह अपने आप में मेरे मन को हृदय को छू गया। मुझे भरोसा है कि सरगुजा की जनता भाजपा को पूरा आशीर्वाद देती और मेरी गारंटी है कि सरगुजा के सपने पूरे होंगे। आज पूरा छत्तीसगढ़ कह रहा है भाजपा आवत हे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस राज में छत्तीसगढ़ में महादेव सट्टे का काला कारोबार चलने पर कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को बदनाम किया है महादेव के नाम पर पर भी घोटाला कर दिया महादेव सट्टेबाजी घोटाले की चर्चा आज पूरे देश में हो रही है। कांग्रेस ने अपनी तिजोरी भरने के लिए आपके बच्चों से ही सट्टेबाजी करवाई है। आपके बच्चों के भविष्य को बर्बाद करने का काम कांग्रेस ने किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय सट्टेबाजों का अड्डा कैसे बने हुआ था।

30 टका कक्का खुले आम सट्टा

यहां के मुख्यमंत्री के करीबी जेल में बंद है। छापों में नोटों के बड़े-बड़े बंडल मिल रहे हैं। करोड़ों रुपए पकड़े जा रहे हैं जो घोटाले का सबसे बड़ा आरोपी है टीवी पर आकर कह रहा है कि उसने मुख्यमंत्री को 500 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की रिश्वत दी है। क्या और सबूत की जरूरत है? ऐसे ही आरोपों से घिरे मुख्यमंत्री को सीएम की कुर्सी पर एक भी पल नहीं रहना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में पहले चरण का चुनाव में बड़े उत्साह उमंग के साथ भारी मतदान हो रहा है। यह छत्तीसगढ़ के नए भविष्य के निर्माण का उत्सव है। आपको छत्तीसगढ़ में एक मजबूत सरकार बनानी है। भारत में हमारे आदिवासी भाई बहनों की आबादी 9

से 10 करोड़ के आसपास है लेकिन आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस ने आदिवासियों का कोई हित भी नहीं किया। उन्हें उनके नसीब पर छोड़ दिया था। कांग्रेस ने कभी आपकी चिंता नहीं की आपके बच्चों के बारे में नहीं सोचा जबकि भाजपा ने हमेशा आदिवासी कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। क्या आपने कभी सोचा था कि आदिवासी परिवार की जंगलों में पैदा हुई, गरीब घर में पैदा हुई, एक आदिवासी बेटी देश की राष्ट्रपति बनेगी। कांग्रेस ने इसे रोकने की, उनका अपमान करने की इतनी कोशिश की जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन आदिवासी समाज की बहनों को यह सम्मान भाजपा ने ही दिया है। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी उन्हें लगता था कि आदिवासियों के लिए पैसे खर्च करना मतलब गड्ढे में पैसे डालना, बर्बाद करना है। यही उनकी सोच थी लेकिन भाजपा ने जब भी आदिवासी हितों की बात आई सरकार का खजाना खोल दिया। तिजोरी खोल दी। आदिवासी समाज के लिए केंद्र सरकार ने इतना बजट दिया है कि इस समाज का उतना कल्याण हो रहा है जिसकी कभी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं सेवा करने के लिए पैदा हुआ हूं और आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया है।

बीजेपी ने बनाया, बीजेपी ही संवारेगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीजेपी ने अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का निर्माण किया था और इसीलिए आज पूरा छत्तीसगढ़ कह रहा है, %बीजेपी ने बनाया है, बीजेपी ही संवारेगी। पीएम ने कहा कि बीजेपी को गरीबों की चिंता है, इसीलिए मुफ्त राशन योजना अगले पांच साल तक जारी रहेगी। 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन दिया जाएगा। वह नहीं चाहते कि किसी भी गरीब का बच्चा भूखा सोए, इसीलिए सरकार ने मुफ्त राशन योजना जारी रखने का फैसला लिया है।

बिना डरे करें मतदान

छत्तीसगढ़ में आज हो रहे पहले चरण के चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने सभी वोटर्स से बिना डरे और बिना हिचके मतदान जरूर करने की अपील की, उन्होंने कहा कि राज्य में बड़े उत्साह और उमंग के साथ भारी मतदान हो रहा है, सभी लोग वोट जरूर डालें. पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ बीजेपी का संकल्प पत्र है, दूसरी तरफ कांग्रेस का झूठ का कारोबार. आप सभी को कांग्रेस ने विश्वासघात के सिवाय कुछ नहीं दिया है. कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के युवाओं के सपने भी पूरे नहीं किए। सूरजपुर में पीएम मोदी ने आदिवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में 500 नए एकलव्य स्कूल बनाए जा रहे हैं। जिससे आदिवासियों को वहां पढ़ाकर शिक्षित किया जाएगा। जिससे वनांचल क्षेत्र में निवासरत आदिवासी भी देश के विकास में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

डॉक्टर व इंजीनियर के लिए अंग्रेजी जरूरी नहीं

पीएम मोदी ने सरगुजा प्रवास के दौरान सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब डॉक्टर व इंजीनियर की पढ़ाई करने के लिए अंग्रेजी की आवश्यकता नहीं होगी। अब हर युवा अपने क्षेत्रीय भाषा में डॉक्टर व इंजीनियर की पढ़ाई कर सकेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि सूरजपुर जिला खनिज संपदा से परिपूर्ण है। यहां से प्रतिवर्ष हजारों टन कोयला का उत्खनन कर देश हित में उपयोग किया जा रहा है। जिसे केंद्र और राज्यों को बड़ी मात्रा में राजस्व स्वरूप रॉयल्टी के रूप में करोड़ों रुपए की प्राप्ति होती है, परंतु मौजूदा राज्य सरकार खनिज से प्राप्त करोड़ों रुपए की रॉयल्टी डकारती जा रही है। वहीं केंद्र के द्वारा सूरजपुर के 13 गांवों को चिन्हित कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने की योजना है। यहां पर्यटन स्थल बनते ही युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा।

सरकारी कर्मचारी की परेशानियों पर भी की चर्चा

पीएम मोदी ने सरकारी कर्मचारियों को लेकर बघेल सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मौजूदा सरकार द्वारा लगातार आप लोगो को टॉर्चर किया जा रहा है। आप लोगों को अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। आगामी तीन दिसंबर को परिणाम आते ही भाजपा की सरकार यहां निश्चित बनेगी और आप लोगों को मौजूदा सरकार से मिल रही तकलीफों से निजात मिलेगी।

20 सीटों पर हुए चुनाव के लिए सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए थे और पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती थी। ये 20 सीटें ज्यादातर नक्सली इलाकों में थी। यही कारण था कि सुरक्षा को लेकर सावधानियां बढ़ती गई थी। नक्सलियों की ओर से चुनाव के बहिष्कार की भी घोषणा कर दी गई थी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा पहले चरण में 71.11 प्रतिशत वोटिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की कुल 90 विधानसभा सीटों में से पहले चरण की 20 सीटें के लिए मतदान आज खत्म हुआ। जिसमें बस्तर संभाग की 12 सीटों और दुर्ग संभाग की आठ सीटों पर मतदान हुआ। शाम सवा सात बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 71.11प्रतिशत मतदान हुआ। पहले चरण में जिन 20 सीटों पर मतदान हुआ, वहां 2018 में कुल 77.23प्रतिशत वोटिंग हुई थी। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक सबसे अधिक मतदान खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में हुआ, यहां 76.31प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। वहीं सबसे कम मतदान बीजापुर जिले में हुआ है।

किस में कितना मतदान?

पंडरिया - 71.06 प्रतिशत,
कवर्धा में 72.89 प्रतिशत,
खैरागढ़ में 76.31 प्रतिशत,
डोंगरगढ़ में 77.4 प्रतिशत,
राजनांदगांव में 74 प्रतिशत,
डोंगरगांव में 76.8 प्रतिशत,
खुज्जी में 72.01 प्रतिशत,
मोहला मानपुर में 76 प्रतिशत,
अंतागढ़ में 70.72 प्रतिशत,
भानुप्रतापपुर में 79.1 प्रतिशत,
कांकेर में 76.13 प्रतिशत,
केशकाल में 74.49 प्रतिशत,
कोण्डागांव में 76.29 प्रतिशत,
नारायणपुर में 63.88 प्रतिशत
,बस्तर में 71.39 प्रतिशत,
जगदलपुर में 75 प्रतिशत,
चित्रकोट में 70.36 प्रतिशत,
दंतेवाड़ा में 62.55 प्रतिशत,
बीजापुर में 40.98 प्रतिशत
कोंटा में 50.87 प्रतिशत ।

यहां शाम पांच बजे तक केवल 40.98प्रतिशत ही वोटिंग हुई। आइए जानते हैं पिछले बार के चुनाव की तुलना में सीटवार इस बार कितने प्रतिशत हुई वोटिंग हुई।

सबसे ज्यादा मतदान खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में हुआ। यहां 76.31प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बीजापुर जिले में सबसे कम वोटिंग हुई। यहां केवल 40.98 फीसदी वोटिंग हुई। उत्तर-बस्तर-कांकेर, राजनांदगांव, मोहला मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कोंडागांव जिले में 75 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई। साथ ही बस्तर-जगदलपुर, कबीरधाम में 70 फीसदी से ज्यादा वोटिंग हुई।

राजनांदगांव सीट

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह राजनांदगांव सीट से चुनाव मैदान में हैं। इस सीट पर शाम पांच बजे तक 74.00 फीसदी वोटिंग हुई। 2018 के विधानसभा चुनाव में इस सीट पर 78.87 फीसदी मतदान हुआ था। यानी, पिछली बार के मुकाबले 4.87 फीसदी कम वोटिंग हुई।

बस्तर संभाग की 12 सीटों में अभी सभी पर कांग्रेस का कब्जा

20 सीटों में सबसे महत्वपूर्ण सीटें बस्तर संभाग की है, जहां से कुल 90 सीटों में से 12 सीटें आती हैं। आदिवासी बाहुल्य बस्तर संभाग में कुल सात जिले आते हैं। सात जिलों के संभाग में यहां छत्तीसगढ़ की 12 विधानसभा और एक लोकसभा सीट है। बस्तर संभाग की 12 विधानसभा सीटों में 11 विधानसभा सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) और एक सीट सामान्य है। इनमें बस्तर, कांकेर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा, बीजापुर, कोंटा, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, अंतागढ़, भानुप्रतापपुर की सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं।

प्रमुख समाचार

लाल रंग देखकर भड़क जाते हैं मुख्यमंत्री: शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान के कुचामन में एक जनसभा में तंज कसते हुए कहा कि लाल रंग देखकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भड़क जाते हैं। उन्हें लाल रंग में लाल डायरी

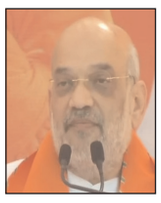

ही नजर आती है और कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि विगत पांच साल में गहलोत सरकार ने राजस्थान को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। गहलोत सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। शाह ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी न देश को सुरक्षित रख सकती है, न देश को समृद्ध कर सकती है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत के प्रशंसक उन्हें जादूगर कहते हैं वो जादूगर तो है ही...इन्होंने जादूकर राजस्थान में बिजली गुल कर दी। स्वास्थ्य की सुविधाएं को धुमिल करने का काम अशोक गहलोत ने किया। रोजगारी और कानून-व्यवस्था भी गुम कर दी। शाह ने कहा कि राजस्थान की भूमि सदियों से सम्मान और गौरव की भूमि रही है।राजस्थान की भूमि ने वीरता की कई कहानियां गढ़ी हैं। लेकिन 5 साल में गहलोत सरकार ने इस वीर भूमि को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने दावा किया कि गहलोत ने यहां खनन विभाग में 66 हजार करोड़ का घोटाला किया।

हवा, पानी और जमीन...हर जगह घोटाला करती है कांग्रेस: नड्डा

नईदिल्ली। मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर भाजपा जबरदस्त तरीके से प्रचार चल रहा है। मध्य प्रदेश के बड़वाह में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस पार्टी की सरकार जहां-जहां और जब-जब आई है, वहां-वहां भ्रष्टाचार, अत्याचार, अनाचार... ये सारे कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस रहेगी, वहां भ्रष्टाचार रहेगा, वहां अकर्मण्यता रहेगी, वहां अत्याचार होगा और जहां भाजपा सरकार रहेगी वहां विकास होगा। उन्होंन कहा कि आप लोगों का उत्साह देखकर यह स्पष्ट हो गया है कि आप सभी ने भाजपा को विजयी बनाने के लिए तय कर लिया है। नड्डा ने कहा कि 20 साल पहले मध्य प्रदेश की गिनती बीमारू राज्यों में होती थी और आज यह बीमारू राज्य नहीं अग्रणी राज्य में खड़ा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में, महिलाओं-बच्चों की स्थिति में, किसानों की स्थिति में और शिक्षा में आज मध्य प्रदेश अग्रणी राज्यों में खड़ा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस पार्टी का मतलब है- लूट, धोखा, छलावा, विकास को रोकना, परिवारवाद और वंशवाद को बढ़ावा देना।

कार दुर्घटना में बाल बाल बचे केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल

नईदिल्ली। अमरवाड़ा से सिमगांवी बायपास पर खकरा चौराई के पास केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल की गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया। प्रह्लाद पटेल सुरक्षित हैं। छिंदवाड़ा के स्थरू सुधीर जैन ने कहा

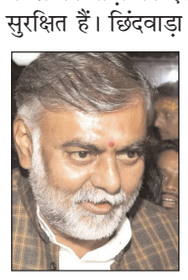

कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है और तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वह वापस लौट रहे थे। यह हादसा गलत दिशा में आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार को बचाने के दौरान हुआ। इस बीच, आगामी मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार प्रह्लाद पटेल ने मंगलवार को छिंदवाड़ा में पार्टी उम्मीदवार विवेक बंटी साहू के समर्थन में %पदयात्रा% का नेतृत्व किया। साहू इस महीने होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस प्रमुख कमल नाथ के खिलाफ छिंदवाड़ा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री पटेल नरसिंहपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रदूषण उपाय महज दिखावा है...सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नईदिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में घनी धुंध छाए रहने के बीच,सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली सरकार के प्रदूषण नियंत्रण उपायों, विशेष रूप से इसकी प्रमुख सम-विषम कार राशनिंग योजना पर

कड़ी आलोचना की। दिल्ली सरकार ने दिवाली के बाद वायु गुणवत्ता में और गिरावट की आशंका को देखते हुए सोमवार को चार साल बाद अपनी सम-विषम योजना की वापसी की घोषणा की। सम-विषम योजना वाहनों के उत्सर्जन को कम करने के लिए कारों को उनके विषम या सम नंबर प्लेट के आधार पर वैकल्पिक दिनों में संचालित करने की अनुमति देती है।दिल्ली के वायु प्रदूषण संकट पर सुनवाई के दौरान एक तीखी टिप्पणी में, न्यायमूर्ति एसके कौल और सुधांशु धूलिया की शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि दिल्ली में ऑड-ईवन लागू किया गया है, लेकिन क्या यह कभी सफल हुआ है? ये टिप्पणियाँ राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के उद्देश्य से आदेशों के एक व्यापक सेट का हिस्सा थीं। किसानों द्वारा पराली जलाना तत्काल रोका जाए, यह देखते हुए कि दिल्ली को साल-दर-साल ऐसा नहीं करने दिया जा सकता।

आतंकी पन्नू की धमकी पर अलर्ट, पंजाब में एयरपोर्ट पर एंट्री बैन

नईदिल्ली। भारत में नागरिक उड्डयन के लिए नियामक प्राधिकरण, ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी ने दिल्ली और पंजाब में हवाईअड्डा संचालकों से आगंतुकों को हवाईअड्डा प्रवेश पास जारी करना बंद करने को कहा है, यह कदम सिख्स फॉर जस्टिस के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नून के बाद उठाया गया कदम है। एसजेएफ) ने रविवार को एयर इंडिया की उड़ानों के यात्रियों को धमकी देते हुए एक वीडियो जारी किया। पन्नून ने 19 नवंबर को आईसीसी विश्व कप फाइनल के दिन एयर इंडिया की उड़ान को उड़ाने की धमकी दी। बीसीएएस आदेश में कहा गया है कि आईजीआई हवाई अड्डे (दिल्ली में) के टर्मिनल भवन में आगंतुकों के प्रवेश के लिए टीएईपी जारी करना और आगंतुकों के प्रवेश टिकटों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। दिल्ली एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने बताया कि बीसीएएस का आदेश लागू कर दिया गया है। हमने आदेश लागू कर दिया है और परिचालन कार्य में शामिल लोगों को छोड़कर सभी एईपी 30 नवंबर तक निलंबित रहेंगे। बीसीएएस ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा हवाईअड्डों, हवाई पट्टियों, हवाई क्षेत्रों, वायु सेना स्टेशनों, हेलीपैड, फ्लाइंग स्कूलों और विमानन जैसे नागरिक उड्डयन प्रतिष्ठानों पर खतरे के बारे में केंद्रीय एजेंसियों द्वारा लगातार साझा किए गए।

भाजपा को एक बार फिर मोदी के चेहरे पर भरोसा

शशिधर पाठक

भाजपा ने छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री का कोई चेहरा घोषित नहीं किया है। पार्टी प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और विकास के मुद्दे पर विधानसभा चुनाव लड़ रही है। जबकि कांग्रेस छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, मध्यप्रदेश में छत्रप कमलनाथ और राजस्थान में अशोक गहलोत की सदारत में चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व महासचिव कहते हैं कि भाजपा की बारात बिना दूल्हे की है। अब देखिए जनता किस पर भरोसा करती है। कांग्रेस के नेता महेन्द्र जोशी कहते हैं कि इसमें कुछ कहने के लिए नहीं बचा। सरकार कांग्रेस ही बनाएगी। जबकि भाजपा के प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल के मुताबिक तीनों राज्यों में जनता भाजपा के साथ है। दोनों राज्यों में कांग्रेस की हार होगी और मध्यप्रदेश में भाजपा वापसी करेगी।

भाजपा के ही शिवराज सरकार में प्रभावी भूमिका में रहे सूत्र का कहना है कि राज्य में चुनाव मुख्यमंत्री जी को महत्व देने के बाद ही पटरी पर लौटा है। वह कहते हैं कि राजस्थान में भी देख लीजिए और छत्तीसगढ़ में भी। वसुंधरा राजे और रमन सिंह भले ही पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा न हों, लेकिन चुनाव प्रचार उनके चेहरे के इर्द-गिर्द केन्द्रित हो रहा है। कांग्रेस पार्टी की आईटी सेल में सक्रिय रहे और कर्नाटक, हिमाचल के चुनाव प्रचार में बड़ी भूमिका निभाने वाले एक युवा नेता कहते हैं कि अभी भी सोशल मीडिया

पर शिवराज सिंह चौहान और वसुंधरा राजे काफी ट्रेंड करते हैं। इनके मुकाबले में दोनों राज्यों में भाजपा के पास कोई चेहरा नहीं है। लेकिन जनता के बीच में यह खबर भी आम है कि दोनों ही चेहरों की मुख्यमंत्री पद से छुट्टी होने वाली है। सूत्र का कहना है कि यह संदेश कांग्रेस के पक्ष में जा रहा है। इसका हमें फायदा होगा और राजस्थान, छत्तीसगढ़ में पार्टी वापसी करेगी। जबकि मध्यप्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

कांग्रेस के नेता का कहना है कि छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश में पार्टी के तीनों छत्रप मुख्यमंत्री की रेस में बने रहने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। वह कांग्रेस का प्रमुख चेहरा हैं। जबकि भाजपा में उसके तीनों राज्यों के तीनों सबसे अधिक चर्चित चेहरे अपना राजनीतिक वजूद बनाए रखने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। प्रशांत किशोर के साथ काम कर चुके और मध्यप्रदेश में चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में जुटे सूत्र का कहना है कि मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में शिवराज की छवि कहीं भी कमलनाथ से बहुत कमतर नहीं है। शिवराज के मुकाबले में ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर समेत अन्य काफी पीछे हैं। वह कहते हैं कि शिवराज की कई योजनाएं जनता के बीच में हैं। उनका सरल स्वभाव और संवाद भी लोगों में पसंद किया जाता है। सूत्र का कहना है कि 2018 में भाजपा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से पिछड़ गई थी। 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत के बाद भाजपा ने शिवराज सिंह के नेतृत्व में ही सरकार बनाई। दरअसल उस समय भी भाजपा के पास शिवराज का विकल्प नहीं था। संभव है कि इसका कुछ भाजपा को नुकसान हो। विंध्य क्षेत्र में घूम रहे वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र मौर्य तो कहते हैं कि इधर हवा भाजपा के साथ जरा कम दिखाई दे रही है।

वसुंधरा, शिवराज रमन क्यों हुए किनारे?

भाजपा के एक प्रवक्ता नाम न छापने की शर्त पर कहते हैं कि 2018 में चुनाव से पहले वाला नारा (वसुंधरा तेरी खैर नहीं, मोदी तुझसे बैर नहीं) याद है न? वह कहते हैं कि इस बार भाजपा ने मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को कई हिस्सों में रखकर चुनाव प्रचार की रणनीति बनाई है। हर हिस्से में वहां के बड़े चेहरे को मुख्य भूमिका दी गई है।

तीनों राज्यों में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया गया है। यह काम चुनाव के बाद वहां के चुने हुए विधायक करेंगे। सूत्र का कहना है कि भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है। हमारे यहां नेता थोपा नहीं जाता। भाजपा राज्य में विकास मुद्दे और अपने कामकाज के बल पर प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है।

लाल आतंक पर लोकतंत्र की तगड़ी चोट, बस्तर में बुलेट के डर पर भारी पड़ा जनता का बैलेट

, अन्य जिलों में शांतिपूर्ण रहा मतदान

बस्तर/कांकेर/दंतेवाड़ा/राजनांदगांव/कवधा/मोहला मानपुर। साल 2023 का विधानसभा चुनाव इस बार कई मायनों में नए आयाम गढ़ने वाला है. चुनाव आयोग की तत्परता और सुरक्षाबलों की मुस्तैदी से जिस तेजी से मतदान का प्रतिशत बढ़ता जा रहा है उससे चुनाव की आयोग की टीम भी खुश है. नक्सलियों ने जरूर हमेशा की तरह गांव वालों को चुनावों से दूर रहने की हिदायत दी थी. पर लाल आतंक के डर पर इस बार विकास का बैलेट भारी पड़ा है और लोग बड़ी संख्या में अपने घरों से निकलकर अपनी सरकार चुनने के लिए सामने आए हैं. कांकेर विधानसभा के महेशपुर मतदान केंद्र पर तो महज चार घंटों के भीतर ही 90 फीसदी तक मतदान हो गया, जो अपने आप में रिकार्ड है. वोटरों को जागरुक करने के लिए बिटिया हेल्प डेस्क भी इस बार लोगों को खास पसंद आ रहा है. बिटिया हेल्प डेस्क पर आकर युवा मतदाता अपनी सेल्फी भी ले रहे हैं. चुनाव आयोग की ओर से बिटिया हेल्प डेस्क पर आने वाली युवा मतदाताओं को फूल और गुलाल लगाकर सम्मानित भी किया जा रहा है.

लाल आतंक पर भारी लोकतंत्र का महापर्व कांकेर से लेकर दंतेवाड़ा हो चाहे फिर चांदामेटा गांव हर ओर लोकतंत्र का महापर्व अपने चरम पर है. युवा तो युवा बड़े

बुजुर्ग भी अपना वोट डालने के लिए न सिर्फ मतदान केंद्रों पर पहुंचे हैं बल्कि गांव वालों को भी वोट डालने के लिए खास तौर से प्रोत्साहित कर रहे हैं. कांकेर का एक ऐसा गांव है गुमझिर जहां कमार जनजाति के लोग रहते हैं. इस गांव के रहने वाले दीनालाल मरकाम अपना वोट डालने के लिए 170 किमी दूर पखांजूर पहुंचे. दीनालाल कहते हैं कि बीईओ दफ्तर में तैनात हैं, अपना कीमती वोट देने के लिए अपने मतदान केंद्र पर तो आना ही था, भूल कैसे सकते थे. दीनालाल की तरह कई और सरकारी कर्मचारी है जो वोट डालने के लिए अपने अपने गांव पहुंचे हैं. चांदामेटा एक ऐसा गांव है जहां आज तलक मतदान केंद्र नहीं बना था. इस बार आयोग ने यहां भी मतदान केंद्र बनाया है और गांव वाले बिना किसी डर के अपना वोट विकास के नाम पर दे रहे हैं.दंतेवाड़ा में भी खूब हो रहा मतदान- दंतेवाड़ा में भी वोटरों में खासा उत्साह देखने को मिला है. यहां नए मतदाता के साथ बुजुर्ग मतदाता भी बढ़चढ़कर वोटिंग में हिस्सा ले रहे हैं. दिग्गज नेताओं ने भी मतदान प्रक्रिया में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है. छविंद्र कर्मा, देवती कर्मा और चैतराम अटामी ने वोटिंग की है.

आतंक पर चोट, जनता का वोट- दीपावली का त्योहार अभी आने में देर है पर जिस तरह से नक्सलगढ़ में आम आदमी लोकतंत्र के पर्व में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहा है, उसे देखकर ये कहा जा सकता है कि अब यहां लाल आतंक का डर खत्म होने को है और विकास का पहिया पहुंचने को है, ये लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत है.इसके अलावा राजनांदगांव, पंडरिया, कवर्धा, मोहला मानपुर, खुज्जी, डोंगरगढ़, डोंगरगांव और खैरागढ़ में भी वोटिंग में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है. पंडरिया के झिरियाखुर्द मतदान केंद्र में लोगों ने चुनाव बहिष्कार करने की सोची थी. लेकिन प्रशासन की समझाइस के बाद लोगों ने यहा वोट डाले

रामपुर विधानसभा सीट का चुनावी गणित, कंवर और राठिया समाज का दबदबा

कोरबा/ रामपुर। छत्तीसगढ़ की ऊर्जाधानी कोरबा को कहते हैं। कोरबा जिले में कुल 4 विधानसभा सीटें हैं। इसमें से सिर्फ एक विधानसभा सीट रामपुर ही भाजपा के पास है। 3 सीट पर कांग्रेस का कब्जा है। साल 2018 के चुनाव में रामपुर विधानसभा सीट से ननकीराम कंवर ने जीत दर्ज की थी। इस सीट पर कंवर और राठिया जाति का बोलबाला है। यही एक फेक्टर रामपुर सीट को दूसरी सीटों से अलग करता है। जब भी चुनाव होते हैं, तब यहां के मतदाता जमकर वोट करते हैं। इस सीट में उत्साह ही विजय की कुंजी है।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की रामपुर विधानसभा सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। यहां करीब 65 से 70 फीसदी अनुसूचित जनजाति की आबादी है। इनमें राठिया और कंवर समाज के लोग ज्यादा हैं। दोनों ही समाज के लोग आदिवासी हैं। यहां गोंड, पहाड़ी कोरवा, बिहोर जनजाति के लोग भी रहते हैं। करीब 25 से 30 फीसदी आबादी ओबीसी और सामान्य लोगों की है। यानि पार्टियों का फोकस राठिया और कंवर समाज पर ज्यादा रहता है। इसी वजह से प्रत्याशी भी इन्हीं समाज से खड़े किए जाते हैं। रामपुर विधानसभा सीट में करीब 221124 मतदाता हैं। इनमें पुरुष मतदाता की संख्या करीब 108908 है। वहीं महिला मतदाताओं की संख्या करीब 112216 है। वहीं थर्ड जेंडर मतदाता नहीं हैं।

मुद्दे और समस्याएं- ये सीट अविभाजित मध्यप्रदेश में थी, तब राजधानी भोपाल होती थी। ना तो तब यहां विकास हुआ और ना छत्तीसगढ़ बनने के बाद जब राजधानी रायपुर हो गई। विकास के लिए लोग अब भी बांट जोह रहे हैं। यहां की समस्याएं मूलभूत ही हैं। कुदमुरा से लेकर करतला तक का इलाका हाथी प्रभावित क्षेत्र है। ग्रामीण हाथियों के उत्पात से काफी परेशान हैं। श्यांग की सड़क अब भी अधूरी है। यह सबसे बड़ी जरूरत है। ब्लॉक मुख्यालय करतला दुर्गम क्षेत्र में है। करतला जाने के लिए बस और ऑटो भी नियमित तौर पर उपलब्ध नहीं रहते। रामपुर विधानसभा के कई क्षेत्र अब भी धुर वनांचल क्षेत्र की तरह हैं। लेमरू और नकिया तक पहुंचते पहुंचते सरकारी योजनाएं दम तोड़ देती हैं।

रामपुर, आदिवासी बाहुल्य विधानसभा है। इस क्षेत्र में राठिया और कंवर, दोनों समाज के लोग किंगमेकर की भूमिका में रहते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में राठिया समाज के ज्यादातर लोगों ने फूल सिंह राठिया पर भरोसा जताया था। राठिया समाज के लोगों ने एक मत हो कर फूल सिंह राठिया को वोट दिया।राठिया फिर भी जीत नहीं सके। उन्हें कंवर समाज के वोट नहीं मिले। हालांकि उन्हें 46 हजार 873 वोट मिले। ननकीराम कंवर को 65 हजार 48 वोट मिले। श्यामलाल कंवर को 44 हजार 261। कंवर समाज के दो कैंडिडेट मैदान में थे। बावजूद इसके ननकीराम ने बाजी मार ली।

भानुप्रतापपुर में 93 साल के शेरसिंह ने डाला जीवन का पहला वोट

■ भैसाकन्हार के मतदान केंद्र पर किया मतदान

कांकेर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में जितने चर्चित इस बार पार्टियों के प्रत्याशी हैं उतने ही चर्चित इस बार भानुप्रतापपुर के भैसाकन्हार गांव के रहने वाले शेरसिंह हिड़को भी हैं। 93 साल की उम्र शेरसिंह हिड़को ने अपने जीवन का पहला वोट अपने गांव के मतदान केंद्र पर डाला। दरअसल चुनाव आयोग ने इस बार शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरुकता अभियान चलाया था। अभियान के दौरान जिन लोगों का नाम वोटर लिस्ट से नहीं जुड़ा था उनके नाम जोड़े जा रहे थे। चुनाव आयोग की टीम जब भैसाकन्हार गांव पहुंची तो लोगों ने बताया कि शेरसिंह हिड़को ने आज तक वोट नहीं डाला है, क्योंकि उनका वोटर आईडी नहीं बना है। आयोग ने तुरंत शेरसिंह से मुलाकात की और उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराया। जिसके बाद आज

93 साल के शेरसिंह ने अपना कीमती वोट डाला।

शेरसिंह हिड़को के घर वाले कहते हैं कि उम्र ज्यादा होने की वजह से वो सुन और बोल नहीं सकते हैं। पर जब घरवालों ने उनको इशारे में समझाया कि उनका नाम वोटर लिस्ट में जुड़ गया है, अपना वोट वो डाल सकते हैं, ये जानकार वो बहुत खुश हुए। सुबह उठते ही सबसे पहले परिवार वाले उनको लेकर भैसाकन्हार मतदान केंद्र पहुंचे जहां शेरसिंह ने अपने जीवन का पहला वोट डाला। चुनाव आयोग के मुताबिक इस बार कांकेर में मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए 74 हजार से ज्यादा आवेदन मिले थे और अकेले भानुप्रतापपुर में 32 हजार से ज्यादा आवेदन मिले थे।

कहते हैं जब जागो तभी सवेरा। जीवन के 93 बसंत देख चुके शेरसिंह हिड़को जब अपना मत दे सकते हैं तो फिर हम और आप क्यों नहीं। ईटीवी भारत की टीम भी आपसे ये अपील करती है कि लोकतंत्र के महापर्व में अपना कीमती वोट जरूर दें। आपका एक वोट न सिर्फ परिवर्तन ला सकता है बल्कि विकास को नई रफ्तार भी दे सकता है।

सुकमा में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ कमांडो घायल

सुकमा। छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए तारीखों के ऐलान के बाद से ही नक्सली लगातार उत्पात मचा रहे हैं। आज सुकमा जिले में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दौरान नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट किया है। इस आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ की विशिष्ट इकाई कोबरा का एक कमांडो घायल हो गया है।

सुकमा एसपी किरण चव्हाण के मुताबिक सीआरपीएफ और कोबरा की 206वीं बटालियन की एक संयुक्त टीम टोंडामार्का शिविर से एल्मागुंडा गांव की तरफ निकली थी। इसी दौरान कोबरा 206वीं बटालियन के इंस्पेक्टर श्रीकांत का पैर नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी पर पड़ गया, जिससे विस्फोट हो गया और जवान घायल हो गए। घायल जवान की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जिस इलाके में आईईडी विस्फोट हुआ है, वह क्षेत्र कोंटा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। कोंटा में भी पहले चरण के चुनाव के तहत वोटिंग हो रही है। यहां छत्तीसगढ़ के मंत्री कवासी लखमा चुनाव लड़ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर में लगातार नक्सली उत्पात मचा रहे हैं। कल नारायणपुर में भी नक्सलियों ने मुरहापदर में आईईडी लगाने की योजना बनाई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार ने बताया कि आईटीबीपी की टीम मौके पर पहुंची और एक आईईडी बम मिला और उसे डिफ्यूज करने के दौरान एक आईटीबीपी जवान को मामूली चोटें आईं। इससे पहले कोंडागांव में राजनाथ सिंह के दौरे से पहले नक्सलियों ने कई गाड़ियों में आग लगा दी थी।

किन मुद्दों पर लड़ा जाएगा बेमेतरा में विधानसभा चुनाव

बेमेतरा। जिले की बेमेतरा विधानसभा के इतिहास के पन्ने उलटकर देखें तो पता लगेगा कि, जनता किसी भी विधायक को दो बार से ज्यादा मौका नहीं देती। 1989 के चुनाव में स्वर्गीय महेश तिवारी के बाद स्वर्गीय डॉक्टर चेतन वर्मा दो बार विधायक तो बने, किंतु लगातार जीत उन्हें भी नसीब नहीं हुई। 2008 के चुनाव में कांग्रेस से ताम्रध्वज साहू विधायक तो बने लेकिन 2013 में हार का मुंह देखना पड़ा। इस बार बीजेपी के अवधेश चंदेल ने उन्हें हराया। इससे पहले कांग्रेस के स्वर्गीय रविंद्र सिंह वर्मा और लक्ष्मण प्रसाद वैद्य लगातार जीत हासिल करते रहे। लेकिन लगातार जीत का सिलसिला स्वर्गीय देवेंद्र सिंह वर्मा के बाद खत्म हो गया। 2013 में जहां जनता ने बीजेपी को मौका दिया। वहीं 2018 में कांग्रेस के आशीष छाबड़ा को जनता ने चुना। इस बार फिर कांग्रेस ने आशीष कुमार छाबड़ा को उम्मीदवार बनाया है।वहीं बीजेपी की ओर से दीपेश साहू चुनावी मैदान में हैं।

बेमेतरा विधानसभा में ओबीसी मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। जो करीब 55 फीसदी है।जिले में वर्मा, कुर्मी, लोधी और साहू मतदाता की संख्या कम नहीं है।बेमेतरा शहर में ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या अधिक है। वहीं बेरला क्षेत्र में ओबीसी मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में बेमेतरा ब्लॉक और बेरला ब्लॉक आते हैं।

यहां कुल 247132 मतदाता हैं। जिसमें 123427 पुरुष मतदाता हैं। वहीं 123703 महिला मतदाता है।थर्ड जेंडर 2 हैं। जबकि 45 फीसदी मतदाता पिछड़ा वर्ग से हैं। यहां प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला पिछड़ा वर्ग के मतदाता ही करते हैं।

बेमेतरा के मुद्दे- बेमेतरा जिला निर्माण पूर्ण होने के वर्षों बाद भी बेमेतरा जिला में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। एक ओर बेमेतरा शहर में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण नगर प्यासा नजर आता है। स्वच्छ जल प्रदाय योजना, नल जल योजना कहीं नजर नहीं आती है। लोगों को खारे पानी से निजात नहीं मिल पा रहा है। लोगों को फिल्टर वाले पानी के लिए घंटों कतार लगाकर खड़ा रहना पड़ता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी बेमेतरा महाविद्यालय में कई विषय के टीचर नहीं होने से छात्र-छात्राओं को दुर्ग के महाविद्यालय जाना पड़ता है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कांकेर में मतदाताओं ने लाइन में लगाई अपने नाम की पर्ची

कांकेर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के 20 विधानसभा सीटों में मतदान हुआ। फर्स्ट टाइम वोटर में एक अलग ही उमंग और उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं कांकेर के मतदाताओं में एक अलग ही अंदाज देखने को मिला है। सभी मतदाता सुबह से मतदान करने पोलिंग बूथ पहुंच रहे थे। इसी दौरान एक अनोखी तस्वीर सामने आई, जिसमें मतदाताओं की एक ऐसी लाइन देखने को मिला है, जिसमें मतदाता नजर नहीं आ रहे हैं, बल्कि उनकी पर्चियां लाइन लगाकर जमीन पर पड़ी हुई है। सभी मतदाता पहले चरण चुनाव के लिए मतदान करने पहुंचे। इस दौरान कांकेर विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग बूथ के सामने एक अलग अंदाज में फोटो निकल कर सामने आई है। इसमें वोटर्स नहीं बल्कि वोटर्स की पर्ची लंबी कतार में पड़े हुए नजर आ रही थी। बता दें कि पोलिंग बूथ के सामने मतदाताओं की लंबी लाइन देखने को मिलता है, लेकिन यहां ऐसा देखने को नहीं मिला। पर्ची के अनुसार सभी मतदाता मतदान करने पहुंच रहे हैं। पहले चरण का मतदान सुबह 7 बजे से शुरू हो गया था।

कोंडागांव में लता उसेंडी और मरकाम ने किया मतदान

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के पहले चरण के लिए मंगलवार को वोटिंग हुई। सुबह से ही मतदाता उत्साहित थे। छत्तीसगढ़ की पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री लता उसेंडी ने कोंडागांव में अपना वोट डाला। लता उसेंडी कोंडागांव से बीजेपी प्रत्याशी हैं। कोंडागांव से कांग्रेस प्रत्याशी मोहन मरकाम ने कोंडागांव में वोट डाला। कोंडागांव भाजपा प्रत्याशी लता उसेंडीमतदान करने के बाद पूर्व मंत्री ने राज्य में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर हमला किया। कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए उसेंडी ने कहा कि चाहे वह कोयला हो, शराब हो या महादेव ऐप, जिस तरह से कांग्रेस ने भ्रष्टाचार किया वह बहुत निराशाजनक है। उसेंडी ने कहा कि इस बार के चुनाव में यहां की जनता कांग्रेस को हार का मजा चखाएगी। कोंडागांव सीट पर लता उसेंडी का मुकाबला कांग्रेस के मौजूदा विधायक मोहन मरकाम से है। मोहन मरकाम ने भी मतदान किया। मोहन मरकाम ने कांग्रेस के 5 साल के विकास और उपलब्धियों को लेकर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनने का दावा किया।

पहली बार बनाया गया ट्रांसजेंडर मतदान केंद्र

कांकेर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हुआ। कांकेर का रेनबो मतदान केंद्र चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां ट्रांसजेंडर्स वोट करने के लिए पहुंचे। छत्तीसगढ़ में पहली बार ट्रांसजेंडर्स के लिए मतदान केंद्र बनाया गया है। इस मतदान केंद्र की सुरक्षा में ट्रांसजेंडर्स सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इसी बीच सुकमा में आईईडी ब्लास्ट हुआ है। धमाके में एक सीआरपीएफ का जवान घायल हो गया है। जिसे बेहतर इलाज के कैंप लाया गया है। मतदाताओं के उत्साह के कारण इसे नक्सलियों की बदले की कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। बस्तर जिले के चांदामेटा गांव को नक्सलियों का अभेद किला कहा जाता था। लेकिन आजादी के बाद पहली बार उस गांव में बने मतदान केंद्र पर वोटिंग हो रही है। ऐसे में मतदाताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। यहां सुरक्षा को लेकर तगड़े इतजाम किए गए हैं, किसी प्रकार की कोई चूक न हो इसलिए बड़ी संख्या में यहां सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। यह बस्तर का बॉर्डर का एरिया है।

दंतेवाड़ा में नए वोटरों में दिखा उत्साह

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा विधानसभा सीट में भी पहले चरण के तहत वोटिंग हुई। सभी मतदान केंद्रों में सुबह से लोग मतदान करने के लिए पहुंचे। मतदान को लेकर लोगों में उत्साह देखा जा रहा है। कई मतदान केंद्रों में लंबी कतारें लगी थी। सभी मतदान केंद्र और आसपास सुरक्षा जवान तैनात हैं। अधिकारी भी मॉनिटरिंग कर रहे थे। दंतेवाड़ा में सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू हुई। 11बजे तक जिले में 21.90% वोटिंग हुई थी। नए मतदाताओं में वोटिंग को लेकर खास उत्साह नजर आया है। दंतेवाड़ा विधानसभा भाजपा प्रत्याशी चैतराम अटामी ने बूथ क्रमांक 47 मंझार पारा कासोली मतदान केंद्र पहुंचकर परिवार के साथ मतदान किया। चैतराम अटामी ने मतदाताओं के लिए लगी लाइन में खड़े होकर इंतजार किया और अपनी बारी आने पर मतदान किया। चैतराम अटामी ने कहा कि आज लोकतंत्र के महापर्व के तहत मतदान करने पहुंचे हैं। भाजपा प्रत्याशी ने सभी वोटर्स से मतदान करने की अपील की। कांग्रेस प्रत्याशी छविंद्र कर्मा भी अपने साथियों के साथ मतदान करने पहुंचे।

आजादी के बाद पहली बार चांदामेटा में हुई वोटिंग

जगदलपुर। बस्तर जिले का एक ऐसा गांव जहां, आजादी के बाद पहली बार धुर नक्सली गांव में मतदान किया गया। बताया जाता है कि इस गांव को नक्सलियों का अभेद किला कहा जाता था, लेकिन इस बार यहां भी मतदान का उत्सव मनाया जा रहा है। वहीं सुरक्षा को लेकर बड़ी संख्या में जवानों को तैनात किया गया है। चांदामेटा बस्तर जिले का एक ऐसा गांव जिसे कुछ समय पहले नक्सलियों का अभेद किला कहा जाता था। आजादी के बाद पहली बार इस गांव में बनाए गए मतदान केंद्र में मतदान हो रहा है। ऐसे में मतदाताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। यहां सुरक्षा को लेकर तगड़े इंतजाम भी किया गया है। किसी प्रकार की कोई चूक न हो इस लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। यह गांव बस्तर बॉडर का एरिया है। यहां से ओडिशा के घने जंगल लगा हुआ है। बताया जाता है कि झीरम हमले के बाद बड़ी संख्या में नक्सली इसी इलाके में जमा हुए थे। इसके बाद बड़े लीडर ओडिशा और सुकमा बीजापुर रवाना हुए।

कांग्रेस का अभेद्य किला है खुज्जी, भाजपा सेंधमारी की करेगी कोशिश

राजनांदगांव। जिले की खुज्जी विधानसभा सीट कांग्रेस की गढ़ मानी जाती है। पिछले तीन चुनावों की यदि बात करें तो इस विधानसभा में सिर्फ कांग्रेस के प्रत्याशी ही विजयी होते आ रहे हैं।इस लिहाज से ये कांग्रेस के लिए काफी महत्वपूर्ण सीट बन जाती है।वर्तमान में इस सीट से कांग्रेस की छन्नी साहू विधायक हैं।लेकिन इस बार बीजेपी ने इस सीट पर सेंधमारी करने की ठानी है। लिहाजा इस सीट को जीतने के लिए चुनाव से कई महीने पहले ही इस सीट से गीता घासी साहू को टिकट दिया है।

कौन हैं गीता घासी साहू - गीता घासी साहू वर्तमान में अभी राजनांदगांव जिला पंचायत की अध्यक्ष है। उनके पति भी बीजेपी के सक्रिय नेता हैं। गीता घासी साहू की राजनीति सफर की बात की जाए तो उनका सफर ज्यादा लंबा नहीं है, उन्होंने करीब तीन साल पहले अपने रजीनितक करियर की शुरुआत की है। हालांकि इन तीन सालों में गीता घासी साहू ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ लगातार आंदोलन, धरना प्रदर्शन अन्य गतिविधियों में सक्रिय रही है।खुज्जी विधानसभा

में मतदाताओं की स्थिति - राजनांदगांव जिले का खुज्जी विधानसभा में कुल मतदाताओं की संख्या 191408 है। जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 95115 और महिला मतदाताओं की संख्या 96293 है। थर्ड जेंडर नहीं हैं। विधानसभा सीट में जातिगत समीकरण की बात करें तो आदिवासी,साहू और कलार (सिन्हा) समाज का यहां प्रमुख भूमिका रही है। इसके साथ ही आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण आदिवासी समाज की भी निर्णायक भूमिका यहां चुनाव में होती है।

खुज्जी विधानसभा का इतिहास - खुज्जी विधानसभा क्षेत्र वनांचल क्षेत्र है यहां के अधिकतर आबादी वनांचल क्षेत्रों में निवास करती है। ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र होने के कारण यहां विधानसभा क्षेत्र और प्रमुख हो जाता है। लगातार कांग्रेस का कब्जा इस विधानसभा सीट में रहा है। 2008 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी भोलाराम साहू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा के जमुना देवी ठाकुर को हराया था। वहीं 2013 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस से भोलाराम साहू ने विधानसभा चुनाव लड़ा और निर्दलीय प्रत्याशी रहे रजिंदर पाल भाटिया को हराकर विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की। वहीं 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से छन्नी साहू ने जीत दर्ज की और भाजपा के हीरेंद्र साहू को हराकर यह विधानसभा सीट कांग्रेस की झोली में लाईं।

खुज्जी का जातिगत समीकरण - खुज्जी विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक आबादी आदिवासी समाज की है। वनांचल क्षेत्र होने के कारण आदिवासी समाज के वोटर्स इस विधानसभा सीट में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इसके साथ ही सिन्हा कलार समाज के वोटर भी इस विधानसभा सीट में प्रत्याशी की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। आदिवासी और ओबीसी फैक्टर को देखते हुए टिकट वितरण के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण निर्णय विधानसभा सीट को लेकर लेते हैं। जिसका फायदा प्रत्याशियों को मिलता है। आदिवासी, सिन्हा, कलार,यादव,साहू और अन्य समाज का जातीय समीकरण होने के कारण जीत का अंतर इन्हीं से तय होता है।

खुज्जी विधानसभा के मुद्दे - विधानसभा चुनाव में स्थानीय मुद्दे रोजगार,सड़क बिजली हैं। इस विधानसभा सीट में कांग्रेस का दबदबा रहा है। कांग्रेस शुरू से ही इस पर पकड़ बनाए हुए चली आ रही है। वर्तमान में कांग्रेस विधायक विधानसभा में है। विधानसभा सीट में विकास कार्य बिजली,सड़क नाली यही प्रमुख विषय हैं। इसके साथ ही आदिवासी क्षेत्र होने के कारण वनांचल इलाकों में भी विकास हो इसको लेकर जनता वोट करेगी।स्थानीय लोगों को रोजगार, साफ पानी, वनांचल क्षेत्र में उद्योग जैसे मुद्दे चुनाव में हावी रहेंगे।

तालाब में तैरता मिला विलुप्त प्रजाति का ऊदबिलाव

कोरबा। कोरबा में शहर के रामपुर इलाके में उस समय लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई जब बस्ती के करीब तालाब में विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके ऊदबिलाव तैरते दिखा। बस्तिवासियों की सूचना पर पहुंचे वन कर्मियों ने रेस्क्यू टीम की मदद से ऊदबिलाव को बाहर निकाला। उसे डॉक्टरी परीक्षण के बाद सुरक्षित स्थान पर छोड़ा गया।

दरअसल रामपुर बस्ती में रहने वाले कुछ लोग तालाब की ओर गए हुए थे। इसी दौरान उनकी नजर अजीबोगरीब जीव पर पड़ी। जिसकी जानकारी उन्होंने अन्य लोगों को दी। बस्तीवासियों की सूचना पर पहुंचे वन अफसरों ने उसकी पहचान ऊदबिलाव के रूप में की। अफसरों के निर्देश पर रेस्क्यू टीम के सदस्यों ने ऊदबिलाव को तालाब से बाहर निकाला। पशु चिकित्सक से उसके स्वास्थ्य की जांच कराई गई। डॉक्टरी परीक्षण में उदबिलाव पूरी तरह से स्वस्थ था। उसे वन विभाग और रेस्क्यू टीम के सदस्यों ने सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ की दो ऐसी विधानसभा, जहां प्रत्याशी नहीं डाल सकेंगे वोट

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव अंतर्गत आज मंगलवार को प्रथम चरण के चुनाव को लेकर मतदान हुआ। इसमें दो विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशी अपने वोट नहीं डाल सकेंगे। दरअसल, ये स्तिथि राजनांदगांव और कवर्धा विधानसभा में है। राजनांदगांव विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और पूर्व सीएम डॉक्टर रमन सिंह का मतदान केंद्र क्रमांक 237 गर्ल्स स्कूल कवर्धा है। वे मंगलवार को दोपहर साढ़े तीन बजे अपने परिवार के साथ मतदान केंद्र में मतदान किया। कवर्धा में नाम दर्ज होने के कारण वे यहीं वोट डालेंगे। पूर्व सीएम डॉक्टर रमन सिंह कवर्धा के मूल निवासी हैं। इसी प्रकार कवर्धा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी मोहम्मद अकबर भी अपने विधानसभा क्षेत्र के किसी भी मतदान केंद्र में मतदान नही कर पाएंगे। उनका मतदान केंद्र रायपुर में है। वे मूलत रायपुर के रहने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान शुरू हो गया है। पहले चरण में 20 सीटों पर मतदान हो रहा है। 10 सीटों पर सात से तीन बजे तक मतदान होगा और बाकी 10 सीटों पर सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। इन 20 सीटों पर कई दिग्गजों का भविष्य दांव पर है। मतदान को लेकर सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए हैं। कुल 40,78,681 मतदाता पहले चरण के चुनाव में उतरे 223 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला करेंगे।

राहुल ने किया एक्स पर ट्वीट, याद दिलाया छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की गारंटी

रायपुर। पहले चरण के लिए मतदान शुरू होते ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को एक बार फिर कांग्रेस की गारंटी को दोहराया और राज्य में अपनी भरोसेमंद सरकार की वापसी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि छत्तीसगढ़ में न्यायपूर्ण शासन चलता रहेगा। यहां लोकतंत्र में आस्था बरकरार रहेगी। एक्स पर राहुल गांधी ने ट्वीट भी किया। पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि जब आप अपने मताधिकार का प्रयोग करें तो याद रखें, छत्तीसगढ़ में एक बार फिर कांग्रेस की भरोसेमंद सरकार को चुनें। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हम जो भी वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं।

सप्तगिरीशंकर उल्का महासमुंद व रायगढ़ में कांग्रेसजनों से करेंगे भेंट-मुलाकात

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं स्टार प्रचारक व छत्तीसगढ़ प्रभारी सप्तगिरीशंकर उल्का 8 नवंबर बुधवार को सुबह 10 बजे रायपुर से महासमुंद के लिये रवाना होंगे। सुबह 11 बजे महासमुंद पहुंचकर जोन-बेमचा में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोपहर 12 बजे महासमुंद से बसना के लिये रवाना होंगे। दोपहर 1.30 बजे बसना पहुंचकर कांग्रेसजनों से भेंट चर्चा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोपहर 2.30 बजे बसना से सराईपाली के लिये रवाना होंगे। दोपहर 3 बजे सराईपाली पहुंचकर कांग्रेसजनों से भेंट चर्चा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेंगे। शाम 4 बजे सराईपाली से सारंगढ़ के लिये रवाना होंगे। शाम 5 बजे सारंगढ़ पहुंचकर कांग्रेसजनों से भेंट चर्चा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेंगे। शाम 6 बजे सारंगढ़ से रायगढ़ के लिये रवाना होंगे। रात्रि 7 बजे रायगढ़ पहुंचकर कांग्रेसजनों से भेंट चर्चा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेंगे। 09 नवंबर गुरूवार को सुबह 9 बजे रायगढ़ से लैलूंगा के लिये रवाना होंगे। सुबह 11 बजे लैलूंगा पहुंचकर कांग्रेसजनों से भेंट चर्चा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोपहर 12 बजे लैलूंगा से धरमजयगढ़ के लिये रवाना होंगे। दोपहर 1 बजे धरमजयगढ़ पहुंचकर कांग्रेसजनों से भेंट चर्चा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोपहर 2 बजे धरमजयगढ़ से खरसिया के लिये रवाना होंगे। दोपहर 3 बजे खरसिया पहुंचकर कांग्रेसजनों से भेंट चर्चा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम में भाग लेंगे। शाम 4 बजे खरसिया से रायपुर के लिये रवाना होंगे। रात्रि 8 बजे रायपुर पहुंचेंगे।

सट्टा कारोबार में नाम आना साजिश : भूपेश

■ बस्तर में कांग्रेस ने लाई शांति

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा की 20 सीटों पर पहले चरण में हो रहे मतदान को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दावा किया है कि कांग्रेस 18 से 19 सीटें जीतेगी।सीएम भूपेश की माने तो धान खरीदी,कर्ज माफी समेत स्वास्थ्य शिक्षा जैसी योजनाओं को लेकर लोग काफी खुश हैं।इसलिए इस बार फर्स्ट टाइम वोटर्स की संख्या के साथ वोटिंग प्रतिशत भी बढ़ेंगा।

सीएम भूपेश बघेल ने इस दौरान बीजेपी पर हमला बोला। सीएम भूपेश ने कहा कि 15 साल उन्हें मौका मिला था और आदिवासियों के एक लाख एकड़ छीन कर उद्योगपति और मित्रों को उन्होंने दिया। आदिवासियों को नक्सली बताकर जेल के अंदर डाल दिया। या फिर एनकाउंटर करके मार दिया। यह बात आदिवासी भूले नहीं है। आज 5 साल के हमारे कार्यकाल में आदिवासी निश्चिंत होकर पहले के जैसे आजादी से घूम रहे हैं। नक्सली सिमट गए हैं। इनके राज में नक्सलियों का ही राज था। बस्तर या रमन सिंह के गृह जिले में वह सारा नक्सलीमय सा हो गया था। आज बस्तर भी शांति की ओर लौट रहा है।पीएम मोदी नक्सलियों को लेकर जो दावा कर रहे हैं वो गलत है।

वहीं इस बार कई अंदरुनी इलाकों में मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जहां पहली बार मतदान हो रहा है। इस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि यही सबसे बड़ा प्रमाण है कि निर्वाचन आयोग ने उन क्षेत्रों में मतदान केंद्र बनाया हैं जहां पहले मतदान नहीं होता था।ये वो इलाके हैं जहां मतदान केंद्र उठकर सड़क पर आ गए थे।लेकिन हमने शांति बहाल की है।इसलिए उन्हीं गांवों में अब मतदान हो रहा है।वहीं महादेव एप मामले में सीएम भूपेश ने रमन को घेरा है।

भूपेश बघेल ने कहा जिसके पास पैसा पकड़ा गया रमन सिंह के साथ उनकी फोटो है। उनके पार्षद उनके बड़े करीबी हैं। बीजेपी नेता के रिश्तेदार की गाड़ी है। दूसरी बात ये है जो परसों तक जिसको कोई नहीं जानता था शुभम सोनी वह अचानक पूरे महादेव का मालिक बन गया। उसके पहले ईडी उसको खुद अधिकारी बता रहे थे। ऐसा मालिक गजब का है। जो अपने नौकर के शादी में ढाई सौ करोड़ खर्च कर दे।

भूपेश बघेल ने कहा कि रमन सिंह के साथ दो अधिकारी और रहते थे। वह उसी प्रकार की स्टोरी बनाते थे। वही स्टोरी अभी दिखाई दे रहा है। यह पूरा प्लांटेड है। इसका मतलब बीजेपी हार मान चुकी है। यह उनका आखिरी अस्त्र था जिसको उन्होंने चलाया। लेकिन कोई इसको मान नहीं रहा है। जो सुन रहा है देख रहा है वह समझ गया है कि यह प्लांटेड है। मैं कल भी कहा था मजा लीजिए 17 तारीख तक। वहीं महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बीजेपी में शामिल होने के बाद महादेव सट्टाबाजी एप हर हर महादेव वाले बयान पर सीएम ने प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि वो तो व्यंग किए हैं भारतीय जनता पार्टी पर, क्योंकि अजीत पवार भाजपा में जैसे गए ईडी से उनका नाम हट गया। हिमंता बिस्वा शर्मा छत्तीसगढ़ में घूम रहे हैं।शारदा चिट फंड घोटाले में उनका नाम था वह मुख्यमंत्री बने बैठे हैं। बहुत सारे नाम है जो मोदी वाशिंग पाउडर से धुलने के बाद सब दाग साफ हो गए।

अमित शाह ने भूपेश बघेल को दी बहस की चुनौती बघेल ने कहा, तारीख और समय बताएं

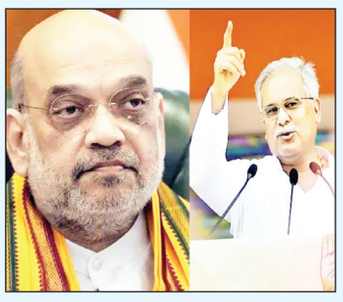

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग की 20 सीटों पर कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शुरू हो गया। इस बीच नक्सलियों ने मतदान को बाधित करने के लिए सुकमा में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट भी किया, जिसमें में चुनाव ड्यूटी कर रहा सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया लेकिन बावजूद इस घटना के मतदान सुचारू रूप से जारी है। इस बीच चुनाव सियासत में एक भी एक राजनीतिक विस्फोट हुआ है। जी हां, गृहमंत्री अमित शाह को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बहस की चुनौती दी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया है। सीएम बघेल ने एक्स पर किये एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उनके द्वारा छत्तीसगढ़ में किए गए कार्यों पर बहस करने की अमित शाह की चुनौती स्वीकार है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक काले सोफे की तस्वीर, जिसमें अमित शाह और भूपेश बघेल के नाम की बैठने की पर्ची लगी हुई है। उसे एक्स पर साझा करते हुए नाम है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बघेल ने एक्स पर अमित शाह को कहा, आपने अभी तक बहस के मंच, तारीख और समय का जिक्र नहीं किया है, लेकिन जनता ने पहले ही मंच तैयार कर लिया है। कृपया तारीख और समय की घोषणा करें। मालूम हो कि सीएम बघेल ने दूसरी बार गृहमंत्री शाह पर इस तरह से निशाना साधा है। इससे पहले बीते रविवार को उन्होंने एक्स पर लिखा था, आपके 15 साल के घोटाले और हमारे 5 साल के काम पर बहस होनी चाहिए। छत्तीसगढ़िया डरने वाला नहीं है, आपके जवाब का इंतजार करेगा। दरअसल यह सिसायी जंग उस वक्त शुरू हुई, जब छत्तीसगढ़ के पंडरिया विधानसभा सीट पर चुनाव प्रचार करते हुए गृहमंत्री शाह ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को चुनौती दी। गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वो बघेल के पांच साल और पीएम मोदी के पिछले 15 साल के काम पर बहस की चुनौती देत हैं। छत्तीसगढ़ में आज पहले चरण का मतदान संपन्न हो रहा है। इसके बाद दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को होगा और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

पहले चरण के मतदान के लिए महिला वोटरों में उत्साह

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहले चरण के लिए वोटिंग को लेकर मतदाता उत्साहित हैं। जिन 20 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है, उनमें से 16 में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा है। 20 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं की कुल संख्या 40 लाख 78 हजार 681 है, जिसमें 19 लाख 93 हजार 937 पुरुष और 20 लाख 84 हजार 675 महिलाएं और 69 थर्ड जेंडर वोटर शामिल हैं।

मोहला-मानपुर, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, कोंटा, राजनांदगांव, खुज्जी, पंडरिया, कवर्धा, बस्तर, जगदलपुर और चित्रकोट में पुरुषों की तुलना में महिला मतदाता ज्यादा हैं।कवर्धा में 3 लाख 31 हजार 615 मतदाताओं में से 1 लाख 66 हजार 843 महिलाएं हैं। पुरुष मतदाताओं की संख्या 1 लाख 64 हजार 770 है, जबकि दो ट्रांसजेंडर हैं। वहीं अन्य चार सीटों में अंतागढ़, डोंगरगढ़, खैरागढ़ और डोंगरगांव में महिलाओं की तुलना में पुरुष मतदाता ज्यादा हैं।

पहले चरण के चुनाव के लिए बनाए गए 5 हजार 304 मतदान केंद्रों में से 200 संगवारी मतदान केंद्र हैं। खास बात यह है कि यहां महिला मतदान कर्मी तैनात किए गए हैं। पहले चरण में 69 ट्रांसजेंडर मतदाताओं में से सबसे ज्यादा 29 जगदलपुर सीट पर हैं। इसके बाद अंतागढ़ और बीजापुर में आठ-आठ, डोंगरगढ़ और नारायणपुर में चार-चार, केशकाल में तीन, कवर्धा, राजनांदगांव, कांकेर, कोंडागांव और बस्तर में दो-दो थर्ड जेंडर हैं। वहीं चित्रकोट, दंतेवाड़ा और कोंटा में एक-एक थर्ड जेंडर मतदाता है। कांकेर जिले के अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र में आठ ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। सभी आठ ट्रांसजेंडर मतदाता पखांजूर क्षेत्र में रहते हैं।

पहले चरण में भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशियों ने डाले वोट

रायपुर। मंगलवार को पहले चरण की वोटिंग हुई। इस दौरान बीजेपी और कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने मतदान किया। वहीं अधिकारियों ने भी मतदान कर अन्य लोगों से भी मतदान करने की अपील की। जगदलपुर में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व मंत्री केदार कश्यप ने फरसागुडा में मतदान किया। नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी केदार कश्यप ने गृहग्राम फरसागुड़ा में मतदान किया। जगदलपुर विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी किरणदेव ने शहर के फ्रेजरपुर स्कूल में अपना मतदान किया। चित्रकोट विधानसभा भाजपा प्रत्याशी विनायक गोयल ने मतदान किया। कांग्रेस प्रत्याशी मोहन मरकाम ने सुबह 7 बजे मतदान किया।

भाजपा प्रत्याशी लता उसेंडी सरगीपाल स्कूल अपने मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान किया। जगदलपुर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी जतिन जैसवाल ने कतार में लगकर मतदान किया। केशकाल से संतराम नेताम कांग्रेस प्रत्याशी संतराम नेताम ने वोटिंग की। कबीरधाम में पंडरिया विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी नीलकंठ (नीलू) चंद्रवंशी और भाजपा प्रत्याशी विजय शर्मा मतदान किया। कोंटा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी

और मंत्री कवासी लखमा ने मतदान किया।

इस तरह राजनांदगांव के खैरागढ़ विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी विक्रांत सिंह ने मतदान किया। उन्होंने खैरागढ़ विधानसभा सीट के अपने गांव सहसपुर से किया मतदान। इसी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी यशोदा वर्मा ने परिवार के साथ मतदान किया। उन्होंने खैरागढ़ विधानसभा सीट के अपने गांव देवारीभाट से मतदान किया। कांकेर में अंतागढ़ विधानसभा से भाजपा प्रत्यासी विक्रम उसेंडी ने मतदान किया। उन्होंने अपने गृहग्राम बोंदानार में वोट किया।

दूसरी ओर आला अधिकारियों ने भी अपने-अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कतार में लगकर कलेक्टर, एसपी और सीईओ ने वोट किया। कांकेर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला, एसपी दिव्यांग पटेल और जिला पंचायत के सीईओ सुमित अग्रवाल ने आदर्श मतदान केंद्र माहुरबंदपारा में वोट देकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस अवसर पर सभी अधिकारियों ने सेल्फी कॉर्नर और हम साथ साथ हैं फ़ोटो कॉर्नर में एक साथ तस्वीर भी खिंचाई और सभी वोटर्स को मतदान अवश्य करने का संदेश भी दिया। प्रथम चरण के मतदान में आज सुबह से ही मतदाता अपने मतों का प्रयोग करने के लिए कतारों में लग रहे।

कवर्धा में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे एवं शीतल महोबे ने कवर्धा के गंगानगर स्थित मतदान केंद्र में जाकर मतदान किया। उन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व पर जिले के सभी मतदाताओं से मतदान करने की अपील भी की। बस्तर कमिश्नर श्याम धावड़े और आईजी सुंदरराज पी ने कतारबद्ध होकर अपने मताधिकार का किया। सेल्फी लेकर बस्तर संभाग के सभी मतदाताओं से मताधिकार का उपयोग कर लोकतंत्र के पर्व में सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया।

रायपुर पश्चिम का किंग कौन, कांटे का होता है मुकाबला

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट हाईप्रोफाइल मानी जाती हैं। यह सामान्य सीट है। जहां से कांग्रेस के विकास उपाध्याय विधायक हैं। विकास उपाध्याय के पहले बीजेपी के कद्दावर नेता राजेश मूणत यहां से विधायक और फिर रमन सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री रह चुके हैं।

रायपुर पश्चिम में मतदाताओं की संख्या 291538 है। जिसमें पुरुष 147232 और महिला 144240 हैं। थर्ड जेंडर्स मतदाता 66 हैं।

विधानसभा चुनाव 2013 की बात की जाए तो चुनावी मैदान में राजेश मूणत और विकास उपाध्याय थे। दोनों के बीच कांटे की टक्कर हुई। मंत्री होने के बावजूद राजेश मूणत सिर्फ 6000 वोट से ही जीत दर्ज कर पाए। विकास उपाध्याय ने मूणत को जोरदार टक्कर दी थी, लेकिन वे जीत से चूक गए थे। बावजूद इसके विकास उपाध्याय ने हार नहीं मानी और लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहें। बीजेपी सरकार के खिलाफ कार्यक्रमों, धरना प्रदर्शन, चक्का जाम सहित हर मौके पर वे क्षेत्रीय जनता के साथ खड़े रहे। उनकी बात को प्रमुखता से उठाते थे। यही वजह थी कि साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में विकास उपाध्याय

ने बाजी पलटी।

पीडब्ल्यूडी मंत्री राजेश मूणत ने रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में कई विकास कार्य किए, बड़े बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर खड़े किए भारत माता चौक, केनाल रोड सहित कई सौगातें क्षेत्रीय जनता को दी। बावजूद इसके साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में राजेश मूणत को अपनी सीट गंवानी पड़ी। कांग्रेस के विकास उपाध्याय विधायक चुने गए। विकास ने लगभग 12000 वोटों से राजेश मूणत को हराया, जबकि राजेश मूणत ने अपने इस विधानसभा क्षेत्र में विकास करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी, बावजूद इसके वे हार गए।

साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में विकास उपाध्याय को कुल क्षेत्र 76359 वोट मिले थे। जो प्राप्त मतदान का 50।86ब था, वहीं भाजपा उम्मीदवार और तत्कालीन मंत्री राजेश मूणत को 64147 वोट मिले थे। इस तरह विकास उपाध्याय ने 12212 वोटों से राजेश मूणत को हराकर जीत हासिल की थी।

रायपुर पश्चिम में साहू वोटरों की संख्या अच्छी खासी है। यही वजह है कि यहां पर साहू समाज का दबदबा है। यदि बात की जाए साल 2018 में हुए विधानसभा चुनाव की तो रायपुर पश्चिम विधानसभा से 38 उम्मीदवारों ने अपना भाग्य आजमाया था। जिसमें से आठ साहू प्रत्याशी खड़े हुए थे।

मौजूदा समय की यदि बात करें को विकास उपाध्याय जनता के बीच में सक्रिय हैं। लगातार जनसंपर्क जरिए वो अपने मतदाताओं को साध रहे हैं। वहीं राजेश मूणत की बात की जाए तो चुनाव के बाद राजेश मूणत क्षेत्र से लगभग गायब थे। कई मौकों पर वे आयोजनों से दूर थे। लेकिन पिछले कुछ महीनों से एक बार फिर मूणत सक्रिय हुए हैं।चाहे मुख्यमंत्री भेंट मुलाकात कार्यक्रम हो,या यूनिवर्सिटी में चौपाटी निर्माण का विरोध मूणत ने हर मौके पर अपनी सक्रियता दिखाई है।

वर्तमान में एक बार फिर रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट से विकास उपाध्याय और राजेश मूणत के चुनाव लड़ने की संभावना है। यदि दोनों ही दलों ने इन दोनों को अपना अपना उम्मीदवार बनाया है तो फिर चुनाव में कांटे की टक्कर हो सकती है। हालांकि कांग्रेस विकास को और भाजपा राजेश को टिकट देगी या नहीं यह कह पाना मुश्किल है। बावजूद इसके दोनों ने ही पश्चिम विधानसभा चुनाव के लिए कमर कसी है।

रायपुर पश्चिम विधानसभा की समस्याओं की बात की जाए तो यहां कुछ खास समस्या नहीं है। क्योंकि यहां बिजली, पानी, सड़क, साफ सफाई की समुचित व्यवस्था बीजेपी शासनकाल में ही हो चुकी थी। उसके बाद कांग्रेस सरकार में भी यहां लगातार काम होते रहे हैं। स्थानीय समस्याएं जैसे सामुदायिक भवन, शौचालय, उद्यान, ओपन जिम सहित अन्य मांग क्षेत्र में उठती रही है। लेकिन किसी बड़ी समस्या की बात की जाए तो क्षेत्र में देखने को नहीं मिल रही।

केवल विधायक-सरकार बनाने का ही नहीं, छत्तीसगढ़ को बचाने का चुनाव है : साव

सूरजपुर। सरगुजा में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ में विधानसभा का जो चुनाव हो रहा है, यह केवल विधायक बनाने का नहीं है, केवल सरकार बनाने का नहीं है, ये जो विधानसभा का चुनाव हो रहा है, वह छत्तीसगढ़ को बचाने का चुनाव है। जिस प्रकार से पाँच साल में भूपेश-अकबर-ढेबर की सरकार ने छत्तीसगढ़ की दुर्दशा की है, छत्तीसगढ़ को भ्रष्टाचार का गढ़ बनाया है, घपलों-घोटालों का गढ़ बनाया है, अपराध का गढ़ बनाया है, नशे का गढ़ बनाया है, माफियाओं का गढ़ बनाया है, आज छत्तीसगढ़ को बचाने का समय आ गया है।

साव ने कहा कि यह अटलबिहारी वाजपेयी का बनाया हुआ छत्तीसगढ़ आज जिस दिशा में भूपेश बघेल की सरकार लेकर जा रही है, वह दिशा फिर से छत्तीसगढ़ को अंधकार की दिशा की ओर ले जाने का काम कर रही है और इसलिए आज जो ये भूपेश बघेल की सरकार शराब, जुआ और सट्टा का जो खेल करके, भ्रष्टाचार की कमाई करके छत्तीसगढ़ को बर्बाद करने का काम कर रही है, ऐसे में यह चुनाव छत्तीसगढ़ को बचाने का चुनाव है। भाजपा ने एक खुशहाल छत्तीसगढ़, एक समृद्ध छत्तीसगढ़, एक

विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए अपना संकल्प पत्र जारी किया है, मोदी जी की गारंटी छत्तीसगढ़ की जनता के लिए जारी की है। किसान भाइयों-बहनों से कहा कि देश की आजादी के बाद गाँव-गरीब-किसान की तरक्की और बेहतरी के लिए कांग्रेस पार्टी ने कभी कोई काम नहीं किया। गाँव-गरीब-किसान कांग्रेस की प्राथमिकता में कभी नहीं रहा है। और इसलिए आज छत्तीसगढ़ में जो हमने मोदीजी की गारंटी जारी की है, उसमें कहा है कि हम धान की कीमत 3,100 रुपए प्रति क्विंटल देने वाले हैं, और एक एकड़ में 21 क्विंटल धान की खरीदी करेंगे।

उन्होंने कहा कि बड़ी बात यह है कि पूरी-की-पूरी राशि, जो भूपेश बघेल चार किश्तों में दे रहे थे, हम पूरी राशि एकमुश्त देने वाले हैं। सन 2015-16 व 2016-2017 के दो साल का पुराना बोनस, जिसे भूपेश बघेल ने देने का वादा करके पाँच साल में नहीं दिया, भी अटलबिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर 25 दिसम्बर को सभी किसान भाइयों के खाते में जमा कराएंगे। साव ने कहा कि भाजपा ने माताओं-बहनों के लिए भी विवाहित महिलाओं के खाते में हर महीने 1 हजार रुपए (साल में 12 हजार रु.) देने वाले हैं। नौजवानों के लिए भी भाजपा की बड़ी सौगात मोदीजी की गारंटी में है, 1 लाख पदों पर भर्ती करके युवाओं को नौकरी देंगे। गरीब महिलाओं को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने वाले हैं। श्री साव ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ की खुशहाली, तरक्की और बेहतारी के लिए भाजपा ने अपना संकल्प पत्र लाया है और मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि छत्तीसगढ़ को बचाने का समय आया है, छत्तीसगढ़ को खुशहाली और तरक्की की ओर लेकर जाना है। आप 17 नवम्बर को जब भाजपा के कमल पर बटन दबाएंगे तो यह छत्तीसगढ़ खुशहाली और तरक्की की ओर बढ़ेगा।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सवन्नी, प्रदेश प्रवक्ता व सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव, शंकर अग्रवाल, प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा, रामप्रताप सिंह, भीमसेन अग्रवाल, परमेश्वरी राजवाड़े, बाबूलाल अग्रवाल, अजय गोयल, रामकृपाल साहू, रीतेश गुप्ता, सरगुजा संभाग के सभी 14 विधानसभा क्षेत्रों के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह (भरतपुर-सोनहत), विष्णुदेव साय (कुनकुरी), श्यामबिहारी जायसवाल (मनेंद्रगढ़), भैयालाल राजवाड़े (बैकुंठपुर), भूलनसिंह मरावी (प्रेमनगर), लक्ष्मी राजवाड़े (भटगाँव), शकुंतला सिंह पोर्थे (प्रतापपुर), रामविचार नेताम (रामानुजगंज), उधेश्वरी पैकरा (सामरी), प्रबोध मिंज (लुण्ड्रा), राजेश अग्रवाल (अंबिकापुर), रामकुमार टोप्पो (सीतापुर), रायमुनि भगत (जशपुर) और गोमती साय (पत्थलगाँव) समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता, पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कवर्धा में वोट डालने गए वोटरों में दिखा उत्साह

कवर्धा। छत्तीसगढ़ चुनाव में मंगलवार को पहले चरण का मतदान हुआ। प्रदेश के 20 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ। इस बीच कवर्धा जिले में सुबह से ही वोटर पोलिंग बूथ पहुंच मतदान किया। वोटरों के चेहरे पर खुशी देखने को मिल रही है। भारी संख्या में वोटर यहां पहुंचे। इस बार जिले के 804 पोलिंग बूथों पर वोटिंग हुई। सुबह 8 बजे से ही हर पोलिंग बूथ पर मतदान शुरू हो चुका था।

वोटिंग को लेकर पूरे जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। 121 संवेदनशील क्षेत्रों में खास सुरक्षा व्यवस्था की गई है। यहां वोट डालने आए वोटरों ने कहा कि, हम विकास के लिए वोट डालने पहुंचे हैं। वहीं, अन्य वोटरों ने भी विकास के लिए मतदान देने की बात कही है। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के झिरियाखुर्द गांव में मतदाताओं ने मंगलवार को चुनाव का बहिष्कार कर दिया। सड़क की मांग को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी थी। हालांकि चुनाव बहिष्कार की जानकारी के बाद अपर कलेक्टर इंद्रजीत बर्मन ने ग्रामीणों को समझाईश दी। इसके बाद 12 बजे के बाद ग्रामीण पोलिंग बूथ पहुंचे। फिलहाल अधिकारियों द्वारा समझाईश के बाद ग्रामीण पोलिंग बूथ जाकर वोट दिए। बता दें कि कवर्धा विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस से मोहम्मद अकबर और भाजपा से विजय शर्मा चुनावी मैदान में है। कुल 16 प्रत्याशी इस क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। कवर्धा सीट पर कुल 441 मतदान केन्द्र हैं। कुल वोटरों की संख्या 3 लाख 31 हजार 407 है। वहीं क्षेत्र में महिला मतदाता 1लाख 66 हजार 717 हैं। जबकि क्षेत्र में पुरुष मतदाता 1 लाख 74 हजार 687 हैं।

महंगा पड़ेगा चुनावी गारंटियों का लॉलीपॉप

उमेश चतुर्वेदी

कुछ साल पहले तक मुंबइया सिनेमा का प्रमुख आधार फॉर्म्युला होता था। किसी खास फॉर्म्युले पर फिल्म हिट हुई नहीं कि हर छोटा-बड़ा निर्माता उसी फॉर्म्युले को दोहराने लगता था। राजनीति भी कुछ उसी अंदाज में चलती है। किसी पार्टी विशेष का कोई फॉर्म्युला अगर एक बार सत्ता की सीढ़ी बन गया तो पार्टी चुनावी अभियान में उसे बार-बार लागू करने लगती है। गारंटी स्कीम कांग्रेस का ऐसा ही फॉर्म्युला है, जिसकी बुनियाद पर पार्टी ने कर्नाटक में जीत हासिल की। जीत की वजह बने इस फॉर्म्युले को अब पार्टी दूसरे राज्यों में भी आजमा रही है। चाहे छत्तीसगढ़ की आठ गारंटी हों या राजस्थान की सात गारंटी या फिर मध्य प्रदेश के ग्यारह वचन, सब कर्नाटक फॉर्म्युले का ही विस्तार हैं। कांग्रेस इन राज्यों की जनता से जो वादे कर रही हैं, उन पर मोटी रकम खर्च होने वाली है। सवाल यह है कि इन गारंटियों को पूरा करने के लिए कांग्रेस की सरकारें धन कहां से लाएंगी। कर्नाटक के लिए जब कांग्रेस ने पांच गारंटी का वादा किया, तब अनुमान लगाया गया था कि उस पर 62 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। यह रकम राज्य के कुल बजट का करीब 20 फीसदी होती। हालांकि कांग्रेस का कहना था कि इस पर राज्य के कुल बजट का करीब पंद्रह फीसदी ही खर्च होगा। हिमाचल प्रदेश में पार्टी ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने और महिलाओं को मासिक सहायता भत्ता देने का वादा किया था। वहां भी सरकार आर्थिक बोझ से जूझने लगी है। दरअसल, गारंटियों पर राज्यों के भारी-भरकम खर्च बढ़ने के बाद उनका आर्थिक ढांचा गड़बड़ा रहा है। इस पर आंकड़ों की रोशनी में ठीक से गौर करने की जरूरत है। कर्नाटक सरकार के वर्ष 2023-24 के बजट के अनुसार उसका राजकोषीय घाटा 66 हजार 646 करोड़ रुपया हो गया है। राज्य पर पहले से ही करीब पांच लाख करोड़ का कर्ज है। हिमाचल प्रदेश पर करीब 75 हजार करोड़ का कर्ज है। राज्य की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने साल 2023-24 के लिए जो बजट पेश किया, उसके अनुसार राज्य का राजकोषीय घाटा नौ हजार नौ करोड़ होने का अनुमान है। अब जरा उन राज्यों पर भी नजर डालते हैं, जहां विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं और कांग्रेस गारंटियों की बरसात कर रही है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश ने 2019 से 2022 के बीच 89 हजार 444 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। राजस्थान ने इसी अवधि में एक लाख 47 हजार 600 करोड़ रुपये का ऋण लिया है। छत्तीसगढ़ ने 28 हजार 680 करोड़ और तेलंगाना ने दो लाख 37 हजार 402 करोड़ रुपये का कर्ज लिया है। यह तो हुई सिर्फ एक साल की बात। इन राज्यों पर मार्च, 2023 तक के कुल कर्ज भी ध्यान दिया जाना चाहिए। रिजर्व बैंक के अनुसार इस अवधि तक मध्य प्रदेश पर कुल 3 लाख 78 हजार 617 करोड़ रुपये का कर्ज बकाया था। वहीं, राजस्थान पर 5 लाख 37 हजार 13 करोड़ रुपये और तेलंगाना पर 3 लाख 66 हजार 606 करोड़ रुपये का कुल कर्ज था। कांग्रेस द्वारा दी जा रही गारंटियों पर कुल कितना खर्च आएगा, इसका अभी अर्थशास्त्रियों ने समेकित अनुमान नहीं लगाया है। लेकिन यह तय है कि यह रकम लाखों करोड़ रुपये होगी। इन गारंटियों पर खर्च होने वाली रकम कहां से आएगी? इसका कोई रोड मैप कांग्रेस के पास नहीं है। अगर होता तो कर्नाटक या हिमाचल की सरकारों की ओर से दिख गया होता। कुछ ऐसी ही गारंटी पंजाब में आम आदमी पार्टी ने भी दी। सचाई यह है कि जिन राज्यों में भी गारंटियां दी गईं और गारंटी देने वाली पार्टी की सरकार आई, उनकी आर्थिक स्थिति डांवाडोल है। गारंटी का असर यह हो रहा है कि राज्यों में नियमित विकास कार्य रुक रहे हैं। उदाहरण के लिए, कर्नाटक में पानी की कमी है, लेकिन पानी से जुड़ी योजनाओं के लिए सरकार के पास पर्याप्त पैसे नहीं हैं। गारंटी से फायदा उठा रही जनता को इससे ज्यादा लेना-देना नहीं रहता। जब बदहाली होती है तो राज्य सरकारें केंद्र को जिम्मेदार ठहराने लगती हैं। जैसे कर्नाटक सरकार भी जल समस्या के लिए केंद्र को ठहरा रही है। पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार भी ऐसा ही करती रही है। वैसे, गारंटी तो केंद्र और भाजपा की सरकारें भी दे रही हैं। केंद्र सरकार 84 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है। मध्य प्रदेश की सरकार लाड़ली बहना योजना के तहत हजार रुपये महीना महिलाओं को दे ही रही है। लेकिन भाजपा कह सकती है कि उसे अपनी राजनीतिक अस्मिता के लिए कांग्रेस की गारंटी योजना का जवाब देना ही पड़ेगा।

विधानसभा चुनाव में स्थानीय पर जोर

प्रभु चावला

युद्ध मामूली आकार के लोगों को महाकाय बना सकते हैं। इस माह के पांच राज्यों के चुनाव में पार्टियों की रणनीति बदल गयी है। भाजपा का नारा 'डबल इंजन सरकार' है, तो गांधी परिवार का सूत्र वाक्य है- न्यूनतम अधिकतम है। रोड शो, बड़े आयोजन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की सभाओं के आकार कम हुए हैं। भाजपा नेता और समर्थक मोदी का गुणगान कर रहे हैं और उनकी गारंटी को घोषणापत्र के रूप में सामने रख रहे हैं, लेकिन आला कमान ने उन्हें अपना प्रचार अभियान स्वयं चलाने और जीत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। कांग्रेस ने भी यही किया है। दोनों राष्ट्रीय दलों ने यह समझा है कि केवल उनके शीर्ष नेतृत्व के सहारे जीत हासिल नहीं होगी, इसमें स्थानीय नेताओं और मुद्दों की बड़ी भूमिका होगी।

राजस्थान में 1980 से किसी पार्टी को लगातार दूसरी बार सरकार बनाने का मौका नहीं मिला है। यह उन कुछ राज्यों में है, जहां बहुत अधिक राजनीतिक स्थिरता रही है क्योंकि पहले नेहरू के और बाद में सोनिया गांधी के अधीन कांग्रेस ने लगातार राज्य के नेतृत्व में बदलाव नहीं किया। अशोक गहलोत पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने की दावेदारी कर रहे हैं। उनकी पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा की वसुंधरा राजे सिंधिया पितृसत्तात्मक परंपराओं के वर्चस्व वाले इस राज्य की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री रही हैं। स्वर्गीय भैरों सिंह शेखावत, जिनकी पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता थी, के बाद भाजपा राज्य में कोई स्थानीय विकल्प नहीं बना सकी है। राजस्थान में राजे की ससुराल है और उन्होंने मुख्य रूप से व्यक्तिगत करिश्मे से अपनी जगह बनायी है। दोनों दलों ने मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। गहलोत ने स्थानीय स्तर पर शीर्षस्थ रहने के लिए पार्टी का अध्यक्ष बनने से मना कर दिया था। वे अपने विरोधियों में फूट डालकर गंभीर आंतरिक

विद्रोहों से बचे हुए हैं। उनके चिर-प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट ने युवाओं में अपना व्यक्तिगत आधार और लोकप्रियता को बढ़ाया है। दिलचस्प है कि इस बार कांग्रेस मुख्यमंत्री पद के दो विकल्प दे रही है- 72 वर्षीय अनुभवी ओबीसी नेता गहलोत और 46 वर्षीय युवा चेहरे पायलट, जिनका शानदार रिकॉर्ड है और वे एक संभावित राष्ट्रीय नेता हैं। इसके उलट, भाजपा में चेहरे की तलाश से उसके समर्थक भ्रमित हैं।

आधी सदी से अधिक समय से मध्य प्रदेश की राजनीति पर रजवाड़ों और उच्च वर्गों का वर्चस्व रहा है। साल 1956 में राज्य बनने के बाद से वहां पहले तीन दशक में 12 कांग्रेसी मुख्यमंत्री हुए, जिनमें अधिकतर ब्राह्मण या ठाकुर थे। भाजपा (जनता पार्टी के रूप में) ने 1977 में कांग्रेस के वर्चस्व को तोड़ा और ब्राह्मण कैलाश जोशी मुख्यमंत्री बने। साल 2003 में भाजपा ने सवर्ण वर्चस्व को तोड़ते हुए ओबीसी नेता उमा भारती को मुख्यमंत्री बनाया, जो राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री हुईं। तब से दोनों दल आक्रामक ढंग से ओबीसी कार्ड खेल रहे हैं। वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भाजपा के तीसरे ओबीसी मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस की ओर से 77 वर्षीय कमलनाथ उन्हें गंभीर चुनौती दे रहे हैं।

वे 2018 में बहुमत के आसपास पहुंचे थे, पर महत्वाकांक्षी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उनका तख्त पलट दिया। वे बदला लेने के लिए व्यग्र हैं। उनका निशाना भाजपा नहीं, सिंधिया हैं, जिन्हें वे राजनीतिक रूप से खत्म कर देना चाहते हैं। कांग्रेस की जीत ग्वालियर और गुना पर निर्भर है, जहां सिंधिया परिवार का कुछ प्रभाव है। भाजपा के पास मुख्यमंत्री का उम्मीदवार नहीं होना कांग्रेस के लिए बहुत फायदेमंद है। भाजपा ने वरिष्ठ मंत्रियों एवं सांसदों को उम्मीदवार बनाया है, जिससे यह संदेह होता है कि पार्टी की जीत की स्थिति में शायद चौहान फिर से मुख्यमंत्री न बनें। तब चौहान उसका श्रेय लेकर पार्टी में बड़ी राष्ट्रीय भूमिका की दावेदारी कर सकते हैं। कांग्रेस की जीत युवा पीढ़ी के लिए रास्ता तैयार कर सकती है। ऐसे संभावितों में पहला नाम दिग्विजय सिंह के पुत्र 37 वर्षीय जयवर्धन सिंह का है, जिन्हें पार्टी में अपने पिता से अधिक समर्थन हासिल है।

छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार है और उन्हें चुनौती देने वाला कोई भरोसेमंद चेहरा राज्य में नहीं है। कांग्रेस 2018 से सरकार में है। इस बार दोनों दलों ने औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस के पास दो विकल्प हैं- ओबीसी नेता बघेल और उपमुख्यमंत्री एवं सरगुजा के पूर्व महाराजा टीएस सिंहदेव, जो आदिवासी क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय हैं। भाजपा को देर से समझ में आया कि रमन सिंह का प्रभाव पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। उन्हें पांच साल से हाशिये पर रखा गया था। पार्टी उनके कद का कोई वैकल्पिक नेता आगे नहीं ला सकी है। दूसरी ओर, संगठन और नेतृत्व के मामले में बघेल और उनकी पार्टी बेहतर स्थिति में हैं। लोकसभा चुनाव पर इसका मामूली असर होगा, पर दो लगातार हार से छत्तीसगढ़ से अधिकतम सीटें जीतने की संभावना कुंद होगी।दस साल पहले राज्य के रूप में गठित हुआ तेलंगाना अजीब लड़ाई की ओर अग्रसर है। साल 2014 और 2018 में के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य समिति (अब भारत राष्ट्र समिति) ने अपनी पूर्ववर्ती पार्टी कांग्रेस को भारी जीत हासिल की थी। अब लड़ाई उन नेताओं के बीच है, जिन्होंने अपना करियर तेलुगू देशम या अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू किया था। राव ने कांग्रेस से अपना करियर शुरू किया था, पर उन्हें तेलुगू देशम की एनटी रामाराव और चंद्रबाबू नायडू की सरकारों में मंत्री के रूप में ख्याति मिली।

कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष एआर रेड्डी छात्र जीवन में विद्यार्थी परिषद में थे और फिर तेलुगू देशम से होते हुए कांग्रेस में गये। हाल तक कांग्रेस दौड़ में नहीं थी, पर कुछ महीनों से इसने भारत राष्ट्र समिति और भाजपा के कई नेताओं को आकर्षित किया। इससे उसको बहुत लाभ संभावित है, शायद बहुमत भी मिल जाए। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री वाइएसआर रेड्डी की बेटी शर्मिला को अनौपचारिक रूप से साथ लेकर एक ऐतिहासिक गलती को ठीक किया है। स्थानीय संपर्क या सहयोगी के अभाव में दूसरे दलों को साथ लाने का भाजपा के प्रयास का परिणाम नहीं मिला है। अब सवाल उठता है कि क्या दक्षिण में कांग्रेस का उभार हो रहा है। इन चार राज्यों के नतीजे राष्ट्रीय राजनीति बहुत प्रभावित करेंगे। कांग्रेस की सफलताओं का श्रेय गांधी परिवार को मिलेगा और स्थानीय क्षत्रपों का महत्व भी स्थापित होगा। कांग्रेस पर लोकतांत्रिक होने का दबाव बढ़ सकता है। तीन उत्तरी राज्यों में भाजपा की हार उसके स्थानीय आधार और नेतृत्व के कमजोर होने को इंगित करेगी।

कृपया इनसे सीखें

बेकार भूमि को अन्नपूर्णा बनाता जेसीबी मैन

माउंटेन मैन दशरथ माँझी के हौसले की कहानी से सभी वाकिफ हैं, जिन्होंने अकेले पहाड़ का सीन 7 चीरकर रास्ता तैयार किया। अब एक और शख्स में मिलिए, जिसे लोग जेसीबी मैन कहते हैं। यह है फतेहपुर के अमौली ब्लॉक में भरसा के मजरे केक्टरा गाँव के 75 वर्षीय भावन निषाद। नोन नदी किनारे बसे इस गाँव में भावन ने 25 वर्षों में 50 बीघा ऊबड़-खाबड़ जमीन समतल कर उसे अन्नपूर्णा बना दिया। आज भी बूढ़ी काया में फौलादी इरादे समेटे भावन नदी किनारे और भी जमीनों को खेती के योग्य बनाने में जुटे हैं, गीता के इस उपदेश को करो। 7 आत्मसात् करते हुए कि सुखी रहना है तो निष्काम भाव से कर्म करो। भावन के तैयार किए खेतों में अब गेहूँ, चना व सरसों की फसल लहलहा रही है। नदी की ऊबड़-खाबड़ जमीन पर फावड़ा चलाते हुए 75 साल के बूढ़े को देखकर हर किसी के मन में सवाल उठता है कि इस उम्र में इतनी मेहनत क्यों और किसके लिए? इसका जवाब भावन देते है, %पत्नी की मौत के बाद अकेला हो गया तो सोचा कि गाँव के लिए ही कुछ किया जाए। मेरी समतल की गई जमीन से सैकड़ों लोगों का पेट भरता है, क्या यह पुण्य नहीं है। प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र निषाद कहते हैं कि भावन को इससे मतलब नहीं है। कि जमीन किसकी है और इसकी पैदावार कौन लेगा। वह निष्काम भाव से जमीन समतल करते हैं। जिसका मालिकाना हक होता है, वह जमीन पर फसल तैयार कर पैदावार लेता है। इस मेहनत के एवज में जेसीबी मैन को लोग केवल दोनों पहर की रोटी दे देते हैं। न भी दें तो वह खुद बनाकर पेट भरते हैं। सुबह उठते ही भावन निषाद फावड़ा लेकर जंगलों की ओर निकल जाते हैं। ऊँची-नीची जमीन को बराबर करने। चार घंटे की मेहनत के बाद ही खाना खाते हैं। जमीन का मालिक खाना लेकर जंगल खुद पहुँच जाता है। भावन रोज आठ से दस घंटे फावड़ा चलाने का कार्य करते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-35)

गतांक से आगे...

संसाररूपी रात्रि के दु:स्वप्नरूप और सर्वथा शून्यवत् इस शरीररूपी भ्रम में जो भी कुछ मायाजाल का प्रसार देखा है, वह सभी पवित्रता से परे है। बाल्यकाल में अज्ञानता से ग्रसित रहा, युवाकाल में वनिता (स्त्री) के द्वारा आहत किया गया और अब अन्तिम अवस्था में यह अधम मनुष्य स्त्री- पुत्रादि की चिन्ता में आर्स (दु:खी) होकर आखिर अपना क्या उपकार कर सकता है ? सत् के मूर्द्धा (सिर) पर असत् का बोलबाला है। रमणीकता के ऊपर कुरूपता चढ़ी हुई है। सुखों के ऊपर दु:ख प्रतिष्ठित हैं। ऐसी स्थिति में मैं किस एक का अवलम्बन प्राप्त करूँ ?

जिनके निमेष एवं उन्मेष से इस संसार का विनाश एवं उत्पत्ति निश्चित है। इस प्रकार के सर्वश्रेष्ठ पुरुष भी जब काल-कवलित हो जाते हैं, तब मुझ जैसे सामान्य पुरुषों की तो गणना ही क्या है। इस नश्वर जगत् को ही दु:खों की अन्तिम परिधि माना गया है, उसमें शरीर के पड़े रहने पर सुखास्वादन किस प्रकार हो सकता है?

मैं प्रबुद्ध हो गया हूँ, मैं जाग गया हूँ। मेरी आत्मा को चुराने वाला दुष्ट चोर मेरा यह दूषित मन ही है। इसने न जाने मुझे कब अति दीर्घकाल से चुराकर अपने वश में कर लिया है। अब मैं इसे जान गया हूँ। अत: इसको विनष्ट कर डालूँगा। हेय पदार्थों के लिए दु:खित मत हो और उपादेय पदार्थों के प्रति आसक्त मत हो । हेय एवं उपादेय से सम्बन्धित दृष्टि का परित्याग करके शेष में प्रतिष्ठित होकर अवस्थित हो जाओ। इस नश्वर जगत् की ओर से निराशा, निर्भयता, नित्यता, अभिज्ञता, समता, निष्कामता, निष्क्रियता, सौम्यता, धृति, निर्विकल्पता, मैत्री, सन्तोष, मृदुता एवं मृदुभाषण आदि गुण वासनारहित तथा हेय (हीन) और उपादेय (उपयोगी) के प्रभाव से रहित प्रज्ञावान् पुरुष में निवास करते हैं। तृष्णारूपिणी भीलनी के द्वारा विस्तीर्ण किये हुए वासना रूपी जाल से तुम आबद्ध किये गये हो, चिन्ता रूपी रश्मियों के द्वारा संसार रूपी मृग-? -मरीचिकात्मक जल चतुर्दिक् फैला दिया गया है। हे पुत्र निदाघ! जिस तरह बवण्डर से मेघ रूपी जाल छिन्न-भिन्न हो जाते हैं, वैसे ही इस ज्ञानरूपी तीव्र बछ से उसे नष्ट करके अपने व्यापक स्वरूप में प्रतिष्ठित हो जाओ।

जिस प्रकार वृक्ष द्वारा प्रदत्त बेंट का सान्निध्य पाकर कुल्हाड़ी वृक्ष को ही काट डालती है, उसी प्रकार मन के द्वारा ही मन को काटकर परम पावन अविनाशी पद को अतिशीघ्र प्राप्त करके स्थिर हो जाओ।

क्रमश: ...

अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी दिवस

मोहित कुमार

अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी दिवस हर साल 8 नवंबर को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। यह दिन रेडियोलॉजी के उस मूल्य के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है, जो सुरक्षित रोगी देखभाल में योगदान देता है, और स्वास्थ्य देखभाल की निरंतरता में महत्वपूर्ण भूमिका रेडियोलॉजिस्ट और रेडियोग्राफर की सार्वजनिक समझ में निरंतर सुधार करता है। एक्स-रे जैसी चीजें लोगों की समस्या को खोजने में काफी मदद करता है। इसलिए इस दिन लोगों को जागरूक किया जाता है।

मरीजों की बीमारियों का अंदरुनी रूप से पता लगाने के लिए रेडियोलॉजिकल सिस्टम का उपयोग किया जाता है। इससे बीमारी का जड़ से पता लगाने में मदद मिलती है। बीमारियां, मतलब जहां मनुष्य है वहीं, बीमारियां भी मौजदू हैं। हम एक अच्छा खानपान लेते हैं, अच्छी दिनचर्या को फॉलो करते हैं और जरूरत पड़ने पड़ डॉक्टर की सलाह अनुसार ही काम करते हैं। लेकिन कई बार हम किसी बीमारी से इतना पीड़ित हो जाते हैं कि हमें कई तरह की बड़ी दिक्कतों से जूझना पड़ता है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि बीमारी से जल्द से जल्द ठीक होने के लिए हमें दवाओं का सेवन करना पड़ता है, लेकिन हम कौन सी बीमारी से पीड़ित हैं। इसके लिए कई तरह के टेस्ट तक करवाने पड़ते हैं और इन्हीं में से एक है रोडियोग्राफी। ये एक ऐसी तकनीक है, जिसके जरिए लोगों की अंदरूनी

समस्याओं के बारे में बेहद आसानी से जाना जा सकता है। रेडियोलॉजी चिकित्सा अनुशासन है जो जानवरों और मनुष्यों के शरीर के भीतर रोगों के निदान और उपचार के लिए चिकित्सा इमेजिंग का उपयोग करता है। एक्स-रे रेडियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड, कंप्यूटेड टोमोग्राफी, पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी, फ्लोरोस्कोपी, और चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग सहित विभिन्न प्रकार की इमेजिंग तकनीकों का उपयोग रोगों के निदान या उपचार के लिए किया जाता है। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी आमतौर पर ऊपर वर्णित इमेजिंग तकनीकों के मार्गदर्शन के साथ न्यूनतम इनवेसिव चिकित्सा प्रक्रियाओं का प्रदर्शन है। यह दिन 1895 में विल्हेम रोएंटजेन द्वारा एक्स-रे की खोज की वर्षगांठ का भी प्रतीक है। विश्व रेडियोलॉजी दिवस पहली बार वर्ष 2012 में मनाया गया था।

रेडियोलॉजी चिकित्सा विज्ञान में से एक है कि अध्ययन तरंगों का पता लगाने और रोगों के सभी प्रकार के इलाज के लिए, साथ ही रोग की स्थिति और रोगों है कि रेडियोधर्मी तरंगों के साथ संपर्क के मामले में दिखाई देने के लिए का उपयोग करें।

वैज्ञानिकों के बाद एक नई तरह की बात-विद्युत चुंबकीय तरंगों पाया, वे जिस तरह से मानव जीवन में अपने आवेदन पर लगता है। इसके लिए पर्याप्त संख्या में प्रयोग किए गए हैं। उनमें से कुछ खतरनाक थे, लेकिन कुछ के अनुकूल थे। लेकिन यह उन्हें अब धन्यवाद है, उपचार और निदान की इस विधि आज़ादी चिकित्सा में इस्तेमाल किया और लोगों के स्वास्थ्य की वापसी के लिए अच्छा प्रदर्शन देता है।

ऐसे ही एक दिन रखने का विचार यूरोपियन सोसायटी ऑफ रेडियोलॉजी, अमेरिकन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी (एसीआर) और नॉर्थ अमेरिका के रेडियोलॉजिकल सोसायटी से हुआ । ऐसे ही एक दिन के उत्सव की संख्या जानने के लिए वैज्ञानिकों ने इतिहास रच दिया है. बाद रेडियोलॉजी लोगों को तुरंत एक्स-रे, जो वैज्ञानिक जो इन लहरों की खोज के संमान में नामित किया गया था के साथ सहयोग जाता है-विल्हेम कॉनराड रोंटजेन। 8 नवंबर 1895 वर्ष विल्हेम संपन्न हुआ और अंत में समझ में आ गया कि एक्स-वेव क्या हैं।

सुरंग नेटवर्क में कैसे फंस गया आईडीएफ

अभिनय आकाश

इजरायल और हमास के बीच छिड़े युद्ध को 21 दिन गुजर गए हैं। लेकिन तीन हफ्ते बाद भी इजरायल हमास के लड़ाकों को रौंद नहीं पाया है। तीन हफ्ते बाद भी इजरायल की आईडीएफ लगातार गाजा पट्टी, लेबनान, वेस्ट बैंक के बॉर्डर पर अंधाधुंध बमबारी कर रही है। तीन हफ्ते बाद भी इजरायल को समझ नहीं आ रहा है कि 500 किलोमीटर लंबी सुरंगों में हिजबुल्ला के लड़ाके कैसे पहुंच गए। अब हिजबुल्ला के लड़ाके हमास के चरमपंथियों के साथ मिलकर इजरायल के सैनिकों के खिलाफ सुरंग वाला गुरल्ला वार करने में लग गए हैं। क्यों पीएम नेतन्याहू ने आखिरी वक्त में गाजा में जमीनी हमलों की मंजूरी देने से मना कर दिया।

गाजा पट्टी में जितने बड़े खून खराबे की कल्पना की जा सकती है वो कोई कोरी अफवाह नहीं है। कल्पना से कहीं ज्यादा खूनी जंग गाजा में हो रही है। गाजा जंग अब इजरायल के वजूद से जुड़ गई है। या तो अब यहूदियों का इजरायल रहेगा या फिर मुस्लिम देशों के हीरो बने हमास का गाजा इजरायल को मिटा देगा। इजरायल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुत बराक ने ऐसा खुलासा कर दिया है जो गाजा की जंग को दुनिया की सबसे खूनी जंग बनाने जा रहा है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि इजरायल के आईडीएफ को गाजा पट्टी में बेहद शातिर और क्रूर हमास लड़ाकों से लड़ना पड़ रहा है। इजरायल के पूर्व पीएम एहुत

बराक ने दावा किया है कि सुरंग में घुसकर हमास के लड़ाकों को मारने के लिए इजरायल ने अपने सबसे माहिर सैनिकों को भेजा है।

सुरक्षा सूत्रों का कहना है कि गाजा में इजरायली जमीनी सैनिकों का इंतजार सैकड़ों किलोमीटर लंबा और 80 मीटर तक गहरा हमास सुरंग नेटवर्क है, जिसे एक मुक्त बंधक ने मकड़ी का जाल और एक विशेषज्ञ ने वियतनाम के रूप में वर्णित किया है। सुरंगें, जिन्हें इज़राइल द्वारा गाजा मेट्रो कहा जाता है, हमास के लिए आक्रामक और रक्षात्मक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण हैं। हमास इनका उपयोग हथियारों की तस्करी और भंडारण के लिए करता है और पहचान से बचता है, जिससे भीड़भाड़ वाले शहरी क्षेत्र में लड़ाई की भारी कठिनाइयां बढ़ जाती हैं। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, हमास के प्रवक्ता के अनुसार, 7 अक्टूबर के आतंकवादी हमले में अपहृत बंधकों में से कम से कम कुछ को सुरंगों में रखा गया था, जिससे निर्धारित ऑपरेशन जटिल हो गया था।

अगर इजराइल आने वाले दिनों में जमीनी हमला करता है, तो उसे गाजा पट्टी के नीचे हमास के सुरंगों के जटिल नेटवर्क से जूझना होगा। मामले से परिचित पश्चिमी और पश्चिम एशिया के सूत्रों ने कहा कि फिलिस्तीनी इस्लामवादी समूह के पास 360 वर्ग किलोमीटर की रेतीली तटीय पट्टी और उसकी सीमाओं के नीचे विभिन्न प्रकार की सुरंगें हैं जिनमें हमले, तस्करी, भंडारण और परिचालन सुरंगें शामिल हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका का मानना है कि इजरायल के विशेष बलों को जमीन के नीचे बंधकों को मारने से बचने की कोशिश करते हुए हमास के आतंकवादियों से लड़ना एक अभूतपूर्व चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि मोसुल शहर को इस्लामिक स्टेट से वापस लेने के लिए इराक की नौ महीने लंबी लड़ाई इजरायलियों के इंतजार की तुलना में आसान साबित हो सकती है। इसमें बहुत सारे आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) होने की संभावना है। 2021 में शत्रुता के आखिरी दौर के बाद, गाजा में हमास के नेता येह्या अल-सिनवार ने कहा था कि उन्होंने हमास की 100 किलोमीटर लंबी सुरंगों को नष्ट कर दिया है।

गाजा की वायु और समुद्री पहुंच और उसकी 72 किमी भूमि सीमाओं में से 59 किमी पर इजराइल का पूर्ण नियंत्रण होने के साथ दक्षिण में 13 किमी मिस्र के साथ - सुरंगें हमास के लिए हथियार, उपकरण और लोगों को लाने के कुछ तरीकों में से एक प्रदान करती हैं। 1982 में मिस्र ने इजरायल के साथ शांति समझौते किए थे। इसके बाद गाजा के निवासियों ने सुरंगे खोदीं और इनका उपयोह माल की तस्करी के लिए किया जाने लगा। इसके साथ ही राफा और यहां रहने वाले परिवार भी आपस में मिलने के लिए इन सुरंगों का प्रयोग करते थे। उस वक्त सुरंगों का उपयोग आतंकवाद के लिए नहीं किया जाता था। इन्हें मुख्य रूप से कुएं खोदने का अनुभव रखने वाले स्थानीय खनिकों द्वारा खोदा जाता था। 2000 में दूसरे इंतिफादा के बाद और ऑपरेशन डिफेंसिव शील्ड के हिस्से के रूप में गाजा पट्टी पर आक्रमण के लिए आईडीएफ की तैयारियों के मद्देनजर सुरंगों का उपयोग तेजी से बढ़ने लगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि सुरंगों का पता लगाना मुश्किल है क्योंकि वे संरचनाओं के नीचे बनाई जा सकती हैं। उन्हें पहचानने के अलग-अलग तरीके हैं, जैसे कि जमीन में घुसने वाले रडार और चुंबकीय, थर्मल और ध्वनिक फिंगरप्रिंट को मापने के लिए तकनीकों का उपयोग करना। विशेषज्ञों का कहना है कि इन सुरंगों पर बमबारी की जा सकती है जबकि इस्राइल के पास %बंकर-बस्टर बम% हैं जो जमीन के अंदर घुसने के लिए बनाए गए हैं। हालांकि, गाजा पट्टी की घनी आबादी के कारण यह विकल्प मुश्किल है।

आज का इतिहास

1998 मानवाधिकार अधिनियम के पारित होने के साथ, यूनाइटेड किंगडम के सभी आपराधिक अपराधों के लिए मृत्युदंड की सजा।

2003 सऊदी अरब के रियाद में एक आत्मघाती आतंकवादी हमले में 17 लोगों की मौत हुई।

2005 यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने वीनस एक्सप्रेस मिशन (कलाकार की छाप चित्रित की गई), वेनवियन वातावरण का पहला दीर्घकालिक अवलोकन शुरू किया।

2006 एमआई 5 (सुरक्षा सेवा) के प्रमुख के अनुसार, डेम एलिजा बड़ी संख्या में युवा ब्रिटिश मुसलमानों को सामूहिक हत्या का रास्ता चुनने के लिए सुधार और प्रशिक्षित किया जा रहा है।

2007 पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना उन खिलौनों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है जो एक जहरीले रसायन 1,4-ब्यूटेनियोल में कवर किए गए थे। खिलौने संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन दोनों से वापस ले लिए गए हैं।

2008 देश के इतिहास में होने वाले सबसे बड़े जब्त में से एक में आयरलैंड के तट से 750 मिलियन क का कोकीन जब्त किया गया है।

2010 संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरिया ने बर्मा, ईरान और सीरिया को परमाणु तकनीक प्रदान की है। इसने संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित प्रतिबंधों का उल्लंघन किया है।

2012 छह लोगों को ले जा रहा एक अल्जीरियाई ष्ट-295 सैन्य परिवहन, दक्षिणी फ्रांस में एविग्नन के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बचावकर्मी चार यात्रियों के अवशेष खोजने में सक्षम हैं, जबकि दो अन्य लापता हैं।

2013 यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड - . 15.5 बिलियन का विमान, संयुक्त राज्य अमेरिका की नौसेना द्वारा उद्घाटन किया गया था। यह दुनिया का सबसे तकनीकी रूप से उन्नत जहाज है।

चुनाव में रेवड़ियों के साथ-साथ जोड़ियों की चर्चा

अजय बोकिल

मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में इस बार रेवड़ियों के साथ राजनीतिक जोड़ियों को लेकर भी खूब बवाल मचा है। बात 'शोले' के 'जय- वीरू' से शुरू होकर मेरे अपने के श्याम- छेनू से होते हुए 'गब्बरसिंह और सांभा' तक पहुंची। इस जोड़ियों का जिक्र कभी राजनीतिक विरोधियों का चरित्र उजागर करने तो कभी सियासी संदर्भ में अपनी अटूट मैत्री जताने के भाव से किया जा रहा है। लेकिन जिस शाश्वत् मैत्री को दर्शाने के लिए जिन जोड़ियों का जिक्र किया गया, वो स्वयं अपने आप में नकारात्मक फिल्मी चरित्र रहे हैं। ऐसे में ऐसी उपमा देने और रूपक बांधने वाले नेताओं का मानस और सोच पर भी सवाल उठते हैं।

चाहे कांग्रेस हो या भाजपा, राम का नाम किसी न किसी न संदर्भ में चुनाव में लिया जा रहा है, लेकिन किसी ने भी किसी की तुलना 'राम- लखन' की जोड़ी से नहीं की, शायद इसलिए क्योंकि राजनीति में नैतिक जीवन जीने, मर्यादाओं में रहने और वचन निभाने की बात महज जुमलेबाजी से ज्यादा नहीं है। ऐसे में कोई राम- लखन नहीं बनना चाहता। बनना चाहता है तो 'जय वीरू' या 'श्याम छेनू वगैरह।' गहराई से देखें तो यह भारतीय राजनीति और राजनेताओं के मानस में आई गुणात्मक गिरावट को भी परिलक्षित करता है। कहते हैं कि राजनीति में न तो कोई स्थायी दोस्त होता है और न ही कोई कायम दुश्मन। राजनीतिक दोस्ती और दुश्मनी अवसरवाद और स्वार्थ सिद्धी के हिसाब से संचालित होती है और बिखरती है। यहां कब जानी दुश्मन एक- दूसरे को गले लगाने लगें और कब एक- दूसरे का गला काटने लगें, कोई नहीं जानता और ऐसा करने के वाजिब तर्क भी गढ़ लिए जाते हैं।

मप्र के विधानसभा चुनाव में इस बार जहां मतदाताओं को खुलकर रेवड़ियां बांटने की दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियों में होड़ मची है, वहीं दोनो पार्टियों के शीर्ष

नेता एक दूसरे को खारिज करने अथवा स्वयं को 'दो जिस्म एक जान' बताने के लिए मिथक बन चुकी फिल्मी जोड़ियों के नामों का सहारा ले रहे हैं।

चुनाव प्रचार के घमासान में बात 'शोले' के अमर चरित्र 'जय और वीरू' की जोड़ी के जिक्र से शुरू हुई। राज्य में कांग्रेस के दो शीर्ष नेताओं कमलनाथ और दिग्विजय के बीच अनबन की खबरों का खंडन करते कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने मीडिया से कहा कि दोनो शोले के जय और वीरू की जोड़ी हैं। अर्थात् दोनो मिलकर एक ही लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं, जिसका मकसद बदला लेना है। लेकिन सुरजेवाला भूल गए कि शोले के जय और वीरू पेशे से चोर थे, जिन्हें डाकुओं से बदला लेने की सुपारी एक ठाकुर ने दी थी। जय और वीरू की दोस्ती भले 'दम तोड़ने तक कायम' रहने वाली थी। लेकिन उनकी पृष्ठभूमि नकारात्मक थी। बीजेपी ने इस तुलना को हाथों-हाथ लेकर कांग्रेस पर जवाबी हमले शुरू कर दिए। मजे लेने के अंदाज में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि 'जय- वीरू' 'की यह जोड़ी लूट के माल के लिए है।

प्रदेश भाजपाध्यक्ष वी.डी.शर्मा ने इसे कांग्रेस की लुटेरी जोड़ी बताया। इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने पलटवार किया कि शिवराज जी, जय और वीरू ने ही अत्याचारी गब्बर सिंह का हिसाब किया था। मध्य प्रदेश 18 साल से अत्याचार से त्रस्त है। अब अत्याचार के अंत का समय आ गया है। लेकिन इन्हीं 'जय वीरू' में केन्द्रीय मंत्री और दिमनी सीट से भाजपा प्रत्याशी नरेन्द्र सिंह तोमर ने 'पक्की दोस्ती' का सकारात्मक तत्व बूझते हुए स्वयं को और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को 'जय- वीरू की जोड़ी बताया। उस वक्त उनका आशय शायद डाकू गब्बर का खात्मा करने वाले जय- वीरू से था। इसका अर्थ यह हुआ कि भाजपा वाले 'जय- वीरू' की जोड़ी की व्याख्या भी सुविधा से परिवारवादी अंदाज में करते हैं।

उधर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सामने जब जय-वीरू की दो व्याख्याएं सामने आईं तो उन्होने तुरंत ट्रैक बदला और कमलनाथ- दिग्विजय की जोड़ी को गुलजार की यादगार फिल्म 'मेरे अपने' की जोड़ी 'श्याम- छेनू' से कर दी। ये जोड़ी भी गांव के रंगदारों की थी, जिनमें मोहल्ले पर कब्जे को लेकर प्रतिस्पर्द्धा चलती है।

ये चरित्र भी समाज के लिए नकारात्मक ही थे। इस पर कमलनाथ का पलटवार था कि शिवराजजी अपनी अदाकारी के लिए मशहूर हैं। अब नरेन्द्र तोमर भी फिल्मी पात्रों पर शोध कर रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष किया कि अब भाजपा इमर्जेंसी मीटिंग बुलाकर तय कर ले कि इन दोनो में गब्बर है और सांभा है।

यानी मामला अब चोरी, रंगदारी से बढ़कर डाका डालने वाले चरित्रों तक पहुंच गया। चरित्र हनन के आरोप- प्रत्यारोपों के बीच भाजपा नेता और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपनी सभा में जनता से पूछा कि 'जय वीरू' कौन थे तो जवाब आया 'चोर थे।' यही नहीं एक सभा में ज्योतिरादित्य ने खुद को ऐसा काला कौआ बताया जो झूठ बोलने वाले को काटता है। उनका निशाना भी उनकी पूर्व पार्टी कांग्रेस के शीर्ष नेता थे। अब यह अलग बात है कि झूठ बोलने वाले कौव्वे का कोई इलाज शास्त्रों में नहीं बताया गया है।

हैरानी की बात यह है कि हिंदी फिल्मों में नायकों की जो जोड़ियां चर्चा में रही हैं, वो प्रायः नकारात्मक चरित्रों से सम्बन्धित ही हैं। भले ही महिमा मंडित करने के लिए बाद में उनसे सत्कर्म कराने पर दिया गया हो। मसलन फिल्म 'विक्टोरिया नंबर 203 के किडनैपर राजा और राना की जोड़ी हो या फिर गुमशुदा करोड़पति लड़की को खोजने वाले कथित 'दो जासूस' धरमचंद करमचंद की जोड़ी हो। एक हिट जोड़ी फिल्म 'छोटे मियां, बड़े मियां' के दो पुलिस इंस्पेक्टर दोस्तों 'अर्जुनसिंह और प्यारेमोहन' की भी है, लेकिन उनसे अपनी तुलना कोई राजनेता नहीं करना चाहता।

अब सवाल यह है कि राजनेताओं को 'जय- वीरू टाइप चरित्र ही क्यों भाते हैं? ऐसी दोस्तियां ही उन्हें अनुकरणीय क्यों लगती हैं? इसका राजनेताओं के मनोविज्ञान और नैतिकता से कितना और कैसा सम्बन्ध है? क्या वो जनता के मानस को बेहतर ढंग से समझते हैं और क्या जनता भी ऐसे ही चरित्रों और दोस्तियों को सत्ता सिंहासन पर विराजमान होना क्यों देखना चाहती है? और अगर ऐसे ही चरित्र समाज को स्वीकार्य हैं तो हमे राजनीति में नीतिमत्ता की बात क्यों कर करना चाहिए?

मध्यप्रदेश के चुनाव में इसलिए हो रही योगी की चर्चा

आशीष तिवारी

मध्यप्रदेश में जैसे-जैसे विधानसभा के चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं, उसी तरह भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की मांग भी बढ़ती जा रही है। इन नेताओं में सबसे ज्यादा मांग उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बनी हुई है। अमर उजाला डॉट कॉम से मध्यप्रदेश के चुनावी माहौल में लोगों ने उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था से लेकर बुलडोजर मॉडल का जिक्र कर मध्यप्रदेश में योगी आदित्यनाथ की छवि का खुलकर बखान किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मध्यप्रदेश में भी योगी आदित्यनाथ जैसे कड़क मिजाज मुख्यमंत्री की जरूरत है। वहीं कई लोगों ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को भी अपना पसंदीदा नेता बताया। लोगों का कहना है कि इन दोनों नेताओं की वजह से मध्यप्रदेश में सरकार बदल सकती है। कभी होशंगाबाद के नाम से पहचाने जाने वाले मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम में योगी आदित्यनाथ को लेकर युवाओं में खूब क्रेज है। यहां के रहने वाले आदित्य कहते हैं कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसा मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश को भी चाहिए। कारण बताते हुए आदित्य कहते हैं कि योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में जिस तरीके से कानून व्यवस्था दुरुस्त की है, वह एक रोल मॉडल के तौर पर देखा जा रहा है। वह कहते हैं कि सिर्फ कानून व्यवस्था ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के मंदिरों और शहरों का जिस तरीके से विकास हुआ है उससे अन्य राज्य को सीखना चाहिए। इसी शहर के रहने वाले दीपेंद्र यादव कहते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रैलियों में आने वाली भीड़ बताती है कि वह किस कदर पॉपुलर हो चुके हैं। छिंदवाड़ा के श्रीओम साहू कहते हैं कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह अगर सख्त मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश को मिल जाए, तो यहां भी मंदिरों से लेकर शहरों का जमकर विकास होगा, जैसा उत्तर प्रदेश में हुआ है। साहू कहते हैं कि वैसे तो उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश की कानून व्यवस्था से लेकर तमाम व्यवस्थाओं में बड़ा अंतर है, लेकिन वह चाहते हैं कि योगी आदित्यनाथ जैसा कड़क मिजाज मुख्यमंत्री अगर मध्यप्रदेश को मिलेगा, तो यहां भी न सिर्फ कानून व्यवस्था सख्त होगी, बल्कि गलत काम करने वालों को डर लगेगा। उत्तर प्रदेश में जिस तरीके से गलत काम करने वालों पर बुलडोजर चलाया जाता है, उसी को देखते हुए मध्यप्रदेश में भी बुलडोजर चलना शुरू हुआ। भोपाल के एमपी नगर में रहने वाले दिनेश कश्यप कहते हैं कि वैसे तो मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी का ही शासन है, लेकिन योगी के काम करने का अंदाज बिल्कुल अलग है। वह कहते हैं जिस तरीके से उनका सख्त और कड़क मिजाज अपराधियों में भय पैदा करता है वह किसी भी प्रदेश की कानून व्यवस्था के लिए सबसे बेहतर उपाय है। हालांकि दिनेश कहते हैं कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सॉफ्ट छवि भी लोगों को बहुत पसंद है। लेकिन वह चाहते हैं कि मध्यप्रदेश में योगी आदित्यनाथ ज्यादा से ज्यादा चुनावी दौरे कर यहां की जनता से सीधे रूबरू हों। वहीं मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा स्थित चांद कस्बे के रूपकुमार पटेल कहते हैं कि सभी नेताओं की अपनी अपनी इमेज है, लेकिन वह कांग्रेस के नेताओं में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। पटेल का कहना है कि राहुल गांधी ने जिस तरीके से भारत जोड़ो यात्रा करके एक परिपक्व राजनेता के तौर पर खुद को साबित किया है, वह आने वाले दिनों में सियासी तौर पर कांग्रेस के लिए बड़े फायदे का सौदा होने वाला है। उनका मानना है कि बीते कुछ चुनाव में जिस तरीके से कांग्रेस ने हिमाचल से लेकर कर्नाटक में सरकार बनाई है, उसमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का सबसे बड़ा योगदान है। वह कहते हैं कि मध्यप्रदेश में भी सियासत बदलने वाली है। यहां पर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने जिस तरीके से लोगों के बीच में जगह बनाई है वह मध्यप्रदेश में सरकार को बदल देगी।

कांग्रेस ने अपनाई भाजपा की ये अचूक रणनीति

राहुल संपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार जोर-शोर से शुरू हो गया हैं। प्रदेश में कहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सभा हो रही है तो कहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा जनसभा कर रही हैं। लेकिन इसी बीच कांग्रेस ने चुनावी सभाओं और रोड शो के अलावा बूथ प्रबंधन पर फोकस करना शुरू कर दिया है। प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह बूथ, सेक्टर और मंडलम के विधानसभा वार सम्मेलन कर रहे हैं, तो सुरेश पचौरी, अरुण यादव, कांतिलाल भूरिया, अजय सिंह सहित अन्य नेता अपने-अपने अंचल में कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस ने बूथ प्रबंधन प्रकोष्ठ ने बूथ पर मतदाता संपर्क अभियान शुरू कर दिया है। इसमें शिवराज सरकार के विरुद्ध जारी आरोप पत्र को वितरित करने के साथ सरकार बनने पर लागू किए जाने वाले वचन पत्र की जानकारी दी जा रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस ने महाजनसंपर्क अभियान की जो कार्य योजना बनाई है, उसमें वरिष्ठ नेताओं की चुनावी सभा, रोड शो तो होंगे पर अधिक ध्यान मतदाताओं से सीधे संपर्क पर भी दिया जाएगा। कांग्रेस पार्टी ने पहली बार विधानसभा स्तर पर बूथ, सेक्टर और मंडलम इकाई बनाई है। इसका उद्देश्य यह है कि कार्यकर्ता मतदाताओं के सीधे संपर्क में रहें। भाजपा की तरह ही पन्ना प्रभारी बनाए गए हैं, ताकि वे अपने मतदान केंद्र के मतदाताओं पर ध्यान दे सकें। प्रदेश कांग्रेस ने सभी जिला और ब्लाक इकाइयों को निर्देश दिए हैं कि बूथ विजय के लक्ष्य पर सर्वाधिक ध्यान दें। दिग्विजय सिंह भी इसी दिशा में काम कर रहे हैं। वे प्रतिदिन चार से पांच विधानसभा क्षेत्रों में कार्यकर्ता सम्मेलन करके यही बात दोहरा रहे हैं कि मतदान केंद्र पर सर्वाधिक ध्यान रहे। एक-एक मतदाता तक पहुंचकर उन्हें भाजपा सरकार की असफलताएं बताएं। चुनाव प्रचार अभियान में कांग्रेस इस बात पर विशेष जोर दे रही है कि राज्य में जब कमलनाथ के नेतृत्व में जब सरकार बनेगी तो महिला, युवा, किसान, एससी-एसटी, ओबीसी और कर्मचारियों के लिए क्या-क्या कदम उठाए जाएंगे। पार्टी मतदाताओं को बता रही है कि वचन पत्र में हर वर्ग के लिए प्रावधान रखे गए हैं। इस वचन पत्र को घर-घर तक पहुंचाने के लिए इंटरनेट मीडिया के सभी माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। यहीं काम वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी भोपाल-रायसेन, अरुण यादव निमाड़ अंचल, कांतिलाल भूरिया झाबुआ-अलीराजपुर, रतलाम, मंदसौर और अजय सिंह सीधी और आसपास के जिलों में कर रहे हैं।

मायावती के दोनों हाथों में लड्डू

शशिधर पाठक

बसपा प्रमुख मायावती के पास एक बार फिर सुनहरा मौका है। उनके दोनों हाथों में लड्डू है। एक तरफ एनडीए की नज़र उन पर है, तो दूसरी तरफ सोनिया गांधी भी अहमियत समझ रही हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव की खिचड़ी पक रही है। खिचड़ी की भनक सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को भी है। राजनीतिक वजूद के लिए बसपा को कम से कम 10-12 लोकसभा सीटें जरूरी हैं। ताकि दोनों राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियां उनकी सुनती रहें। वैसे भी बसपा के पास वोट ट्रांसफरिंग पॉवर है। लखनऊ में अंदरखाने की खबर है कि भाजपा के रणनीतिकार बसपा, सपा, कांग्रेस, रालोद और अपना दल (कृष्णा पटेल गुट) को साथ चलने से रोकना चाहते हैं। जबकि कांग्रेसी रणनीतिकारों के मुताबिक ऐसा तालमेल बना, तो केंद्र से भाजपा का पत्ता साफ होना तय है। राहुल गांधी के प्रिय सुनील कानूगोलू अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में व्यस्त हैं। कानूगोलू को भी इस आइडिया में दम दिखता है। वैसे प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में एक टीम भी दिल्ली में जुटी है। यह टीम 2024 के साथ-साथ 2047 तक भाजपा राज का रोडमैप बनाने में व्यस्त है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इंडिया गठबंधन पर बयान क्या दिया, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का फोन चर्चा में आ गया। लेकिन यह कम लोगों को पता है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद से खरगे समय समय पर नीतीश कुमार के संपर्क में रहते हैं। नीतीश कुमार के संपर्क में उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश भी रहते हैं। वहीं राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव लगातार 10 जनपथ से अपने रिश्ते की अहमियत बनाए हुए हैं। राहुल गांधी को उन्होंने ऐसे ही मटन बनाना नहीं सिखाया था। कहते हैं इस बहाने बड़ा

संदेश देने की कोशिश हुई थी। इतना ही नहीं लालू प्रसाद की झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी बड़ी इज्जत करते हैं। बिहार की राजनीति को समझने वाले कांग्रेस के एक नेता जी कहते हैं कि लालू यादव काफी बड़ी चीज हैं। उनके पास हमेशा एक कारगर राजनीति रहती है। इसलिए घबराने की कोई बात नहीं है। इसलिए 2024 में विपक्षी दलों का वहां से मिलकर चुनाव लड़ना तय है। नीतीश के बारे में पूछे जाने पर उनका कहना है कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं। साथ लड़ेंगे। यह तो राजनीति है जहां बयानबाजी चलती रहती है।

पांच राज्यों की चुनावी राजनीति में भाजपा जीत के लिए नए-नए समीकरण जोड़ने में लगी है। 13 नवंबर तक तक पार्टी के एजेंडे में मध्यप्रदेश नंबर वन पर है। 13 के बाद पूरा फोकस राजस्थान शिफ्ट हो जाएगा। ताकि 25 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले हर कसर पूरी हो जाए। बताते हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों राज्यों में माइक्रो मैनेजमेंट काफी बढ़ा दिया है। पार्टी ने इसी को ध्यान में रखकर प्रचार की रणनीति बनाई है। 6 नवंबर से इसमें भाजपा का आक्रामक प्रचार अभियान माहौल बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा। शिवराज की छवि के साथ भाजपा खड़ी नजर आ रही है। ग्वालियर चंबल संभाग में ज्योतिरादित्य सिंधिया को महत्व दे रही है तो दूसरे क्षेत्रों में अन्य क्षत्रपों के बीच भी सस्पेंस बना रखा है। इसी तरह की योजना राजस्थान में भी है। नोएडा में रहने वाले भाजपा के एक बड़े नेता ने बताया कि 2018 में वसुंधरा और शिवराज दोनों के नेतृत्व में पार्टी चुनाव हार गई थी। 2020 में सरकार बनी तो ज्योतिरादित्य के कारण। उन्होंने बताया यह भाजपा ही है, जो लोकतांत्रिक पार्टी है। सबको अवसर देती है। पार्टी का हित सबसे ऊपर है।

कांग्रेस में सब ठीक नहीं चल रहा है। राहुल गांधी के एक चुनाव प्रचार अभियान के रणनीतिकार सुनील कानूगोलू गजब की चीज हैं। उनके बारे में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार अलग राय रखते हैं। शिवकुमार के करीबी कहते हैं कि कानूगोलू की कारगर रणनीति और अहम सुझावों ने पार्टी को विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दिलाई, लेकिन डीके का नुकसान भी कर दिया। इसी तरह सुनील कानूगोलू ने पांच राज्यों के विधानसभा में भी अपनी राय दी है। चार राज्यों में तो सब ठीक है। लेकिन असली निशाना राजस्थान है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे दिल पर ले लिया है। गहलोत और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की खूब बनती है। लेकिन राहुल गांधी के अशोक गहलोत के समीकरण जरा कम बन पा रहे हैं। पिछले दिनों अशोक गहलोत ने सुनील कानूगोलू को खरी-खरी सुनाई थी। गोलू चाहते थे कि राजस्थान में चेहरे और टिकट बंटवारे में पार्टी उनकी राय मान ले। इसको लेकर अशोक गहलोत और राहुल गांधी के बीच में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को आना पड़ा था। फिलहाल अभी तो पूरा फोकस विधानसभा चुनाव पर है। चुनाव बाद गुलाबी नगरी जयपुर में राजनीति की कई पतंगे उड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सभी दलों में चुनाव दर चुनाव बढ़ती जा रही है बागियों की संख्या

ललित गर्ग

पांच राज्यों के विधानसभा से पहले अनेक राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं के बीच बड़ी उठापटक, खींचतान एवं चरित्रगत बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस ही आमने-सामने की स्थिति में हैं, लेकिन टिकट बंटवारे को लेकर इन दोनों ही दलों में दोनों ही राज्यों में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है। दोनों ही दलों में अपने आपको पार्टी का सर्वेसर्वा मानने वाले नेताओं की इस बार टिकट बंटवारे में दाल नहीं गली और वे अपने चेहतों को टिकट देने में नाकाम साबित हुए, जिससे दोनों ही दलों में भारी असंतोष एवं विद्रोह देखने को मिल रहा है। प्रदेश के शीर्ष नेताओं को भी टिकट न मिलने से बागी एवं बगावती स्वर उभर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि क्या अब चुनाव का टिकट पाना या उसका कटना ही नेताओं के जीवन-मरण का प्रश्न बन गया है? क्या पार्टी के प्रति बफादारी का गुब्बारा एक टिकट न मिलने की सूई से ही हवा शून्य हो गया है? एक प्रश्न और है कि टिकट क्या किन्हीं नेताओं की बपौती है, फिर बाकी कार्यकर्ताओं का क्या वजूद है जो सालों से पार्टी के लिये जी-जान लगाये होते हैं? क्या राजनीति अब सबसे ज्यादा लाभ और रौब का धंधा बन चुकी है? लोकतंत्र में जब मूल्य एवं सिद्धान्त कमजोर हो जाते हैं और सिर्फ निजी हैसियत को ऊंचा करना ही महत्वपूर्ण हो जाता है वह लोकतंत्र निश्चित रूप से कमजोर हो जाता है।

अफसोस, कि जिस जन की सेवा के लिए चुनाव टिकट रूपी एंट्री पास तैयार किया गया है, वह 'जन' पहले भी हतप्रभ था, आज भी है और शायद आगे भी रहेगा। क्योंकि आम मतदाता तो पहले भी ठगा जाता था, गुमराह किया जाता था। आज भी उसके साथ यही हो रहा है? टिकट की दौड़ के लिये सक्रिय होने एवं पांच साल में केवल चुनाव के समय नजर आने वाले उम्मीदवारों को दोनों पार्टियों ने टिकट न देकर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। राजनीति में ऐसे ही साहसिक एवं अभिनव प्रयोग की अपेक्षा है, ताकि राजनीति में प्रतिनिधित्व की पात्रता किन्हीं सीमित हाथों से बाहर आये एवं नये चेहरों को अपना हुनर दिखाने का अवसर मिले।

राजस्थान विधानसभा चुनावों के लिए नामांकन के आखिरी दिन अनेक चेहरों को निराशा हाथ लगी है। भाजपा की आखिरी लिस्ट आ चुकी है, लेकिन इस लिस्ट में केंद्रीय नेतृत्व ने वसुंधरा राजे को किनारे कर दिया है। भाजपा ने इस बार वसुंधरा राजे के कई समर्थकों के टिकट काट दिए हैं। इनमें अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी प्रमुख हैं और दोनों नेता ऐसे हैं जो पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इनके साथ ही पूर्व मंत्री एवं राजे के खास यूनुस खान का भी टिकट काट दिया गया है। राजपाल सिंह शेखावत और राव राजेन्द्र का टिकट भी पार्टी ने काट दिया है। कांग्रेस में भी ऐसे अनेक महत्वपूर्ण चेहरों को निराशा हाथ लगी है। टिकट न मिलने से पार्टी के इन वफादार सैनिकों के स्वरों में भी बगावत देखने को मिल रही है। निश्चित ही दोनों ही दलों में टिकट बंटवारे में आजमाये इन नये प्रयोगों का व्यापक असर देखने को मिलेगा। राजस्थान के अनेक राजनीतिक विश्लेषकों से चर्चा से यह तथ्य भी सामने आया है कि

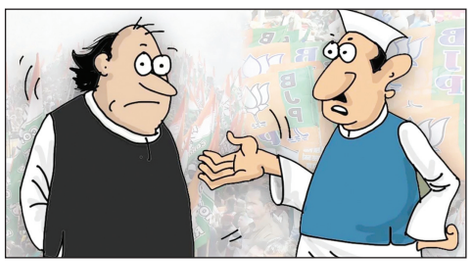

दलों में हो रहे इन बदलावों का नकारात्मक ही नहीं, सकारात्मक परिणाम भी सामने आयेगा।

चुनाव के समय राजनीतिक दलों में टिकट वितरण को लेकर असंतोष होना स्वाभाविक है। जो राजनीतिक कार्यकर्ता वर्षों मेहनत करे और टिकट वितरण के समय उसे दरकिनार कर दूसरे या किसी आयातित व्यक्ति को टिकट दे दिया जाए तो राजनीति में निष्ठा और समर्पण का पैमाना अपने आप ध्वस्त होने लगता है। वैसे भी हर पार्टी में एक सीट पर टिकट के एक से अधिक आकांक्षी होते हैं। दलों की संवैधानिक मर्यादा एवं सीमाएं हैं कि वे चुनाव में किसी एक को ही टिकट दे सकती हैं। ऐसे में बाकी को या तो पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार का समर्थन करना होगा या फिर दूसरे किसी दल से टिकट लेकर अथवा निर्दलीय चुनाव में खड़ा होना होगा। टिकट न मिलने वालों को अपनी नाराजगी प्रकट करने का अधिकार है, वे चाहें तो पार्टी हाई कमान और टिकट वितरणकर्ताओं के सामने खुलकर अपनी नाराजगी का प्रदर्शन कर मन को हल्का करें या अनैतिक विकल्प के तौर पर पार्टी में रहकर ही भितरघात कर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को हरवाकर अपनी उपेक्षा का बदला लें और अगले चुनाव में अपनी उम्मीदवारी का खाता खुला रखें। राजस्थान में ऐसे ही सीन बन रहे हैं, अब विरोध के प्राचीन तरीकों जैसे कि नारेबाजी, धरना प्रदर्शन से मीलों आगे जाकर शीर्ष नेताओं के घरों के सामने आत्मदाह करने, पार्टी दफ्तरों पर हमले, नेताओं के कपड़े फाड़ने, हाथापाई, सामूहिक इस्तीफे और टिकट कटने के बाद मातमी अंदाज में जार-जार आंसू बहाने की स्थितियां समाप्त हो गयी हैं। अब तो पार्टियों में विरोध प्रदर्शन का सबसे सशक्त हथियार निर्दलीय चुनाव लड़ना या भितरघात करना ही देखने को मिल रहा है। मानो सभी दलों में अनुशासनहीनता और अराजकता की एक अघोषित स्पर्धा चल रही हो, जिसमें हर असंतुष्ट अपने गिरोह के साथ दूसरे को पीछे छोड़ने की दबंगई में लगा है। ऐसा नहीं है कि आला नेताओं को कार्यकर्ताओं के इस तरह उग्र अथवा बागी होने का अंदाजा न हो। लेकिन पार्टियां चुनाव का टिकट बांटती हैं तो टिकट देने और टिकट काटने के उसके अपने पैमाने होते हैं। उनकी अपनी सीमाएं भी होती हैं।

टिकट बंटवारे में आलाकमान बहुत बारीकी से निर्णय लेता है, महीनों तक भीतर-ही-भीतर योग्य उम्मीदवार की पात्रता के संबंध में पार्टी की चलने वाली गंभीर विश्लेषण-जांच एवं अनुसंधान की गहरी भूमिका होती है, अब कोई धमक, सेवा एवं पैसा काम नहीं आता। यहां तक बड़े नेताओं के निजी संबंध भी अब कारगर नहीं रहे। एक-एक पात्र उम्मीदवार पर हर कोण से गंभीर रिपोर्ट तैयार होती है और वही टिकट बंटवारे का माध्यम बनती है। इसलिये अब बगावत एवं विद्रोह के उतने नुकसान भी नहीं देखने को मिलते, जितने पहले हुआ करते थे। पार्टी हित में शीर्ष नेतृत्व ऐसे बगावती स्वरों को शांत करने की पूरी कोशिश करता है। राजस्थान में अनेक टिकट वंचित उम्मीदवार छोटे दलों के टिकट पर या निर्दलयी चुनाव मैदान में उतरने का एलान कर चुके हैं। हालांकि, नाराजों को बिठाने और चुप कराने के लिए दोनों दलों में बड़े नेता साम-दाम-दंड-भेद सभी तरीके अपनाने में लगे हैं। लेकिन राजनीतिक कार्यकर्ता यह बखूबी जानता है कि बड़े नेताओं द्वारा उससे किए वादे भी ज्यादातर चुनावी वादों की तरह खोखले अथवा आधे-अधूरे होते हैं। साथ में यह भी सच है कि बड़े दलों में अब वो ऋषि एवं कद्दावर राजनेताओं का अभाव है, जिनके इशारों पर आक्रोश एवं विद्रोह शांत हो जाते थे। ऐसे दिग्गज नेताओं का नैतिक प्रभाव खत्म होने के बाद आजकल कार्यकर्ताओं को मनाने का फार्मूला मोटे तौर पर अगले चुनाव में टिकट के वादे, सत्ता में आने पर किसी पद की रेवड़ी, या फिर बात-बेबात उसकी पीठ थपथपाने, मंच से तारीफ के दो शब्द कहकर भावनात्मक शोषण करने या फिर धन के रूप में ही देखने को मिल रहा है। लेकिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ा सवाल तो राजनीति में बुनियादी नैतिकता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का है? लोकतंत्र में चुनाव टिकट की आकांक्षा रखना स्वाभाविक है, लेकिन उसे जीने-मरने का सवाल बना देना या उसे विसंगतियों एवं विडम्बनाओं का शिखर बना देना क्या संदेश देता है? दरअसल राजनीतिक व्यवस्था मूलतः लोकतंत्र को चलाने और इस तंत्र के असल मालिक लोक के जीवन को सुचारू और समृद्ध बनाने के लिए है, लोकतांत्रिक माफिया बनने के लिए तो कत्तई नहीं है।

दिवाली तक हर दिन शुभ मुहूर्त

धनतेरस पर बनेंगे एक साथ 4 राजयोग, अगले 7 दिनों में 14 शुभ योग

धनतेरस पर चार राजयोग ये अबूझ मुहूर्त जैसा

खरीदारी समेत हर शुभ काम के लिए धनतेरस को अबूझ मुहूर्त की तरह ही माना जाता है। इस बार धनतेरस पर शुभकर्तरी, वरिष्ठ, सरल और सुमुख नाम के चार राजयोग बन रहे हैं। साथ ही अमृत नाम का शुभ योग भी रहेगा।

इस तरह कुल पांच शुभ योग बनने से ये दिन विशेष मुहूर्त बन गया है।

इस दिन भगवान धन्वंतरि के साथ धन के स्वामी कुबेर की पूजा भी की जाती है।

अगर आप पुष्य नक्षत्र में कोई खरीदारी करने से चूक गए हैं तो अगले सात दिन में 14 बड़े शुभ योग बन रहे हैं। इनमें आप कोई भी सामान खरीद सकते हैं। नया बिजनेस या दुकान जैसी चीजें शुरू करना चाहते हैं, तो वो भी कर सकते हैं। 6 से 12 नवंबर यानी दीपावली तक हर दिन कोई ना कोई शुभ योग रहेगा।

इन सबमें सबसे शुभ मुहूर्त दीपावली के दो दिन पहले धनतेरस पर रहेगा। इस दिन 4 राजयोग और एक 1 शुभ योग बन रहा है, इस तरह 5 योगों का महासंयोग 10 नवंबर को रहेगा। धनतेरस पर वैसे भी सोना-चांदी और बर्तन खरीदने की परंपरा रही है। इस बार इन 5 योगों के कारण ये और भी खास हो जाएगी।

अब जानिए, कौन से शुभ योग बन रहे हैं जो योग रहेंगे उनमें शुक्ल, ब्रह्म, इंद्र, स्थिर, प्रीति, आयुष्मान, सौभाग्य, दामिनी, उभयचरी, वरिष्ठ, सरल, शुभकर्तरी गजकेसरी और सर्वार्थसिद्धि योग शामिल हैं।

इन शुभ योग में की गई खरीदारी और शुरुआत लंबे वक्त तक फायदा देने वाली रहेगी। इन शुभ योग में किए कामों में सफलता की संभावना और बढ़ जाती है।

6 से 12 नवंबर तक किस दिन क्या खरीद सकते हैं...

6 नवंबर, सोमवार: शुक्ल और गजकेसरी योग
इस शुभ संयोग में मिठाइयां, मोती से बने ऑर्नामेंट, सुगंधित चीजें, एक्वेरियम या पानी से जुड़ी सजावटी चीजें और महिलाओं से जुड़े सामानों की खरीदारी की जा सकती है।

7 नवंबर, मंगलवार: ब्रह्म और शुभकर्तरी योग
इस दिन बन रहे शुभ योग में इलेक्ट्रॉनिक सामानों की खरीदारी करना शुभ रहेगा। प्रॉपर्टी में निवेश के लिए भी ये दिन खास रहेगा।

8 नवंबर, बुधवार: इंद्र, दामिनी और स्थिर योग

इस दिन बन रहे तीन शुभ योग में ज्वेलरी, कपड़े और स्टेशनरी खरीदना शुभ होगा। शेयर मार्केट में निवेश करने और बिजनेस बढ़ाने के लिए भी ये दिन खास रहेगा।

9 नवंबर, गुरुवार: शुभकर्तरी और उभयचरी योग

फर्नीचर, मशीनरी और व्हीकल खरीदारी के लिए ये दिन शुभ रहेगा, क्योंकि इस दिन दो राजयोग बन रहे हैं। इन शुभ योग के चलते नए कामों की शुरुआत के लिए भी दिन अच्छा रहेगा।

10 नवंबर, शुक्रवार: शुभकर्तरी, वरिष्ठ, सरल, सुमुख और अमृत योग

इस दिन धनतेरस होने से ज्वेलरी, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक आइटम और हर तरह की खरीदारी की जा सकेगी।

व्हीकल खरीदारी का विशेष मुहूर्त इस दिन बन रहा है। 5 शुभ योग बनने से नई शुरुआत के लिहाज से भी अहम दिन रहेगा।

11 नवंबर, शनिवार: प्रीति और सर्वार्थसिद्धि योग

इन शुभ योग में किया काम सफलता देने वाला माना गया है, इसलिए व्हीकल और मशीनरी खरीदारी या कारखाना शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। इस दिन हर तरह की खरीदारी की जा सकती है।

12 नवंबर, रविवार: आयुष्मान और सौभाग्य योग

लक्ष्मी पर्व होने से इस दिन हर तरह की नई शुरुआत, खरीदारी, निवेश और लेनदेन करना बेहद शुभ रहेगा। इस दिन बन रहे शुभ योग में खासतौर से सोना-चांदी, ज्वेलरी और बर्तनों की खरीदारी कर सकते हैं।

महिलाओं के पीरियड्स और ब्लड प्रेशर के लिए फायदेमंद है पैरों की बिछिया!

कई बार पौराणिक मान्यताओं को लोग एक प्रथा या प्राचीनतम फैशन के रुप में देखते हैं।आधुनिकता के इस दौर में हम अपने रीति रिवाजों और उनसे जुड़े तथ्यों को भूलते जा रहे हैं और इसे सिर्फ फैशन तक सीमित कर देते हैं। हिंदू धर्म में सोलह श्रृंगार की विशेष मान्यता है इस 16 श्रृंगार में माथे की बिंदिया से पैरों में पहने जानी वाली बिछिया तक शामिल है। खास बात यह है कि इन सभी 16 श्रृंगारो का अपना अलग -अलग महत्त्व है

भारतीय वैदिक संस्कृति अनुसार महिलाओं का सोलह श्रृंगार में से 15वा श्रृंगार चांदी की बिछिया मानी गई है, जो ना सिर्फ़ शारीरिक सौंदर्यता बढ़ाती है बल्की इसके कई ज्योतिष और वैज्ञानिक लाभ भी है।

बिछिया पहनने के वैज्ञानिक लाभ।

1.यूट्रेस रहता है हेल्दी।

वैज्ञानिक रिसर्च से पता चलता है कि पैरों में बिछिया पहनने से महिलाओं का यूट्रेस हेल्दी रहता है। महिलाएं पैर के अंगूठे की दूसरी उंगली पर बिछिया पहनती हैं इसी उंगली में एक विशेष नस होती है जो सीधे महिला के यूट्रस से जुड़ी होती है। जब अंगूठे के बगल वाली उंगली पर दवाब पड़ता है तो इससे यूट्रेस हेल्दी रहता है।

2.पीरियड्स को करती है रेगुलर।

इस नस का संबंध सीधे यूट्रेस से होता है ऐसे में ब्लड सरकुलेशन बेहतर होने की वजह से महिलाओं को पीरियड्स दौरान समस्या नहीं आती। यह पीरियड्स रेगुलर करने में मदद करता है

3.ब्लड प्रेशर को करता है कंट्रोल।

इस नस का सीधा संबंध गर्भाशय से होता है इस लिए जब पैरों के अंगूठे की तरफ दवाब पड़ता है तो ये ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करती है। ब्लड प्रेशर नियंत्रित होने से गर्भाशय तक खून सही तरीके से पहुंच पाता है।

बिछिया पहनने के ज्योतिष लाभ।

1.बिछिया सुहाग की निशानी के साथ ही शरीर में ऊर्जा उत्पन करती है क्यों की चांदी सुचालक धातु है जो पृथ्वी की ऊर्जा को शरीर तक पहुंचने का काम करती है।

2.चांदी चंद्र ग्रह के लिए पहनी जाती है जिससे चांदी की बनी बिछिया शारीरिक शीतलता एवम को मन की शांति और मन की चंचलता दूर करती है।

3.चंद्र की कृपा के लिए चांदी की बनी बिछिया पहनी जाती है , चंद्र जिससे महिलाओं के उदर रोग एवम रक्त संबंधित रोग भी दूर करने में सहायक है।

विछिया पहनने संबंधी नियम।

1.नई बिछिया रविवार को गाय के कच्चे दूध में धुल कर ही धारण करना चाहिए।

2. सुहागिन महिलाओं को कभी पैर की अंगुलिया खाली नही छोड़ना चाहिए अन्यथा पति के भाग्य में कमी आती है।

3. बिछिया जोड़े में पहने अर्थात एक पैर में दो अथवा पांच भी पहनी जा सकती।

सुखी और लंबी आयु के लिए वैदिक पद्धति अनुसार मनाएं जन्मदिन

वैदिक परम्परा के अनुसार जन्मदिन के शुभ अवसर पर दीप जलाने चाहिएं, ताकि आगे का जीवन मंगलमय रहे। जितने वर्ष की आयु पूर्ण हो चुकी हो, उतने ही दीपक भगवान के सामने जलाने चाहिएं, इससे वर्ष भर अनिष्टों से रक्षा होती है। जन्मदिन के दिन जितने वर्ष पूर्ण हो चुके हों, उतनी संख्या में छोटे दीए जलाएं और आने वाले वर्ष की मंगलकामना के लिए एक बड़ा दीपक जलाना चाहिए।

अगर किसी बच्चे का नौवां जन्मदिन है तो थोड़े-से चावल लेकर उन्हें हल्दी, कुमकुम आदि से रंगकर स्वास्तिक बना लें। उस स्वास्तिक पर नौ छोटे-छोटे दीए रख दें और दसवें वर्ष की शुरुआत के प्रतीक रूप एक बड़ा दीया जलाएं।

जन्मदिन पर वर्जित कार्य

जन्मदिन पर नाखून तथा बाल नहीं कटवाने चाहिएं। मांस-मदिरा, तामसिक वस्तुओं का सेवन भी न करें। कलह, हिंसा, लंबी यात्रा, क्रोध, व्यर्थ वार्तालाप, जुआ आदि नकारात्मक कृत्यों से परहेज करना चाहिए।

जन्मदिन पर अवश्य करें ये कार्य

अपने से बड़े-बुजुर्गों, माता-पिता, दादा-दादी का शुभाशीष ग्रहण करना सदैव कल्याणकारी होता है। जन्मोत्सव पर अधिक से अधिक लोगों का आशीर्वाद अवश्य लेना चाहिए।

जन्मदिन की प्रातःकाल उठकर हाथ-मुंह धोकर एवं नित्यकर्म से निवृत्त होकर सर्वप्रथम अपने इष्टदेव का ध्यान करके मन ही मन प्रणाम करें। नवीन वस्त्र धारण कर गणेश जी का स्मरण करें, जन्म नक्षत्र के अधिपति का पूजन कल्याणकारी रहता है।

युधिष्ठिर और वेद व्यास की कथा की सीख

दूसरों की जरूरतें पूरी करना ही दान है, इसलिए दान पूजा-पाठ और तप से भी श्रेष्ठ है

महाभारत का एक प्रसंग है। एक दिन युधिष्ठिर ने वेद व्यास से पूछा कि दान बड़ा है या पूजा-पाठ और तपस्या? व्यास जी ने युधिष्ठिर को अपनी बात समझाने के लिए एक कथा सुनानी शुरू की। व्यास जी ने कहा कि एक मुद्गल नाम के महर्षि थे, वे भिक्षा मांगकर जीवन चलाते थे। भिक्षा में उन्हें आटा, खाने-पीने की चीजें, हवन सामग्री मिल जाती थीं। दान में मिली चीजों से ही वे खाना बनाते और पूजा-पाठ करते थे। कभी-कभी ऐसे दिन भी आते थे, जब उन्हें भिक्षा नहीं मिल पाती थी। अधिकतर अमावस्या और पूर्णिमा पर ऐसा हुआ करता था। इन दोनों तिथियों पर ऋषि मुद्गल से मिलने दुर्वासा ऋषि आया करते थे। दुर्वासा मुनि को खाना खिलाने के बाद उनके लिए कुछ बचता नहीं था तो उन्हें भूखे रहना पड़ता था।

एक दिन फिर ऐसा ही हुआ तो दुर्वासा मुनि ने मुद्गल ऋषि से पूछा कि आप मुझे खाना देकर खुद भूखे रहते हैं, लेकिन मैंने कभी भी आपके चेहरे पर भूख के लक्षण नहीं देखे हैं, क्या आपको भूख नहीं लगती है? मुद्गलजी ने कहा कि मेरे लिए दान का महत्व सबसे ज्यादा है। अन्न दान तो सर्वश्रेष्ठ होता है, जब आपकी भूख शांति होती है, तब मैं भी तृप्त हो जाता हूं। मैं दान पुण्य कमाने के लिए नहीं करता हैं, मैं सिर्फ दूसरों की मदद करना चाहता हूं।

व्यास जी की सीख

व्यास जी ने युधिष्ठिर को आगे समझाया कि तपस्या स्वयं के लिए की जाती है, लेकिन दान हमेशा दूसरों की भलाई के लिए किया जाता है। इसलिए दूसरों की आवश्यकता की पूर्ति करना ही दान है। इसलिए दान तप से भी श्रेष्ठ है। जब हम दान करते हैं तो प्रकृति भी हमें इसका शुभ फल किसी न किसी रूप में जरूर लौटाती है।

दीपावली पर आर्थिक परेशानी का कारण बनती हैं ये गलतियां

दीपावली के दिन ब्रह्म मुहूर्त से घर में लक्ष्मी पूजन की तैयारीयां आरंभ हो जाती हैं, ताकि देवी लक्ष्मी के स्वागत में कोई कमी न रह जाए। शास्त्रों के अनुसार कुछ ऐसी गलतियां हैं, जो जाने-अनजाने हो जाती हैं। जिससे घर में अलक्ष्मी का प्रवेश हो जाता है। यहां तक की चोरी और आर्थिक परेशानी का सामना भी करना पड़ता है।

शास्त्रों में कहा गया है जिस घर में झाड़ू का अपमान होता है, उस घर में सदैव आर्थिक हानि होती रहती है। झाड़ू घर में लक्ष्मी जी का सूचक है क्योंकि यह दरिद्रता को घर से बाहर निकालता है। इससे घर में सुख-समृद्धि व धन-दौलत आती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार झाड़ू और लक्ष्मी का गहरा रिश्ता बताया गया है। सही प्रकार से झाड़ू लगाने से घर के कई वास्तु दोष दूर होते हैं। साथ ही, इनसे जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो महालक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त की जा सकती है। दीप पर्व पर झाड़ू को घर की छत पर खुले में रखने से घर में चोरी का भय बना रहता है।

गाय या अन्य किसी भी जानवर को झाड़ू से मार कर घर से न भगाएं, इससे महालक्ष्मी आपके घर से रूष्ट होकर चली जाती हैं।

घर की गृहलक्ष्मी यानी पत्नी, बहू, बेटी और बहनों को दीपावली के दिन अपशब्द न कहें।

घर की महिलाओं को वस्त्र, गहने आदि उपहार में जरूर दें, इससे देवी लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

लक्ष्मी पूजन से पूर्व और सूर्यास्त के वक्त बाहरी व्यक्ति को किसी भी तरह की भेंट न दें। ऐसा करने से धन की हानि होती है।

वैसे तो सूर्यास्त के बाद घर में कभी भी झाड़ू नहीं लगाना चाहिए लेकिन दीपावली पर तो सुबह घर की साफ-सफाई करने के बाद झाड़ू को ऐसे स्थान पर रख दें, जहां से किसी की सीधी दृष्टि उस पर न पड़े। दीपावली से अगले दिन ही उसे निकालें और घर साफ करें।

दीपावली पर जब भी घर से बाहर जाएं, वापसी पर कुछ लेकर लौटें (खाने-पीने का सामान या घर में उपयोग होने वाली कोई भी वस्तु)। खाली हाथ घर में प्रवेश न करें।

सूर्यास्त के बाद चौराहे, तुलसी, मंदिर और घर में जितने भी जलस्रोत हैं उनके पास दीपक जलाएं।

वैसे तो सारी रात जागरण कर श्री लक्ष्मीनारायण का ध्यान करना चाहिए, न कर सकें तो मध्यरात्रि से पूर्व न सोएं।

सारी रात घर के मुख्य द्वार और मंदिर में दीपक जलाएं।

दीपावली पर भूलकर भी इस दिशा में ना रखें दीपक वरना रूठ जाएंगी मां लक्ष्मी!

पौराणिक कथाओं के अनुसार, श्रीराम रावण का वध करने के पश्चात जब अयोध्या लौटे थे तो सभी ने खुशी में अपने अपने घर पर घी के दीये जलाए थे। इसीलिए दशहरा के 20 दिनों बाद दिवाली मनाई जाती है। दिवाली के अवसर पर मां लक्ष्मी एवं भगवान श्रीगणेश जी की पूजा की जाती है। इस दिन सभी दीपक जलाते हैं और घर को दीपकों से सजाते हैं।

दीपों के पर्व दिवाली पर दीया जलाना बेहद शुभ माना गया है। इस अवसर पर दीपक किस दिशा में और किस तरह जलाया जाता है इसका भी बेहद महत्व है। पंचांग के अनुसार हर वर्ष कार्तिक मास की अमावस्या पर दीवाली मनाई जाती है। दीपावली दीपों का त्योहार है एवं दीवाली के दिन सभी दीपक जलाते हैं। परंतु, दीया जलाने से जुड़े भी बहुत से नियम हैं जिनका ध्यान रखा जाता है। दीया जलाने की सही दिशा का भी ध्यान रखना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर माता मां लक्ष्मी रूठ सकती हैं। जानिए दीया जलाने से जुड़ी बातें जिन्हें ध्यान में रखना जरूरी होता है।

दीपक जलाने का सही नियम

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मान्यता है कि दिवाली पर दक्षिण दिशा में दीप जलाना शुभ नहीं माना गया है। इस दिशा को यमराज की दिशा मानते हैं एवं कहते हैं इस दिशा में दीप जलाना शुभ नहीं माना जाता है। दीपक जलाने की सबसे अच्छी दिशा उत्तर पूर्व दिशा या ईशान कोण मानी गई है। ईशान कोण की तरफ दीये का मुख करके रखा जा सकता है। दिवाली के दिन सबसे पहले घर के मंदिर में माता मां लक्ष्मी के समक्ष दीपक जलाना शुभ माना गया है। अगर हम ऐसा नहीं करते हैं तो माता मां लक्ष्मी रूठ सकती हैं।

यहां रखें दीपक

तुलसी के पौधे के पास दीया रखना शुभ होता है। ऐसा करने पर घर में सुख एवं खुशहाली आती है एवं माता मां लक्ष्मी की कृपा हमें मिलती है। इसके बाद रसोई के अंदर दीपक रखना चाहिए। ऐसा करने पर माता मां अन्नापूर्णा का आशीर्वाद हमें मिलता है। यहां दक्षिण-पूर्वी कोने पर भी दीपक रखा जा सकता है। दीवाली पर लोग मोमबत्ती एवं बिजली वाले दीये घर में लगा देते हैं। पर हमें दीये तेल वाले ही जलाने चाहिए। तेल या घी से जले दीये ही शुभ माने जाते हैं। दीपक की गोल बत्ती की जगह लंबी बत्ती लगाएं। इसे शुभ माना गया है। माँ महालक्ष्मी-कुबेर को प्रसन्न करने के लिए घर की तिजोरी या पैसे रखने की जगह पर दीपक जलाया जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि सदा बनी रहती है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

हवा, पानी और जमीन...हर जगह घोटाला करती है कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश के बड़वाह में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सरकार जहां-जहां और जब-जब आई है, वहां-वहां भ्रष्टाचार, अत्याचार, अनाचार... ये सारे कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस रहेगी, वहां भ्रष्टाचार रहेगा, वहां अकर्मण्यता रहेगी, वहां अत्याचार होगा और जहां भाजपा सरकार रहेगी वहां विकास होगा। उन्होंन कहा कि आप लोगों का उत्साह देखकर यह स्पष्ट हो गया है कि आप सभी ने भाजपा को विजयी बनाने के लिए तय कर लिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस पार्टी का मतलब है- लूट, धोखा, छलावा, विकास को रोकना, परिवारवाद और वंशवाद को बढ़ावा देना। भाजपा का मतलब है- विकास, तरक्की, लोगों को उनका अधिकार दिलाना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हवा, पानी और जमीन...हर जगह घोटाला करती है, यानी, तीनों लोक में घोटाला करती है।

जब मालिक ही भ्रष्ट है तो भूपेश बघेल कैसे पीछे रह सकते हैं

भोपाल। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने छत्तीसगढ़ में हुए महादेव ऐप के काले कारोबार को लेकर कांग्रेस पार्टी पर बेहद गंभीर व्यंग्य किया है। अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस तो हमेशा काले धन के पक्ष में रही है और वो खुद काले धन का प्रयोग करती है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पत्रकारों से बात करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, कांग्रेस ने हमेशा काले धन का इस्तेमाल किया है, उसका काम ही काले धन से होता है। कांग्रेस 10 सालों तक केंद्र की सत्ता में रही। उस दौरान 2जी घोटाला, सीडब्ल्यूजी घोटाला, कोयला घोटाला, पनडुब्बी घोटाला और अगस्ता वेस्टलैंड और हेराल्ड जैसे कई घोटाले हुए हैं। उन्होंने इसी बात में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा, अब जब मालिक ही भ्रष्ट है तो भला छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कैसे पीछे रह सकते थे।

राजद ने तेजस्वी यादव को बताया भावी मुख्यमंत्री

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के जन्मदिन, जो 9 नवंबर को पड़ता है, से पहले राजद कार्यकर्ताओं ने बिहार के पटना में उनके आवास के बाहर उन्हें भावी मुख्यमंत्री बताते हुए पोस्टर लगाए। विशेष रूप से, राजद और सत्तारूढ़ जदयू महागठबंधन नामक गठबंधन में भागीदार हैं। पोस्टर ऐसे समय लगाए गए हैं जब बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू सुप्रीमो नीतीश कुमार कथित तौर पर इंडिया ब्लॉक से खुश नहीं हैं, जिसका गठन 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबला करने के लिए किया गया था। राजद कार्यकर्ता लगातार तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने की मांग करते रहते हैं। इसी कड़ी में यह पोस्टर एक बार फिर से नीतीश कुमार के लिए असमंजस की स्थिति पैदा कर सकता है। इस बात की चर्चा थी लगातार होती है कि तेजस्वी को सीएम बनाने की डील रखने के बाद ही राजद और जदयू एक साथ आए थे।

दो सीट पर चुनाव लड़ेंगे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रेवंत रेड्डी

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने सोमवार को 16 उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की। खास बात यह है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को पार्टी ने दो सीटों पर चुनाव लड़ाने का फैसला किया है। रेवंत रेड्डी अब कामारेड्डी सीट से तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को चुनौती देंगे। इसके अलावा रेवंत रेड्डी कोडंगल विधानसभा सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं। वर्तमान में वह मल्काजगिरी संसदीय क्षेत्र से सांसद भी हैं। तीसरी सूची में कांग्रेस ने पहले घोषित दो सीटों पर उम्मीदवार बदल दिए हैं। आदे गजेंदर अब वनेला अशोक की जगह बोथ-एसटी सीट से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, तुडी मेघा रेड्डी को वानापर्थी सीट से मैदान में उतारा गया है। कांग्रेस ने पहले इस सीटे से गिल्लेला चित्रा रेड्डी को टिकट दिया था। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को सत्ता से हटाने के लिए एडी-चोटी का जोर लगा रही कांग्रेस 116 सीटों पर उम्मीदवार तय कर चुकी है।

भाजपा ने तेलंगाना के लिए जारी की चौथी सूची

हैदराबाद। तेलंगाना में भाजपा ने उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की है। इसमें 12 प्रत्याशियों के नाम का एलान है। जहां पार्टी ने चेन्नूर सीट से दुर्गम अशोक को उम्मीदवार बनाया है, तो वहीं सिद्दीपेट से दूदी श्रीकांत रेड्डी को मौका दिया गया है। इसके अलावा मुनुगोडे सीट से चलमल्ला कृष्णा रेड्डी पार्टी के उम्मीदवार होंगे। गौरतलब है कि इससे पहले तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने दो नवंबर को 35 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। इसमें कई बड़े नामों को मौका दिया गया। भाजपा की तरफ से जिन बड़े नामों को मौका दिया गया है, उनमें लाल बहादुर नगर से सामा रंगा रेड्डी, मेडक से पंजा विजय कुमार, मुशीराबाद से पूसा रेड्डी, सनथनगर से मारी शशिधर रेड्डी, हुजूरनगर से चल्ला श्री लता रेड्डी शामिल हैं। तेलंगाना के लिए भाजपा की दूसरी सूची 22 अक्तूबर को आई थी। इस लिस्ट में 52 उम्मीदवारों का एलान किया गया था। तेलंगाना भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और सासंद बंदी संजय कुमार को पार्टी ने करीमनगर सीट से उम्मीदवार बनाया।

मध्यप्रदेश में बोले प्रधानमंत्री- हम जो कहते हैं, वो डंके की चोट पर पूरा करके दिखाते हैं

कांग्रेस का इतिहास गरीबों से झूठ बोलने का रहा : मोदी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मध्य प्रदेश के सीधी में जोरदार प्रचार किया। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र में हमसे पहले 10 वर्ष तक कांग्रेस ने सरकार चलाई। लेकिन उसमें उसने गरीब और मध्यम वर्ग को लूटने का ही काम किया था। उन्होंने दावा किया कि आपके सेवक मोदी ने करीब 10 साल जो सरकार चलाई है, उसमें पूरी लगन से कार्य किए हैं। इन 10 वर्षों में घोटाले बंद हुए हैं, गरीब और मध्यम वर्ग की बचत हुई है, उन्हें अधिक सुविधा मिली है। उन्होंने कहा कि टेलीकॉम घोटाला और कोयला घोटाला करके कांग्रेस ने आपके लाखों-करोड़ रुपये लूट लिए। जबकि भाजपा सरकार में वो लाखों करोड़ रुपये के घोटाले बंद हो चुके हैं। जो पैसा घोटालों से हम बचा रहे हैं, वो पैसा हम गरीब और मध्यम वर्ग के हित में लगा रहे हैं।

मोदी ने कहा कि गरीब कल्याण अन्न योजना पर अब तक केंद्र सरकार 2 लाख करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। इससे 80 करोड़ देशवासियों को कोरोना के संकटकाल से लेकर अब तक मुफ्त राशन सुनिश्चित हुआ, गरीब के घर का चूल्हा जलता रहा। ये मोदी की गारंटी है कि देश का कोई भी गरीब परिवार भूखा नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि इसलिए आप सबके आशीर्वाद से अब हमने मुफ्त राशन की इस योजना को आने वाले 5 साल के लिए बढ़ाने का निश्चय कर लिया है। गरीब का पैसा गरीब के पास जाए, उसके लिए खर्च हो और कोई बिचौलिया बीच में उस पैसे को लूट न पाए, यही मोदी की विशेषता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश भर के गरीब परिवारों को अपना पक्का घर मिले, ये गारंटी भी मोदी ने दी है। इस पीएम आवास योजना पर अभी तक 4 लाख करोड़ रुपये सरकार खर्च कर चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास गरीबों से झूठ बोलने का रहा है। कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं, युवाओं से भी झूठ बोला और किसानों से भी कर्जमाफी का झूठा वादा किया। उन्होंने कहा कि भाजपा

सरकार जो कहती है, वो हम डंके की चोट पर पूरा करके दिखाते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत हम किसानों के खाते में पैसा जमा कर रहे हैं। इस योजना के तहत अब तक 2 लाख 60 हजार करोड़ रुपये सीधे किसानों के खातों में जमा किए जा चुके हैं। इस योजना के 20 हजार करोड़ रुपये स्क्के किसानों के खातों में भी गए हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाओं के जो भी लाभार्थी हैं, उनमें से अधिकतर हमारे दलित, पिछड़े और आदिवासी परिवार हैं। कांग्रेस के लंबे शासन काल में सबसे बुरी स्थिति दलित और आदिवासी बस्तियों की ही थी।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना का सबसे अधिक लाभ हमारे गरीब और दलित भाई बहनों को ही हुआ है। भाजपा सरकार शत-प्रतिशत बस्तियों को सड़क से जोड़ने के लक्ष्य के बहुत करीब है। उन्होंने कहा कि अनेक दशकों तक देश में पंचायत से लेकर संसद तक कांग्रेस का ही झंडा था, कांग्रेस की ही सरकारें थीं। लेकिन आज गिनती के कुछ राज्यों में ही इनकी सरकार बची है। इनका ऐसा पतन इसलिए हुआ, क्योंकि इनका नारा रहा है - गरीब की जेब साफ और काम हाफ। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने केवल उन्हीं को आगे बढ़ाया, जो दिल्ली दरबार में हाजिरी लगाते थे। एससी, एसटी, ओबीसी समाज के प्रतिभाशाली नेतृत्व को कांग्रेस ने कभी उभरने नहीं दिया। इनकी यही दरबारी मानसिकता है, जिसके कारण ये लोग दिन-रात मोदी को गाली देते रहते हैं। मोदी को गाली देते-देते ये पूरे ओबीसी समाज को गालियां देने लगे हैं।

कांग्रेस ने विश्वासघात के सिवाय कुछ नहीं दिया : प्रधानमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक ओर जहां पहले चरण के लिए वोट डाले जा रहे हैं वहीं, सूरजपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा का संकल्प पत्र है, दूसरी तरफ कांग्रेस का झूठ का कारोबार। आप सभी को कांग्रेस ने विश्वासघात के सिवाय कुछ नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के युवाओं के सपने भी पूरे नहीं किए। इन्होंने तो महादेव के नाम पर भी घोटाला कर दिया। महादेव सट्टेबाजी घोटाले की चर्चा आज देश-विदेश में हो रही है। कांग्रेस ने अपनी तिजोरी भरने के लिए आपके बच्चों से सट्टेबाजी करवाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने ही अटल जी के नेतृत्व में आप सभी के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ का निर्माण किया था। इसलिए आज पूरा छत्तीसगढ़ कह रहा है- भाजपा ने बनाया है, भाजपा ही संवारेगी। आज हर तरफ एक ही गूंज है- भाजपा आवत है। मोदी ने कहा कि मंगलवार को छत्तीसगढ़ में पहले चरण का चुनाव भी हुआ, मुझे मिली खबर के अनुसार बड़े उत्साह और उमंग के साथ भारी मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि भारत में हमारे आदिवासी भाई-बहनों की आबादी 9-10 करोड़ के आसपास है। लेकिन आजादी के बाद, दशकों तक कांग्रेस के लिए आदिवासियों का कोई वजूद ही नहीं था, उन्हें उनके नसीब पर छोड़ दिया गया था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने कभी आपकी चिंता नहीं की, आपके बच्चों के बारे में नहीं सोचा। जबकि भाजपा ने हमेशा आदिवासी कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज के लिए केंद्र सरकार का बजट हमने 5 गुना बढ़ा दिया है।

गहलोत सरकार सबसे भ्रष्ट, राजस्थान में गृहमंत्री का तंज

लाल रंग देखकर भड़क जाते हैं मुख्यमंत्री : शाह

जयपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजस्थान के कुचामन में एक जनसभा में तंज कसते हुए कहा कि लाल रंग देखकर मुख?यमंत्री अशोक गहलोत भड़क जाते हैं। उन्हें लाल रंग में लाल डायरी ही नजर आती है और कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि विगत पांच साल में गहलोत सरकार ने राजस्थान को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। गहलोत सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। शाह ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी न देश को सुरक्षित रख सकती है, न देश को समृद्ध कर सकती है। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत के प्रशंसक उन्हें जादूगर कहते हैं वो जादूगर तो है ही...इन्होंने जादूकर राजस्थान में बिजली गुल कर दी। स्वास्थ्य की सुविधाएं को धुमिल करने का काम अशोक गहलोत ने किया। रोजगारी और कानून-व्यवस्था भी गुम कर दी।

शाह ने कहा कि राजस्थान की भूमि सदियों से सम्मान और गौरव की भूमि रही है। जिसने मुगलों की आंधी के सामने डटकर मुकाबला किया और उनको रोकने का काम किया। राजस्थान की भूमि ने वीरता की कई कहानियां गढ़ी हैं। लेकिन 5 साल में गहलोत सरकार ने इस वीर भूमि को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने दावा किया कि गहलोत ने यहां खनन विभाग में 66 हजार करोड़ का घोटाला किया। उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार में घोटाले इस हद तक बढ़ गये हैं कि जांच करने वाले भी कहते हैं कि जहाँ हाथ डालते हैं वहीं घोटाला मिलता है। उन्होंने कहा कि गहलोत जी आपको शर्म आनी चाहिए, आप जिस सचिवालय में बैठते हैं, वही आपकी नाक के नीचे से 2.5 करोड़ रूपये और किलो में सोना जब्त होता है। ऐसी घटना देश में और कहीं नहीं हुई। गृह मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार में अवैध खनन इतना बढ़ गया कि एक संत को भूमि की रक्षा के लिए अपनी जान तक देनी पड़ी, उसके

बाद भी गहलोत साहब की नींद तक नहीं खुली।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग को नरेंद्र मोदी का जवान बताते हुए कटाक्ष किया और कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं वहां पहले प्रचार के लिए इन एजेंसियों को भेजते हैं और फिर जाकर भाषण देते हैं। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री अब गरीबों के बारे में सोच रहे हैं क्योंकि चुनाव आ रहे हैं। खरगे ने प्रधानमंत्री द्वारा मुफ्त राशन योजना को पांच साल के लिए बढ़ाने की घोषणा के कुछ दिन बाद ही यह कटाक्ष किया है। खरगे ने मोदी सरकार पर गरीबों को परेशान करने और अडाणी जैसे अपने उद्योगपति दोस्तों का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, बड़े बड़े कारखानों में.. जो लोग काम करते है, वो गरीब करते हैं..आज अनुसूचित जाति को जो आरक्षण मिलता है.. अनुसूचित जनजाति को जो आरक्षण मिलता है.. पिछड़ी जाति को जो आरक्षण मिलता है, उसे बंद कराने के लिए ये बड़े बड़े सरकारी कारखाने को एक-एक कर बीमार कर रहे हैं.. बीमार करने वाले नेता लोग देश की क्या भलाई करते है।'

खेल
प्रमुख समाचार

नीदरलैंड के खिलाफ भारत जीते तो बनेगा बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। विजयरथ पर सवार टीम इंडिया अब रविवार को नीदरलैंड से भिड़ेगी। यह भारत का आखिरी लीग स्टेज मैच होगा। यह राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेले जा रहे इस विश्व कप का भी आखिरी लीग स्टेज मैच होगा। इसके बाद सेमीफाइनल के मुकाबले खेले जाएंगे। भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले ही सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी है, जबकि दो स्थानों के लिए फिलहाल चार टीमों के बीच जंग है। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सेमीफाइनल में पहुंचने की जंग है। अब यह देखने वाली बात होगी कि इन सब में से कौन सी टीम अंतिम चार में जगह बना पाती है।

हालांकि, नीदरलैंड के खिलाफ अगर टीम इंडिया जीतती है तो एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम करेगी। भारतीय टीम ने अब तक आठ मैच जीते हैं और नौवें जीत के साथ ही 20 साल पुराना अपना एक रिकॉर्ड तोड़ देगी। दरअसल, भारत के नाम अब तक किसी एक विश्व कप में लगातार सबसे ज्यादा आठ मैच जीतने का रिकॉर्ड है। ऐसा उन्होंने 2023 से पहले 2003 में किया था। हालांकि, 2003 में भारत को नौवें मैच में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। इस बार टीम इंडिया के पास अपने उस रिकॉर्ड से आगे निकलने का मौका है।

2023 विश्व कप में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। टीम इंडिया ने राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेले जा रहे इस विश्व कप में अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया, फिर अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका को हराया। अब उनका मैच नीदरलैंड से बंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में है। इस मैच में विराट कोहली वनडे में शतकों का अर्धशतक लगाने की भी कोशिश करेंगे और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 16 अंक फिसला निफ्टी 19,400 पर

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को कारोबार उतार-चढ़ाव भरा रहा और बीएसई सेंसेक्स ट्रेडिंग के अंतिम समय तक हरे और लाल निशान के बीच झूलता रहा। हालांकि, अंत में सेंसेक्स 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ लगभग सपाट बंद हुआ। बाजार के 13 प्रमुख सेक्टर में से 9 में गिरावट आई। हाई वेटेज वाले फाइनेंशियल सेक्टर में 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित, बीएसई सेंसेक्स 16.29 अंक या 0.03 प्रतिशत गिरकर 64,942.4 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 65 हजार के स्तर को पार करते हुए 65,021.29 अंक तक और नीचे में 64,638 अंक तक फिसल गया था। इसी तरह, व्यापक एनएसई इंडेक्स का निफ्टी-50 भी 8.75 अंक या 0.05 प्रतिशत की गिरावट लेकर 19,403 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी की 30 कंपनियों के शेयर हरे जबकि 20 के शेयर लाल निशान में बंद हुए।

देश की स्टील मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी 16.1 करोड़ टन पार

नईदिल्ली। देश की इस्पात विनिर्माण क्षमता 16.1 करोड़ टन को पार कर चुकी है और उद्योग लगातार वृद्धि की ओर अग्रसर है। इस्पात सचिव नागेंद्र नाथ सिन्हा ने मंगलवार को यह बात कही। राष्ट्रीय इस्पात नीति के अनुसार, भारत का 2030 तक 30 करोड़ टन इस्पात विनिर्माण क्षमता स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। सिन्हा ने राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय इस्पात संघ (आईएसए) के चौथे इस्पात सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''हम पहले ही 16.1 करोड़ टन क्षमता पार कर चुके हैं। इसमें ब्लास्ट फर्नेस-बेसिक ऑक्सिजन फर्नेस (बीएफ-बीओएफ) के जरिये 6.7 करोड़ टन, इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) से 3.6 करोड़ टन और इंडक्शन फर्नेस (आईएफ) के जरिये 5.8 करोड़ टन क्षमता शामिल है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश का इस्पात उद्योग लगातार वृद्धि की राह पर है।

मामाअर्थ की पेरेंट कंपनी की मार्केट में फ्लैट एंट्री

नईदिल्ली। मामाअर्थ की पेरेंट कंपनी होनासा कंज्यूमर के शेयर की मंगलवार को शेयर बाजार में लिस्टिंग हो गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर, कंपनी का शेयर अपने इश्यू प्राइस 324 रुपये पर मामूली दो प्रतिशत की बढ़त के साथ लिस्ट हुआ। एनएसई पर कंपनी के शेयर ने 1.85 प्रतिशत की बढ़त के साथ 330 रुपये पर कारोबार शुरू किया। बाद में यह 337.60 रुपये के उच्चस्तर तक गया और 323 रुपये के निचले स्तर पर भी आया। वहीं, बीएसई पर कंपनी का शेयर अपने इश्यू प्राइस 324 रुपये पर ही लिस्ट हुआ। सुबह के कारोबार के दौरान कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,718.99 करोड़ रुपये रहा। होनासा कंज्यूमर के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 7.61 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। कंपनी ने 1,701.44 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 308-324 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया था।

सरकार ने बढ़ाई अरहर और उड़द दाल की स्टॉक लिमिट

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने अरहर और उड़द दाल पर लागू स्टॉक लिमिट में संशोधन किया है। सरकार ने इन दोनों दालों पर मौजूदा स्टॉक लिमिट को बढ़ा दिया है। इस संबंध में सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है। जिसके मुताबिक संशोधित स्टॉक लिमिट तत्काल प्रभाव से लागू होगी। सरकार ने थोक कारोबारियों को अब प्रत्येक दाल का 200 टन स्टॉक रखने की इजाजत दी है। पहले ये कारोबारी 50 लाख टन दाल रख सकते थे। खुदरा दाल कारोबारियों को दोनों दालों में से प्रत्येक का 5 टन स्टॉक रखने की अनुमति होगी। इसमें कोई बदलाव नहीं किया गया। बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेता (बिग चेन रिटेलर) प्रत्येक खुदरा आउटलेट पर प्रत्येक दाल का 5 टन स्टॉक रख सकते हैं, जबकि डिपो या वेयर हाउस में दाल रखने की लिमिट 200 टन होगी। पहले डिपो पर दाल रखने की लिमिट 50 टन थी।

जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस : वैश्विक स्तर पर नियमन हो

प्रसेनजित दत्ता

जेनरेटिव आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (जेनरेटिव एआई) इतना प्रभावशाली है कि इसका विकास एकदम स्वतंत्र तरीके से किए जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यह ऐसा मुद्दा है जिस पर अधिकांश लोग सहमत हैं। डीप लर्निंग के प्रणेता जेफ्री हिंटन और ओपनएआई के प्रमुख सैम ऑल्टमैन, दोनों ही इस मुद्दे पर सहमत दिखते हैं।

हिंटन ने चेतावनी भी दी है कि जेनरेटिव एआई मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरा हो सकता है। ऑल्टमैन ने अमेरिकी सांसदों से अपील की है कि वे एआई क्रिएटरों के लिए एक मापदंड तय करें ताकि वे दुनिया को एक बड़े जोखिम की स्थिति में न आने दें। दुनिया भर में कानून बनाने वाले सांसद अब भी इस बात को लेकर जूझ रहे हैं कि इस शक्तिशाली तकनीक का नियमन बेहतर तरीके से कैसे किया जाए। इनमें से कई जेनरेटिव एआई क्रिएटरों के पाले में गेंद डालने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने हाल ही में एक आदेश जारी किया जिसके मुताबिक यह सुनिश्चित करना है कि 'अमेरिका आर्टिफिशल इंटेलीजेंस की संभावनाओं को साधने के साथ ही इसके जोखिमों का प्रबंधन करने में सबसे आगे रहे।' इसके लक्ष्यों में अमेरिका की गोपनीयता की सुरक्षा बरकरार रखते हुए एआई सुरक्षा के लिए नए मानकों को स्थापित करना है।

यूरोपीय संघ (ईयू) कुछ समय से एआई के लिए व्यापक नियम पारित कराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि इसने इस दिशा में प्रगति की है लेकिन इस वर्ष के अंत तक इन कानूनों के पारित होने की संभावना नहीं है। ताजा खबरों से ऐसे संकेत मिलते हैं कि यूरोपीय संघ के सांसद जेनरेटिव एआई के

बुनियादी मॉडल के नियमन के तरीके पर कोई निर्णय नहीं ले पाए हैं। कुछ संसद सदस्य उन दिशानिर्देशों पर जोर दे रहे हैं जिनके तहत बुनियादी मॉडल के डेवलपरों को परीक्षण और इसे जारी किए जाने के दौरान संभावित जोखिम का आकलन करने और रिलीज के बाद भी इसकी निगरानी करने की आवश्यकता होगी। इस लिहाज से सबसे तेजी से आगे कदम बढ़ाने वाला देश चीन है जिसने पहले ही जेनरेटिव एआई तकनीक के लिए एक विशेष प्रावधान वाला कानून पारित किया है।

इस कानून के माध्यम से इस क्षेत्र से जुड़े निजी खिलाड़ियों की तरक्की के लिए पूरी स्वतंत्रता दिए जाने के साथ ही नियंत्रण के जरिये संतुलन बनाने की कोशिश की जा रही है। भारत ने परंपरागत रूप से डिजिटल क्षेत्र के लिए कानून पारित करने में देरी की है। हाल में पारित हुए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा गोपनीयता (डीपीडीपी) अधिनियम में भी कई साल लग गए और यह ऐसा कानून भी नहीं है जो सामान्य एआई शोध का नियमन कर सके, ऐसे में जेनरेटिव एआई की बात छोड़ देना ही बेहतर होगा। दुनिया भर के कानून निर्माताओं का भरोसा 'जिम्मेदार और नैतिकता के साथ संचालित हो रहे एआई' में है और इसके यह भी उम्मीद की जा रही है कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां इसका अनुसरण करेंगी। मूल विचार यह है कि कंपनियों को खुद ही सुरक्षा उपाय करने के साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एआई के विकृत मॉडल या जोखिम पहुंचाने की क्षमता रखने वाले मॉडल तैयार न किए जाएं और न ही उनकी निर्माण प्रक्रिया स्वतंत्र छोड़ दी जाए।

जिन नीतियों पर विचार किया जा रहा है, उनको लेकर एक बड़ी समस्या यह भी है कि अधिकांश सांसद (कानून निर्माता) अभी तक यह समझ नहीं पाए हैं कि जेनरेटिव एआई का नियमन कैसे किया जा सकता है और इसे कैसे नियंत्रित किया जा सकता है। वे जेनरेटिव एआई मॉडल के स्व-नियमन के लिए बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों पर भरोसा रखते हैं। इसमें दिक्कत यह है कि वे जेनरेटिव एआई में तेजी से बढ़ते ओपन-सोर्स गतिविधियों को नजरअंदाज कर रहे हैं, जो डेवलपरों को अपने खुद का मॉडल चुनने और उसे तैयार करने के लिए उपकरण मुहैया कराता है और इनमें से कई पूरी तरह मुफ्त हैं।

कांग्रेस के तीन मंत्री समेत प्रदेश अध्यक्ष सीट बचाने में हो रहे असफल: डॉ. रमन

रायपुर. छत्तीसगढ़ में पहले चरण में 20 सीटों पर आज चुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा कार्यालय में पटाखे फोड़कर भाजपा कार्यालय में पटाखे फोड़कर जश्न मनाया जा रहा. भाजपा पहले चरण में 20 सीटों पर जीत का दावा कर रही. वहीं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने प्रेसवार्ता में कहा, सबसे ज्यादा वोट से राजनांदगांव में बीजेपी जीत रही. सर्वे भाजपा के चुनाव को उत्साहजनक बता रहे. अनुमान लगा रहे कि 15 से 18 सीट पर बीजेपी आ रही. परिवर्तन का जबरदस्त लहर है.

रमन सिंह ने कहा, आज पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ. 20 विधानसभा सीटों पर मतदान संपन्न हुआ. जनता के मन में भूपेश सरकार के प्रति आक्रोश है. राजनांदगांव में इस आक्रोश को प्रकट होते भी देखा. भांचा आया था उसकी भी विदाई हो गई. महादेव एप का प्रभाव भी आज देखा. जेबों में पैसा ठूसा जा रहा है. राजनांदगांव के इतिहास का सबसे बड़ी पराजय होने का रिकॉर्ड बनेगा. रात 12 बजे तक एक्जैक्ट फिगर पता चल जाएगा.

पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा, भाजपा का सर्वे बताता है चुनाव अभियान उत्साहजनक है और अनुमान लगा रहे हैं कि भाजपा 15 से 18 सीट जीतने की स्थिति में है. अंडर करेंट भी इस बार जबरदस्त है. कांग्रेस के तीन मंत्री सहित प्रदेश अध्यक्ष सीट बचाने में असफल हो रहे हैं. शराब, कोयला और श्व्ह्रष घोटाले का असर क्या होता है यह बताता है. लोगों ने मोदी जी की गारंटी पर भरोसा किया है. कृषि के क्षेत्र में धान के समर्थन मूल्य को लेकर अपनी अपनी बात दोनों पार्टियों ने रखी. 3100 रुपए क्विंटल में धान हम खरीदेंगे, किसानों के हित में बड़ा कदम है. 25 दिसंबर तक इसे दे देंगे हमारे सरकार गठन के बाद. दो साल के बोनस देने का मामला जो कांग्रेस ने किया उसे भी भाजपा बकाया बोनस दे रही है.

उन्होंने कहा, ग्रामीण या शहरी क्षेत्र में 12 हजार रुपए देने की घोषणा हुई है उसका अच्छा इंपैक्ट पड़ा है. यूपीएससी पैटर्न में भी एग्जाम देने के लिए आगे बढ़ाएंगे. शुभम सोनी मामले में मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रमाण क्या है? क्या मुख्यमंत्री चाहते हैं उन्हें नोटों की गड्डी तक पकड़ाए? मुख्यमंत्री सट्टा और जुआ में भी पैसा लेने की बात कर रहे हैं. आज प्रधानमंत्री जी ने साफ शब्दों में कह दिया 30 टका भूपेश कका, हमारी स्पष्ट बहुमत से सरकार बन रही है. श्व्रष्ठ ने जो भाजपा नेता की गाड़ी पर पैसे रख के फोटो खींचे उस पर डॉ. रमन ने स्पष्टीकरण दे दिया है. गाड़ी उसने पहले ही बेच दिया था.

'प्रत्याशी को जीताकर विधानसभा तक भेजो, सरकार भी करेगी सम्मान'

गरियाबंद। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री भक्त चरण दास पिछले दो दिनों से बिंद्रानवागढ़ में कांग्रेस प्रत्याशी जनक ध्रुव के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं. उन्होंने आज तेतल खुटी में आयोजित एक सभा में भूपेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया, पिछली भाजपा के कार्यकाल से बेहतर बताते हुए जनता की बेहतरी के लिए दोबारा सरकार बनाने की अपील करते हुए जनक ध्रुव के लिए मतदान करने कहा.

भक्तचरण दास ने टिकट कटने से नाराज शमिल नाराज नेताओं को भी नसीहत देते हुए कहा कि एक दो साल के प्रयास में टिकट नही मिल जाता, जनक ध्रुव ने 10 साल तक जनता की सेवा की तब जाकर उन पर पार्टी ने दोबारा भरोसा जताया. दास ने नाराज नेताओं को गीले सिकवे भूलकर कांग्रेस विधायक बनाने में सहयोग की नसीहत दी. दास ने कहा कि चुनाव में जीत दर्ज कराने के बाद विधायक और सरकार दोनो सहयोग करेगी. मीडिया के सवाल पर भक्तदास ने फिर से कांग्रेस सरकार बनने का दावा किया है.

भाजपा प्रत्याशी गोवर्धन मांझी पिछले दो दिनो से देवभोग के विभिन्न गांव में प्रचार कर रहे है. आज प्रचार दल ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र मांझी के गृह ग्राम झिरिपानी पहुंचा, जहां भाजपा प्रत्याशी का बाजे गाजे से स्वागत किया गया. मांझी ने सबका अभिवादन कर अपने समर्थन में वोट की अपील की.

गोवर्धन मांझी ने दावा किया है कि मोदी गारंटी से जीत का रास्ता साफ हो गया है. किसान ही नही, गांव, गरीब, बेरोजगार, महिलाओं के लिए भाजपा की गारंटी में सब कुछ है, सभी वर्गो के व्यापक समर्थन मिल रहा.

10 साल बाद दोनो प्रत्याशी फिर आमने-सामने

गौरतलब है कि बिंद्रानवागढ़ में साल 2013 के चुनाव के दौरान भाजपा के गोवर्धन मांझी और कांग्रेस के जनक ध्रुव आमने-सामने थे, तब मांझी ने 30 हजार से ज्यादा मतों से जीत दर्ज किया था. 10 साल बाद अब एक बार फिर दोनो आमने-सामने हैं. कांग्रेस के पास कर्ज माफी का मुद्दा है तो भाजपा मोदी गारंटी को जीत का आधार मान रही है.

पीएससी बयानबाजी और टिप्पणी: हाई कोर्ट का पीएससी को लेकर सख्त रुख, कहा-

ना बनाएं राजनैतिक मुद्दा, कोई भी पक्ष ना करें बेवजह बयानबाजी

रायपुर. पीएससी मामले को लेकर हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा है कि, इसे राजनैतिक मुद्दा ना बनाएं, कोई भी पक्ष बेवजह बयानबाजी भी ना करें. याचिका में कही बातें सही मिली तो राज्य लोक सेवा आयोग पर कार्रवाई होगी. मामले की अंतिम सुनवाई के लिए हाईकोर्ट ने 11 दिसंबर की तारीख तय की है.

दरअसल, छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग वर्ष 2021-22 भर्ती में हुई गड़बड़ी को लेकर पूर्व गृहमंत्री और रामपुर के विधायक ननकी राम कंवर ने हाईकोर्ट ने जनहित याचिका दायर की है. मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने रिज्वाइंडर पेश करने के लिए समय मांगा तो सीजी पीएससी के अधिवक्ता ने विरोध करते हुए जानबूझकर समय मांगने और झूठी

बयानबाजी कर आयोग की छवि को खराब करने की बात कही.

वहीं इस मुद्दे पर कोर्ट ने इस तरह की बयानबाजी से दोनों पक्षों को बचने की बात कहते हुए कहा कि, याचिका में कही बातें सही मिली तो राज्य लोक सेवा आयोग पर कार्रवाई होगी. याचिका सिर्फ राजनीति या बिना तथ्यों के आधार पर दायर हुई तो उस पर कार्रवाई होगी. कोर्ट ने यह भी कहा कि, देखने और सुनने में तो यही आ रहा है कि दोनों पक्षों द्वारा बयानबाजी चल रही है. जब हमने नोटिस कर दिया है और मामला विचाराधीन है तो फैसले का इंतजार करना चाहिए.

बता दें, कि भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर ने छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग वर्ष 2021-22 भर्ती प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका लगाई है. उन्होंने पीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के आधा दर्जन के करीब रिश्तेदार डिप्टी कलेक्टर सहित अन्य पदों पर चयनित होने के साथ ही राज्य लोक सेवा आयोग के सचिव अमृत खलखो के बेटी-बेटे, मुंगेली के तत्कालीन कलेक्टर एल्मा के बेटे, कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला के बेटे, बस्तर नक्सल ऑपरेशन डीआइजी की बेटी सहित ऐसे 18 लोगों की सूची पेश की है और इन सभी नियुक्तियों गलत तरीके से होने की बात कही है. उन्होंने अपनी याचिका में पिछले दरवाजे से की गई है।

भाजपा प्रत्याशी लता उसेंडी पूजा अर्चना कर सबसे पहले किया मतदान

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 (ष्ट्त्र द्द्यद्गष्ह्लद्बशठ्ठ 2023) के प्रथम चरण का चुनाव सुबह 7 बजे से शुरू हो गया है. पहले चरण में 20 विधानसभा सीटों में चुनाव हो रहे हैं. जिसमें दो अलग-अलग समय में वोटिंग शुरू होगी. जिसके लिए 10-10 सीटों को अलग-अलग समय में बांटा गया है. वहीं मतदान शुरू होते ही कोंडागांव जिले के सरगीपाल पारा मतदान केंद्र में भाजपा प्रत्याशी लता उसेंडी विधि विधान से पूजा अर्चना कर वोट डालने पहुंची. इस मतदान केंद्र में सबसे पहले लता उसेंडी ने मतदान किया.

पहले चरण के 20 विधानसभा क्षेत्रों में से दस विधानसभा क्षेत्रों में मतदान सुबह सात बजे से शुरू हुई. जो दोपहर तीन बजे तक चलेगा. जिसमें मोहला-मानपुर, अंतागढ़, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे.

भाजपा समर्थित महिलाओं ने किया जोरदार जनसंपर्क

रायपुर। नारी शक्ति समन्वित: यानी नारी शक्ति का स्वरूप है। शक्ति का यही स्वरूप मंगलवार को रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में देखा गया। क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा के पक्ष में भाजपा समर्थित महिलाओं ने जोरदार जनसंपर्क किया। वहीं कई जगहों पर सम्मान के सम्मान में उन्होंने चाय पी और महिलाओं संग बैठ दुख-दर्द बांटकर रायपुर उत्तर में कमल खिलाने की अपील की। चुनाव की तारीख जैसे-जैसे करीब आ रही है, वैसे-वैसे चुनाव प्रचार के नए-नए रंग भी खिलते जा रहे हैं। उत्तर विधानसभा क्षेत्र में महिलाएं जब पुरंदर मिश्रा के पक्ष में चुनाव प्रचार की भागीदारी निभाने निकलीं तो देखने वाले उन्हें देखते ही रह गए। लोग कहते सुने गए कि नारी शक्ति को नमन।

इस बीच भाजपा मंडल शंकर नगर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड अंतर्गत पार्वती नगर में भाजपा प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती सरस्वती मिश्रा के साथ भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक घर घर जाकर प्रचार प्रसार किया। इनमें प्रमुख रुप से अर्चना शुक्ला, ज्योति शुक्ला, संतोषी यादव, कपिला सिंह, माधुरी पंडा, ममता षडंगी, रश्मि देवता, निर्मला मिश्रा, कविता मिश्रा, पिंकी मिश्रा, अनुपमा प्रधान, बबीता भुवनेश्वर, रिया देवता, भूमि मिश्रा, शिवली देवता, नूपुर देवता, आकृति देवता, आद्या मिश्रा, नम्रता मिश्रा और स्वयंप्रभा मिश्रा सहित अन्य शामिल थीं। दौरा और जनसंपर्क के दौरान पार्वती नगर की महिलाओं ने चुनाव प्रचार पर निकली महिलाओं के साथ अपने दुख-दर्द भी बांटे। समस्याओं रखते हुए उन्होंने कहा- मुहल्ले में सफाई का बुरा हाल है। नशेड़ी तत्वों की असहज हरकतों के कारण दहशत का माहौल बना रहता है। रात में भी जगह-जगह असामाजिक तत्वों का डेरा रहता है, इसके बावजूद पुलिस की कार्यशैली सुस्त है। महिलाएं असुरक्षित हैं।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

प्रथम चरण में भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगा : बैज

रायपुर। कांग्रेस ने कहा कि प्रथम चरण के मतदान से स्पष्ट हो गया है कि राज्य में फिर से कांग्रेस की सरकार बनने वाली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि प्रथम चरण में भाजपा का खाता भी नहीं खुलेगा। बस्तर की 12 सीटें एक बार फिर से कांग्रेस जीत रही है। इस बार रमन सिंह भी राजनांदगांव से चुनाव हार रहे है। पहले चरण की सभी 20 सीटों पर कांग्रेस जीत रही है। छत्तीसगढ़ की जनता ने

कांग्रेस सरकार की पिछले पांच साल के कामों के आधार पर मतदान किया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र के अधिकांश वायदो को निभाया है, जनता का भरोसा 5 सालों में कांग्रेस के प्रति और बढ़ा है। यही कारण है कि जनता ने एक बार फिर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है। कांग्रेस ने उत्साहपूर्वक मतदान करने के लिये मतदाताओं का आभार जताया है प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव प्रचार अपनी सरकार की योजनाओं और कांग्रेस सरकार के पिछले कामों को आधार बना कर किया है। भाजपा ने नकारात्मकता के आधार पर चुनाव प्रचार किया। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर भी मतदाताओं ने भरोसा जताया। इसके विपरीत लोग भाजपा के घोषणा पत्र पर भरोसा करने को तैयार नहीं है इसीलिये प्रथम चरण में जनता ने भाजपा को नकारा है। दूसरे चरण के मतदाता भी कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने वाले है।

आजादी के बाद पहली बार चांदामेटा में हुई वोटिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान प्रक्रिया जारी है। वहीं बस्तर जिले के एक ऐसा गांव जहां, आजादी के बाद पहली बार धुर नक्सली गांव में मतदान किया जा रहा है। बताया जाता है कि इस गांव को नक्सलियों का अभेद किला कहा जाता था, लेकिन इस बार यहां भी मतदान का उत्सव मनाया जा रहा है। वहीं सुरक्षा को लेकर बड़ी संख्या में जवानों को तैनात किया गया है।

चांदामेटा बस्तर जिले का एक ऐसा गांव जिसे कुछ समय पहले नक्सलियों का अभेद किला कहा जाता था। आजादी के बाद पहली बार इस गांव में बनाए गए मतदान केंद्र में मतदान हो रहा है। ऐसे में मतदाताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। यहां सुरक्षा को लेकर तगड़े इंतजाम भी किया गया है। किसी प्रकार की कोई चूक न हो इस लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।यह गांव बस्तर बॉडर का एरिया है। यहां से ओडिशा के घने जंगल लगा हुआ है। बताया जाता है कि झीरम हमले के बाद बड़ी संख्या में नक्सली इसी इलाके में जमा हुए थे। इसके बाद बड़े लीडर ओडिशा और सुकमा बीजापुर रवाना हुए।

केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा का लाभ हर वर्ग को: शुक्ला

रायपुर। कांग्रेस के घोषणा पत्र में शहरी और ग्रामीण दोनो का ध्यान रखा गया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस ने घोषणा पत्र में 200 यूनिट तक फ्री बिजली का लाभ प्रदेश के लगभग 50 लाख परिवारों को मिलेगा। अभी तक गरीबी रेखा के नीचे के लोगो को 5 लाख तक मुफ्त ईलाज मिलता था तथा अन्य वर्ग के 50 हजार

तक ईलाज की सुविधा थी। कांग्रेस की सरकार बनने पर गरीबी रेखा के नीचे वालो को 10 लाख तक तथा अन्य सभी वर्ग के लोगो को 5 लाख तक ईलाज की मुफ्त सुविधा दी जायेगी। बड़ी बीमारियों में कांग्रेस की सरकार बनने पर 25 लाख तक ईलाज बिना किसी भेदभाव के सभी को मिलेगा।प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में छत्तीसगढ़ में सभी प्रकार की शिक्षा नर्सरी से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट तक सभी वर्ग के लिये नि:शुल्क करने का वादा किया है। इससे प्रदेश के हर वर्ग के लोगो का शिक्षा पर होने वाला खर्च बचेगा। छत्तीसगढ़ देश का अकेला ऐसा प्रदेश होगा जहां मेडिकल, इंजीनियरिंग तथा आईटीआई की शिक्षा भी मुफ्त होगी।प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद गरीबी रेखा की उज्जवला की बहनों को कांग्रेस सरकार बनने पर मात्र 107 रू. में सिलेंडर मिलेगा।

भाजपा मतदाताओं को प्रलोभन दे रही, कांग्रेस ने किया शिकायत

रायपुर। कांग्रेस ने मतदाताओं को सीधे प्रलोभन देने के लिये चलाये जा रहे भारतीय जनता पार्टी के अभियान के लिये चुनाव आयोग से शिकायत किया है।शिकायत में कहा गया कि छत्तीसगढ़ के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से शिकायतें मिली हैं कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से 'महतारी वंदन योजना' का पंजीयन फॉर्म भरवाया जा रहा है. इस फॉर्म में महिला मतदाता का नाम, पता सहित सभी व्यक्तिगत जानकारियां भरवाई जा रही हैं।

इस पंजीयन फॉर्म में प्रधानमंत्री की तस्वीर सहित यह कहा जा रहा है कि इस फॉर्म को भरने से परिवार की महिलाओं को 1,000 रुपए प्रति माह और सालाना 12,000 रुपए देने का प्रलोभन दिया जा रहा है।भारतीय जनता पार्टी का यह अभियान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत भ्रष्ट आचरण और निर्वाचन अपराध के प्रावधानों की धारा 123 की उपधारा (अ) रिश्वत में जो दिशा निर्देश हैं उसके तहत मतदाता को रिश्वत देने की श्रेणी में आता है। इस अभियान के ज़रिए भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट रूप से मतदान करने पर हर परिवार की महिलाओं को प्रति माह 1000 रुपए देने का प्रलोभन दे रही है।चूंकि इसकी शिकायतें प्रदेश की अलग-अलग विधानसभाओं से आई हैं इससे स्पष्ट है कि यह अभियान दूसरे चरण की सभी 70 विधानसभाओं में चल रहा है। इस अभियान के फॉर्म को भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों की ओर से सोशल मीडिया पर भी प्रचारित किया जा रहा है।आपसे अनुरोध है कि इसे भारतीय जनता पार्टी को आयोग की ओर से तत्काल निर्देश दिए जाएं कि वे इस अभियान को रोकें।

नक्सलियों के डर से उंगली पर स्याही नहीं लगवा रहे मतदाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव का प्रथम चरण का मतदान सुबह से 20 सीटों पर जारी है। वहीं बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में माओवादियों के खौफ के बीच मतदान हो रहा है। ग्रामीण चुनाव का बहिष्कार कर रहे हैं। मतदान केंद्र पहुंचकर वोटिंग के बाद उंगलियों पर अमिट स्याही नहीं लगवा रहे हैं।

बता दें कि कुछ दिनों से नक्सली लगातार चुनाव का बहिष्कार कर रहे हैं। बैनर पोस्टर लगाकर नेताओं को जान से मारने की धमकी भी दी है। इसी खौफ में आज चुनाव के दिन पोलिंग बूथ पर पहुंच रहे ग्रामीण चुनाव का बहिष्कार करते हुए ऊँगली में स्याही लगाने से मना कर रहे हैं। चिह्का पोलिंग बूथ में अंदरूनी इलाके में ग्रामीण अपने अपने साधनों से पहुंच रहे हैं। यहां तक कि 7 से 8 किमी पैदल चलकर भी वोट डालने आ रहे हैं.

तखतपुर में सीएम भूपेश ने आमसभा को किया संबोधित, कहा-

'पहले चरण के चुनाव में अधिकांश सीट जीत रही कांग्रेस'

तखतपुर। छत्तीगसढ़ विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक पार्टियां जोर शोर से प्रचार में जुटी हुई है, इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तखतपुर विधानसभा के बीजा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने आमसभा को संबोधित करते हुए सरकार की योजनाओं को बताकर तखतपुर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी रश्मि सिंह के पक्ष में मतदान करने की अपील की.

जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम ने दावा करते हुए कहा कि 'पहले चरण के चुनाव में कांग्रेस अधिकांश सीट जीत रही है और तखतपुर की पावन भूमि के मंच से मैं बता रहा हूं कि रमन सिंह का बोरिया-बिस्तर गोल है. डॉक्टर रमन सिंह बीस हजार वोट से चुनाव हार रहे है. सीएम ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा को वोट दोगे तो अडानी अंबानी का कर्ज माफ होगा और कांग्रेस को वोट दोगे तो किसानों और महिला समूहों और ट्रांसपोर्टर का कर्जा माफ करेगी.

केंद्र अनुमति दे तो रमन सरकार के दो साल का बोनस भी किसानों दूंगा

जनसभा के दौरान सीएम भूपेश बघेल ने किसानो की कर्ज माफी को लेकर कि सरकार बनने के बाद पहला हस्ताक्षर कर्जा माफी पर होगा। मैंने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखकर किसानों के दो साल के से बचे बोनस के लिए अनुमति मांगी है। अगर केंद्र सरकार मुझे अनुमति देती है तो मैं रमन सिंह के कार्यकाल के दो साल का 600 रूपये बोनस भी छत्तीसगढ़ के किसानों को दूंगा.

पहली बार बनाया गया ट्रांसजेंडर मतदान केंद्र, सुरक्षा में भी इन्हीं को किया तैनात

कांकेर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान चल रहा है। इसे लेकर मतदाताओं में उत्साह भी है। इसी बीच कांकेर का रेनबो मतदान केंद्र चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां ट्रांसजेंडर्स वोट करने के लिए पहुंचे। छत्तीसगढ़ में पहली बार ट्रांसजेंडर्स के लिए मतदान केंद्र बनाया गया है। इस मतदान केंद्र की सुरक्षा में ट्रांसजेंडर्स सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं।सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इसी बीच सुकमा में आईईडी ब्लास्ट हुआ है। धमाके में एक सीआरपीएफ का जवान घायल हो गया है। जिसे बेहतर इलाज के कैंप लाया गया है। मतदाताओं के उत्साह के कारण इसे नक्सिलयों की बदले की कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

बस्तर जिले के चांदामेटा गांव को नक्सलियों का अभेद किला कहा जाता था। लेकिन आजादी के बाद पहली बार उस गांव में बने मतदान केंद्र पर वोटिंग हो रही है। ऐसे में मतदाताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। यहां सुरक्षा को लेकर तगड़े इतजाम किए गए हैं, किसी प्रकार की कोई चूक न हो इसलिए बड़ी संख्या में यहां सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। यह बस्तर का बॉर्डर का एरिया है, यहां से ओडिशा के घने जंगल लगते हैं बताया जाता है कि झीरम हमले के बाद बड़ी संख्या में नक्सली इसी इलाके में जमा हुए थे, इसके बाद बड़े लीडर ओडिशा और सकुमा बीजापुर रवाना हुए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.